सुप्रभात
रांची, गुरुवार
12.09.2024
* * नगर संस्करण। पेज :12
khabarmantralive.com

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक
खबर मन्त्र
रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | भादो, शुक्ल पक्ष, नवमी, संवत् 2081 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 64

12 साइबर अपराध के खिलाफ मुहिम में जुड़े बिग-बी

न्यूज डायरी

दिल्ली-एनसीआर में 5.8 तीव्रता का आया भूकंप

नयी दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार को दोपहर करीब 1 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.8 तीव्रता मापी गयी। इस भूकंप का केन्द्र पाकिस्तान में जमीन से 33 किलोमीटर नीचे था। हालांकि नुकसान की कोई खबर नहीं है।

सड़क हादसे में एक पर्यटक की मौत, छह लोग गंभीर

दुमका। जिले के मसानजोर ओपी थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में बंगाल के एक पर्यटक की मौत हो गई जबकि ट्रक के नीचे दबने से कर छह पर्यटक घायल हो गये। सभी पर्यटक पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिला के बोलपुर और किरना हार से घूमने आये थे।

संजीव लाल की जमानत पर फैसला सुरक्षित

रांची। टेंडर कमीशन के ₹32.30 करोड़ नकद बरामदगी मामले में पीएमएलए कोर्ट ने पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर के पीएस संजीव कुमार लाल की जमानत याचिका पर दोनों पक्षों की ओर से बहस पूरी हो गयी। इसके बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया।

मोदी की सभा में विस्फोट करने वालों को उम्र कैद

पटना। गांधी मैदान में पीएम नरेंद्र मोदी की सभा में बम ब्लास्ट करने वाले चार आरोपियों की फांसी की सजा को पटना हाईकोर्ट ने उम्र कैद में बदल दिया है। वहीं दो आरोपियों की मिली उम्रकैद की सजा को कोर्ट ने बरकरार रखा है।

महागामा में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम

सबके चेहरे पर लायेंगे मुस्कान : हेमंत सोरेन

- मुख्यमंत्री ने गोड्डा और देवघर जिले को लगभग 339 करोड़ 60 लाख रुपये की 147 विकास योजनाओं का दिया तोहफा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची/गोड्डा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य की जनता हमारी सबसे बड़ी ताकत है और जनता के सहयोग से ही मजबूत झारखंड बनाने की दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस राज्य के हर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लायेंगे। श्री सोरेन बुधवार को गोड्डा जिले के महागामा स्थित राजेंद्र स्टेडियम में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में बोल रहे थे।

विशेष शिविरों में लोगों का दिख रहा जबरदस्त उत्साह : मुख्यमंत्री ने कहा कि इस चरण में राज्य भर की पंचायतों और टोलों में लग रहे विशेष शिविरों में लोगों का जबरदस्त उत्साह है। यहां उनकी समस्याओं का समाधान हो रहा है। उन्होंने कहा कि झामुमो गठबंधन की सरकार लोगों के कल्याण के लिए कार्य करती आ रही है। राज्य सरकार अनेकों योजनाओं को धरातल पर उतार रही है, उससे एक ही घर परिवार में एक साथ कई योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। सभी बुजुर्गों को पेंशन मिल रही है तो महिलाओं को सम्मान राशि। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार हर वर्ग को मदद और राहत देने का काम कर रही है। किसानों के दो लाख रुपए तक के कर्ज माफ कर दिये गये हैं। लोगों को 200 यूनिट बिजली मुफ्त दी जा रही है। सावित्रीबाई फूले किशोरी समृद्धि योजना के तहत बच्चियों को पढ़ाई के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

गांव-देहात को कर रहे मजबूत : मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक हमारे गांव मजबूत नहीं होंगे, राज्य सशक्त नहीं होगा। इसीलिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहे हैं। उन्होंने अपील की कि समाज को तोड़ने वालों की पहचान कर उन्हें नकारें।

मौके पर मंत्री सत्यानंद भोक्ता, दीपिका पांडेय सिंह, विधायक प्रदीप यादव, पूर्व मंत्री हेमलाल मुर्मू, संजय यादव, संताल के आयुक्त लालचंद दादेल, आइजी क्रांति कुमार गड़िदेशी आदि थे।

चार वर्ष में हुए कार्यों का आकलन करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड अलग राज्य बनने के बाद 20 वर्षों में जो कार्य हुए और हमारी सरकार ने विगत साढ़े चार वर्षों में जितने कार्य किए हैं, उसका आप खुद आकलन कर लें। श्री सोरेन ने कह कि उनकी सरकार ने कोरोना के साथ साथ कई अन्य चुनौतियों के बीच राज्य के विकास को गति देने का काम करती आ रही है। आज झारखंड का कोई भी ऐसा घर नहीं है जो सरकार की योजनाओं से वंचित है। उन्होंने कहा कि आधी आबादी को सशक्त बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के तहत 50 लाख बहन-बेटियों को सम्मान राशि दे रहे हैं।

बड़गाईं जमीन घोटाला : गिरिडीह, हजारीबाग, रांची और चाईबासा में एसीबी की दबिश

एसडीओ शैलेश के आवास और दफ्तर पर रेड

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड के चर्चित बड़गाईं जमीन घोटाला मामले को लेकर एसीबी ने बुधवार को रांची, हजारीबाग, चाईबासा और गिरिडीह में छापेमारी की। टीम ने हजारीबाग सदर एसडीओ शैलेश सिन्हा के दफ्तर और आवास समेत अन्य ठिकानों पर छापेमारी की। बड़गाईं जमीन घोटाला मामले में प्राथमिकी के दौरान शैलेश कुमार बड़गाईं और हेहल अंचल में पोस्टेड थे।

एसीबी के डीजी अनुराग गुप्ता के अनुसार सरकार से मिले निर्देश पर एसीबी, न्यायालय को सूचित कर मामले में अनुसंधान शुरू कि है। जांच के क्रम में बड़गाईं के तत्कालीन सीओ मनोज कुमार और शैलेश कुमार के खिलाफ साक्ष्य सही पाये गये। अधिक साक्ष्य एकत्र करने के लिए न्यायालय से तलाशी वारंट लेकर दोनों पदाधिकारियों के रांची, हजारीबाग, चाईबासा, गिरिडीह के ठिकानों पर एसीबी ने कार्रवाई की। छापेमारी रांची एसीबी टीम के नेतृत्व में चल रही है। पूरी कार्रवाई में 60 से अधिक पदाधिकारी शामिल रहे। जांच के दौरान एसडीओ के दफ्तर में मौजूद कर्मियां ने जांच टीम को सहयोग किया।

एसीबी की एक टीम गिरिडीह पहुंचीं : एसीबी की एक टीम गिरिडीह के शास्त्री नगर निवासी उदय शंकर प्रसाद और उनके पुत्र रिंकू सिन्हा के घर भी पहुंची। उदय शंकर प्रसाद के तीन पुत्र- शैलेश कुमार एसडीओ हजारीबाग, विकास कु. सिन्हा- एजी ऑफिस और नीलेश कुमार एक्साइज विभाग साहिबगंज में पदस्थापित हैं।

70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों का होगा ₹5 लाख का स्वास्थ्य बीमा

नयी दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने आयुष्मान भारत पीएम जन आरोग्य योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य बीमा देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इसके तहत वरिष्ठ नागरिकों को 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। इसमें देश के लगभग 4.5 करोड़ परिवार शामिल होंगे, जिनमें लगभग 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिक शामिल होंगे। पात्र वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत पीएम जन आरोग्य योजना के तहत एक नया अलग कार्ड जारी किया जायेगा। इसके तहत पहले से लाभ ले रहे परिवारों से संबंधित 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का अतिरिक्त टॉप-अप कवर मिलेगा। (पेज 12 भी देखें)

डीजीपी, डीसी और नगर विभाग के प्रधान सचिव को किया तलब

महिलाओं व बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा क्यों नहीं रूक रही : हाइकोर्ट

- महिलाओं और बच्चों के साथ बढ़ते यौन उत्पीड़न को लेकर हाइकोर्ट गंभीर

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड में महिलाओं और बच्चों के साथ बढ़ते यौन उत्पीड़न के मामले को झारखंड हाई कोर्ट ने गंभीरता से लिया है। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने मामले में नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव, डीजीपी और रांची डीसी को कोर्ट में 18 सितंबर को सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया। कोर्ट ने उनसे पूछा है कि राज्य सरकार के काफी प्रयास के बाद भी महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ यौन उत्पीड़न की घटना क्यों नहीं रुक रही है।

मामले में रांची नगर निगम एवं नगर विकास विभाग को प्रतिवादी बनाया है। खंडपीठ ने मौखिक रूप से कहा कि स्कूल बसों में बच्चे आना-जाना करते हैं उनके साथ यौन उत्पीड़न की घटना ना हो इसके लिए स्कूल प्रबंधन को बस में एक-दो स्कूल स्टाफ को रखना जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि महिलाएं काम करने के लिए बाहर निकलती हैं जब तक उन्हें सुरक्षा नहीं मिलेगी तब तक वह फ्री माइंड होकर काम नहीं कर सकेंगी।

कोर्ट ने जमशेदपुर में स्कूल वैन के ड्राइवर के द्वारा साढ़े तीन साल की बच्ची के साथ यौन शोषण और रिम्स में बीते दिनों स्टाफ के साथ छेड़खानी की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे विषय पर पुलिस प्रशासन को गंभीर रहने की जरूरत है। अदालत ने रांची नगर निगम से कहा कि रांची शहर में स्ट्रीट लाइट और सीसीटीवी कैमरा सभी जगह पर ठीक रखने की जरूरत है, ताकि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध को रोका जा सके। याचिकाकर्ता अधिवक्ता भारती कौशल की ओर से कोर्ट को इस वर्ष जनवरी से जून तक महिलाओं के खिलाफ दुष्कर्म की घटना का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। इसमें बताया गया है कि महिलाओं के खिलाफ दुष्कर्म की घटना लगातार बढ़ रही है।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं से राज्यपाल ने किया संवाद, कहा

मेहनत से आगे बढ़ें और अपनी पहचान बनायें

- बातचीत के दौरान एक छात्रा ने राज्यपाल से उनके जीवन के अनुभवों के बारे में जानने की इच्छा जतायी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने डुमरी प्रखंड स्थित पीएमश्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का दौरा किया। छात्राओं से संवाद किया। एक छात्रा ने राज्यपाल से उनके जीवन के अनुभवों के बारे में जानने की इच्छा व्यक्त की। इस पर उन्होंने कहा कि आप सभी को शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन को सफल बनाना चाहिए। आज की लड़कियां कमजोर नहीं हैं, वे शिक्षा में लगातार आगे बढ़ रही हैं। सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों की बच्चियों के लिए कस्तूरबा गांधी विद्यालयों की स्थापना की है, ताकि वे भी अच्छी शिक्षा प्राप्त कर जीवन में प्रगति कर सकें।

इमरजेंसी में जेल भी गया था : एक अन्य छात्रा ने उनसे पूछा कि वे इस पद तक कैसे पहुंचे। राज्यपाल ने अपनी राजनीतिक यात्रा के बारे में कहा कि वे इमरजेंसी के दौरान जेल भी गए थे, लेकिन हर व्यक्ति की यात्रा और परिस्थितियां अलग-अलग होती हैं। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि मेहनत कर आगे बढ़ें और अपनी पहचान बनाएं, ताकि आपका परिवार आप पर गर्व कर सके।

टॉपरों को दिया पुरस्कार : राज्यपाल ने 12वीं कक्षा की छात्रा रानी हेंब्रम को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर और 10वीं कक्षा की छात्रा अनीता कुमारी को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कृत भी किया।

आंगनबाड़ी सहायिका से बात की : राज्यपाल ने गिरिडीह जिला अंतर्गत जामताड़ा पंचायत के बरही टोला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र की आंगनबाड़ी सहायिका, आंगनबाड़ी सहिया एवं बच्चों से बात की। कार्यों का अवलोकन किया। राज्यपाल ने वहां उपस्थित आंगनबाड़ी सहायिका एवं आंगनबाड़ी सहिया को कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं। इनका अच्छी तरह से लालन-पालन करना आपका कर्तव्य है। अच्छी तरह लालन-पालन होने से एवं प्रारम्भिक शिक्षा मिलने से इनका भावी जीवन का आधार मजबूत होगा। कल होकर ये बच्चे शिक्षित एवं सुसंस्कृत नागरिक बनकर देश की सेवा करेंगे।

अन्नप्राशन संस्कार कराया : राज्यपाल ने डुमरी प्रखंड स्थित औहदार टोला-1 के मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनबाड़ी सहायिका और सहिया से संवाद कर बच्चों को प्रदान किए जाने वाले पोषण और प्रारंभिक शिक्षा के संबंध में जानकारी ली। इस अवसर पर उनके द्वारा एक बच्चे का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न किया गया।

आरोग्य मंदिर का निरीक्षण : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार डुमरी प्रखंड स्थित पोरदाग के आयुष्मान आरोग्य मंदिर की कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रतीक्षा कक्ष, ओपीडी, महिला वार्ड, प्रसव कक्ष और टीकाकरण कक्ष में दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने सीएचओ, एएनएम और अन्य उपस्थित कर्मचारियों से संवाद भी किया।

नागरिकों के स्वास्थ्य के प्रति सचेष्ट हैं प्रधानमंत्री

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री देश के सभी नागरिकों के स्वास्थ्य के प्रति सचेष्ट हैं। उनके इलाज के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इसी उद्देश्य से आयुष्मान भारत योजना शुरू की गई है। इसके तहत प्रत्येक नागरिक को 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्यपाल ने उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों को यह भी कहा कि उनका दायित्व है कि वे यहां आने वाले मरीजों का पूरे समर्पण से इलाज करें। इस अवसर पर राज्यपाल ने एक नवजात शिशु की मां को मैटरनिटी किट प्रदान किया, जिससे वहां उपस्थित सभी को प्रोत्साहन मिला।

राहत : दर्द रहित प्रसव की सुविधा रिम्स में शुरू

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में एपिड्यूरल एनाल्जेसिया की शुरूआत की गयी। इससे प्रसव के लिए आने वाली महिलाओं को दर्द रहित प्रसव की सुविधा भी मिलेगी। प्राकृतिक प्रसव के दौरान दर्द से राहत प्रदान करने के लिए एनेस्थीसिया विभाग द्वारा एपिड्यूरल इंजेक्शन देने की शुरूआत की गयी है। महिलाएं दर्द रहित प्राकृतिक प्रसव के लिए एनेस्थीसिया विभाग से एपिड्यूरल इंजेक्शन के लिए अनुरोध कर सकती हैं। एपिड्यूरल एनेस्थेसिया को मां की पीठ के निचले हिस्से पर एक इंजेक्शन के माध्यम से दिया जाता है। यह एक प्रकार का एनेस्थीसिया है, जिसका उपयोग प्रसव पीड़ा से राहत के लिए किया जाता है। एनेस्थीसिया विभाग की डॉ दीपाली सिंह को इसके लिए प्रभारी बनाया गया है। वहीं डॉ प्रियंका श्रीवास्तव उनका सहयोग करेंगी। स्त्री रोग विभाग में डॉ किरण त्रिवेदी के यूनिट में एपिड्यूरल एनाल्जेसिया के माध्यम से दो सफल प्राकृतिक प्रसव कराये गये हैं।

आगामी विधानसभा चुनाव में सदानों की आवाज को मिले प्रतिनिधित्व

झारखंड में आखिर कब तक सदान उपेक्षित रहेंगे : प्रसाद

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बुधवार को मूलवासी सदान मोर्चा की बैठक ग्रैंड ऑकेजन में हुई। इसमें मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि झारखंड राज्य के निर्माण के 24 साल पूरे होने वाले हैं। झारखण्ड, अब नये विधानसभा के चुनाव की ओर बढ़ रहा है। लेकिन इन ढाई दशकों के अंतराल के बाद भी झारखंड के मूलवासी सदानों को उनका हक और अधिकार, सम्मान नहीं मिला। झारखंड के सभी राजनीतिक दलों ने राज्य में बारी बारी से शासन किया। आदिवासी और मूलवासी सदानों के विकास को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कही। मुख्यमंत्रियों ने घोषणाएं की, लेकिन एक विशेष वर्ग को छोड़कर मूलवासी सदानों के सर्वांगीण विकास के लिए कोई नीति, रीति और योजना नहीं बनायी। पूरे राज्य को अलग-अलग जातियों में बांटकर सत्ता की राजनीति करने वाले सभी दलों ने मूलवासी सदानों को ठगा है, छला है। उन्होंने कहा कि झारखंड में आखिर कब तक सदान उपेक्षित रहेंगे।

उन्होंने कहा झारखंड में जल्द ही विधानसभा के चुनाव होनेवाले हैं। राष्ट्रीय दलों के नेता भी सिर्फ एक विशेष वर्ग की ही बात कर रहे हैं, जबकि उन नेताओं को 65 प्रतिशत मूलवासी सदानों के लिए आवाज उठाने वाले लोगों से भी बात करनी चाहिए। जिन विधानसभा क्षेत्रों में मूलवासी सदान समुदायों की जितनी आबादी है, उसी के हिसाब से उनको भागीदारी मिले। वहीं, डॉ युगेश प्रजापति ने कहा यदि चुनाव लड़नेवाले राजनीतिक दल मूलवासी सदानों के हक, अधिकार और सम्मान के लिए अपने एजेंडा, योजना और कार्यसूची में कोई दृष्टिकोण नहीं पेश करेंगे तो सदान भी चुनाव में अपना फैसला स्वतंत्र रूप से लेने को बाध्य होंगे। प्रोफेसर अरविंद प्रसाद ने कहा कि राष्ट्रीय दलों को वैसे सदान नेताओं को पार्टी का टिकट देना चाहिए जो अलग झारखंड राज्य के लिए संघर्ष किया तथा स्थानीय एवं नियोजन नीति के लिए लगातार लड़ते रहे हैं तथा 65 प्रतिशत सदान जनता के लिए आवाज उठाते रहे हैं। इससे पूरे राज्य की जनता में एक सकारात्मक संदेश जाएगा।

बैठक में डॉ संजय सारंगी, अमित साहू, विशाल सिंह, विशाल कुमार साहू, मोहित कुमार, मुकेश सिंह, मुरारी गुप्ता, राजू पासवान, राज वर्मा, अंकित राम, अर्पित राम, निखिल, सहदेव साहू, आलोक वर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

चतरा में 18 को होगा पासवा का उत्तरी छोटा नागपुर प्रमंडल स्तरीय सम्मेलन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) का उत्तरी छोटा नागपुर प्रमंडल सम्मेलन 18 सितंबर को चतरा के स्थानीय गॉडफ्रे स्कूल कैंपस में होगा। इसका उद्घाटना राज्य के श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण मंत्री सत्यानंद भोक्ता करेंगे। वहीं, मुख्य अतिथि के रूप में पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे, गेस्ट ऑफ ऑनर प्रदेश उपाध्यक्ष लाल किशोर नाथ शाहदेव और विशिष्ट अतिथि के रुप में प्रदेश महासचिव डॉ राजेश गुप्ता छोटू, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित पासवा की प्रदेश महासचिव सुश्री फलक फातिमा व शिक्षाविद रश्मि प्रकाश रहेंगी। इस कार्यक्रम में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के सभी सातों जिले हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, धनबाद, रामगढ़, गिरिडीह और चतरा जिले के प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। प्रमंडल स्तरीय इस कार्यक्रम में पासवा की पदाधिकारियों का स्वागत, सांस्कृतिक कार्यक्रम के अतिरिक्त झारखंड में निजी विद्यालयों की समस्या एवं उसके समाधान के प्रयास पर भी विस्तृत चर्चा की जाएगी। यह जानकारी पासवा के प्रदेश महासचिव नीरज कुमार ने दी।

सहायक आचार्य नियुक्ति- राज्य सरकार की ओर से बहस पूरी, सुप्रीम कोर्ट ने जारी रखी सुनवाई

रांची। झारखंड टेट (जेटेट) पास अभ्यर्थियों की ओर से सहायक शिक्षक (आचार्य) नियुक्ति परीक्षा में सीटेट पास और झारखंड के पड़ोसी राज्य से टेट परीक्षा पास अभ्यर्थी को शामिल करने के विरुद्ध दाखिल याचिका पर सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हुई। बुधवार की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से बहस पूरी कर ली गई, जिसके बाद शीर्ष अदालत ने इस मामले की सुनवाई गुरुवार को भी जारी रखी है। गुरुवार को सीटेट की ओर से वरीय अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा बहस करेंगी। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस राजेश बिंदल की खंडपीठ ने इस मामले में सुनवाई की। दरअसल झारखंड हाईकोर्ट ने सहायक आचार्य नियुक्ति से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि राज्य में 26000 सहायक शिक्षकों (आचार्य) की नियुक्ति के लिए चल रही प्रक्रिया में दूसरे राज्य के टेट पास अभ्यर्थी या सीटेट पास अभ्यर्थी भी शामिल हो सकते हैं। जिसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है।

महाधिवक्ता ने कहा- मुख्यमंत्री ने वकीलों से किया वादा निभाया

- अब एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट पर की जाएगी पहल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राज्य के महाधिवक्ता राजीव रंजन ने राज्य सरकार द्वारा वकीलों के लिए शुरू की गई योजनाओं की सराहना की। उन्होंने बताया कि राज्य में 164 वकील पेंशन योजना का लाभ ले रहे हैं। नये वकीलों को पहले प्रति महीने एक हजार रुपए प्रोत्साहन राशि दी जाती थी, जिसे बढ़ाकर अब पांच हजार रुपए किया गया है। 7 जनवरी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के वकीलों के साथ सीधा संवाद किया था और उनकी पीड़ा सुनी थी। उसी दौरान उन्होंने वकीलों से यह वादा किया था कि वे वकीलों को स्वास्थ्य बीमा और जीवन बीमा से जोड़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने अपना वादा निभाया। झारखंड देश का पहला राज्य है, जहां वकीलों को सरकार अपनी योजनाओं से जोड़कर आर्थिक रूप से मजबूत कर रही है। राज्य के लगभग 15 हजार वकील ट्रस्टी कमिटी के सदस्य हैं। फिलहाल स्वास्थ्य बीमा के लिए सरकार ने 13 करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया है। महाधिवक्ता ने जिला बार संघ और वकीलों के हित में कार्यरत अन्य संघों से यह आग्रह किया है कि वे राज्य के सभी वकीलों को सरकार की योजनाओं से जोड़ें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लंबे समय से लंबित एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की दिशा में भी पहल की जाएगी। महाधिवक्ता हाईकोर्ट स्थित सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।

झाप्रसे के अफसर आज से दो दिन काला बिल्ला लगा कर करेंगे काम

- झासा की बैठक में निर्णय, कैबिनेट के निर्णय को निरस्त करने की मांग

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ (झासा) के पदाधिकारी अपनी 11 सूत्री लंबित मांगों को लेकर आज से दो दिन (12 और 13 सितंबर को) सरकार के उदासीन रवैये के खिलाफ काला बिल्ला लगा कर कार्य करेंगे। उनकी मांगों पर जब तक कोई ठोस प्रगति नहीं होती, तब तक संघ के पदाधिकारी चरणबद्ध आंदोलन करेंगे। यह घोषणा संघ की प्रेस वार्ता में अध्यक्ष रंजीत हेंब्रम और महासचिव राहुल कुमार ने संयुक्त रूप से की। मुख्य सचिव को भी इसकी जानकारी संघ की ओर से दी गई है। संघ के अध्यक्ष रंजीत हेंब्रम ने बताया कि झारखंड प्रशासनिक सेवा (झाप्रसे) के पुनर्गठन के नाम पर बिहार प्रशासनिक सेवा के हू-ब-हू मॉडल को हम पर थोपा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि संघ झारखंड प्रशासनिक सेवा का पुनर्गठन चाहता है, लेकिन यह बिहार मॉडल पर आधारित नहीं होना चाहिए। वहीं सेवा संरचना का सुधार कर उसे बेहतर बनाने के स्थान पर राज्य सरकार द्वारा गैर राज्य सैनिक सेवा के पदाधिकारी को भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नति देने की अर्हता को शिथिल किया गया है। संघ ने इसका पुरजोर विरोध किया है और कैबिनेट के निर्णय को निरस्त करने की मांग भी की है। उन्होंने बताया कि इन सेवाओं के पदाधिकारी या मात्र 17 वर्ष में भारतीय प्रशासनिक सेवा में पूर्ण हो जाएंगे, जबकि राज्य प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी को यह स्थान पाने में 25 वर्षों से भी अधिक का समय लग सकता है। इन परिस्थितियों में सेवा के पदाधिकारी अत्यधिक उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि संघ के पदाधिकारी को अपनी छोटी-छोटी बातों के लिए भी एड़ी चोटी का जोर लगाना पड़ा है। यदि समय पर प्रमोशन नहीं हो तो ऐसी स्थिति में सभी पदाधिकारी का मनोबल बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ ने इसके अलावा झारखंड प्रशासनिक सेवा को प्रीमियर सेवा घोषित करते हुए संपूर्ण कैडर संरचना को पुनर्गठन करने की मांग की।

अनुमंडल पदाधिकारी अवर सचिव से अन्य स्तर के सभी चिन्हित पदों का पुनरीक्षण करने एवं प्रशासनिक सेवा के लिए सभी स्तरों पर पद को कर्णांकित करने की भी मांग की। वहीं विभाग अध्यक्ष या उपायुक्त के पदों को भी झारखंड प्रशासनिक सेवा के लिए कर्णांकित करने की मांग की गई। इसके अलावा भी अन्य प्रमुख मांगें शामिल हैं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीएम को लिखा पत्र

आदिम जनजाति के लोगों को मिले ईलाज की सुविधा

- आदिम जनजाति के लोगों की मौत मामले में सीएम करायें उच्च स्तरीय जांच

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन को पत्र लिख कर आदिम जनजाति समाज के लोगों की ईलाज के अभाव में हो रही मौत पर ध्यान आकृष्ट कराया है। श्री मरांडी ने इसकी उच्च स्तरीय जांच की मांग भी की है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का हाल दिन ब दिन बदतर होता जा रहा है। आये दिन आदिवासी खास कर विलुप्त हो रहे आदिम जनजाति समाज के भाई-बहनों की मृत्यु ईलाज के अभाव में हो रही है। लेकिन प्रशासन जिम्मेदारी लेने के बजाय एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप कर रहा है। उन्होंने कहा है कि हालिया घटना साहिबगंज सदर अस्पताल की है। जहां सिमरिया गांव निवासी आदिम जनजाति पहाड़िया मथियम मालतो की छह साल की बेटी गोमदी पहाड़िन जो डेंगू से पीड़ित थी, ईलाज के अभाव में अपनी जान गंवा दी। उसके पिता डॉक्टरों की तलाश में इमरजेंसी से लेकर ओपीडी तक भागते रहे। लेकिन, कहीं भी डॉक्टर नहीं मिले। इसके कारण पिता की गोद में ही बच्ची ने अपना दम तोड दिया। यह सिर्फ एक घटना नहीं है।

ऐसी ही दूसरी घटना दुमका जिले के गोपीकांदर प्रखण्ड के कुंडा पहाड़ी गांव में हुई। जहां विलुप्त प्राय पहाड़िया जनजाति की 19 वर्षीय गर्भवती महिला प्रिंसिका महारानी की समय पर एंबुलेंस और ईलाज न मिल पाने के कारण जान चली गयी। तीसरी घटना जामताड़ा जिले के करमाटांड प्रखंड के नेंगराटांड गांव की है। जहां अज्ञात बीमारी से पिछले 22 दिनों के अंदर आदिम जनजाति परिवार के 8 सदस्यों की मौत हो गई। अभी भी 10 से अधिक लोग अलग अलग बीमारी से ग्रसित हैं। झारखण्ड में समय पर ईलाज न हो पाने के कारण आये दिन प्रदेशवासियों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है।

उन्होंने कहा कि झारखंड का स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह लूट खसोट में लिप्त है। पैसे लेकर डॉक्टरों को मनचाहा पोस्टिंग देकर स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावित कर रहा है। दूर-दराज के स्वास्थ्य केन्द्रों पर डॉक्टरों का पदस्थापन नहीं रहने के कारण मरीज ईलाज नहीं करा पा रहे हैं। अतः आपसे अनुरोध है कि ऐसी घटनाओं का संज्ञान लेते हुए एक उच्च स्तरीय जांच कमेटी का गठन किया जाये। मौत के रहस्यों को सार्वजनिक किया जाये।

कोल्हान में नमो तो संथाल में अमित शाह भरेंगे हुंकार

झारखंड में भाजपा के लिए चुनावी माहौल बनायेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

उदय चौहान

रांची। भाजपा ने विधानसभा के चुनाव की तैयारी में जीतोड़ कोशिशें शुरू कर दी हैं। कोल्हान में पीएम नमो तो संथाल परगना में गृह मंत्री अमित शाह हुंकार भरेंगे। 15 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जमशेदपुर में कई परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। इस दौरान वे रोड शो और जनसभा को संबोधित कर भाजपा के लिये कमल खिलाने की कवायद करेंगे। पीएम के दौरे को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह का माहोल है। सूत्रों के अनुसार पीएम के दौरे की तैयारी को लेकर प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी, प्रदेश चुनाव प्रभारी सह केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, असम के सीएम हिमंता बिश्व सरमा के अलावा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी समेत अन्य दिग्गज बैठकें कर चुके हैं। पूर्व सीएम चम्पई सोरेन के भाजपा में शामिल होने से भी भाजपा को कोल्हान की 14 सीटों में कमल खिलने की उम्मीद है। कोल्हान में पूर्व सांसद गीता कोड़ा व मधु कोड़ा के भाजपा में शामिल होने से भी पार्टी मजबूत हुई है। मालूम हो कि कोल्हान प्रमंडल में भाजपा पिछले विधानसभा चुनाव में बुरी तरह पिछड़ गई थी। यहां की 14 सीटों पर पार्टी का खाता तक नहीं खुल पाया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास भी अपनी परंपरागत सीट पर पराजित हो गये थे। इस बार इस प्रमंडल में बढ़त लेने के लिये पार्टी मजबूत किलाबंदी में जुटी हुई है। प्रधानमंत्री का दौरा इसमें अहम भूमिका निभा सकता है। यह भी कहा जा रहा है कि पीएम की सभा के समय या उससे पहले दूसरे दलों के कुछ नेता भाजपा का दामन थाम सकते हैं। हिमंता बिश्व सरमा का दावा है कि कांग्रेस और झामुमो के कई विधायक उनके संपर्क में हैं। वे भाजपा में शामिल होना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा था कि सबके लिये पार्टी में जगह नहीं है। इससे इन अटकलों को हवा मिली है। हालांकि, सत्तारूढ़ झामुमो और कांग्रेस में इसे लेकर सतर्कता बढ़ी है। झामुमो ने कोल्हान प्रमंडल के कार्यकर्ताओं व नेताओं की बैठक कर संगठन को दुरूस्त करने का दावा किया है।

पीएम जमशेदपुर में करेंगे रोड शो, कमल खिलाने का लक्ष्य साधेंगे

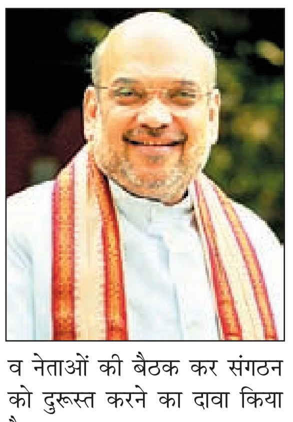

भाजपा सूत्रों का दावा है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह परिवर्त्तन यात्रा में शामिल होने के लिये 21 सितम्बर को संथालपरगना आने वाले हैं। श्री शाह साहेबगंज से भाजपा के लिये चुनावी बिगुल फूंकेंगे। भाजपा के लिये संथाल परगना में कमल खिलाना काफी अहम है। भाजपा को सत्ता में आने के लिये कोल्हान एवं संथाल से अधिकाधिक सीटें जीतना बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे के बाद भाजपा का चुनाव प्रचार अभियान जोर पकड़ने की संभावना है। आरंभिक चरण की तैयारी समाप्त होने के बाद अब केंद्रीय नेताओं के प्रवास का क्रम राज्य में आरंभ होगा। रणनीतिक तौर पर यह कार्यक्रम संचालित किया जायेगा। भाजपा उन मुद्दों पर अधिकाधिक फोकस करेगी, जो चुनाव के दौरान लाभ दिलाने में मददगार हो। प्रचार अभियान भी आक्रामक अंदाज में आरंभ किया गया है। उधर पार्टी के वरिष्ठ नेता घोषणापत्र को भी अंतिम रूप देने में लगे हुये हैं। जानकारी है कि पीएम व अमित शाह के अलावा सितम्बर माह में ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी झारखंड दौरे पर आ सकते हैं। इसके लिये पार्टी के अंदरखाने में तैयारी शुरू कर दी गयी है। श्री नड्डा परिवर्त्तन यात्रा के दौरान किसी एक स्थान पर जनसभा को संबोधित कर सकते हैं।

धनबाद सिवरेज के लिए एडीबी 1300 करोड़ देगा

- 550 करोड़ रुपये अमृत योजना से मिलेंगे
- एशियाई विकास बैंक अधिकारी नगर विकास सचिव से मिले
- सचिव ने परियोजना की प्रक्रिया जल्द शुरू करने का निर्देश दिया

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। एशियन डेवलपमेंट बैंक झारखंड के नगरीय विकास मे ऋण प्रदान कर रहा है। इसके तहत धनबाद सिवरेज फेज 2 के लिए एडीबी ने 1300 करोड़ रुपये का ऋण मंजूर किया है। साथ ही एडीबी की सहायता से राज्य मे लगभग 800 करोड़ से अधिक की पेयजलापूर्ति की योजनाओं पर काम चल रहा है। इस परियोजनाओं की प्रगति पर विचार विमर्श के लिए एडीबी की टीम ने नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार से मुलाकात की। प्रधान सचिव ने एशियन डेवलपमेंट बैंक के अधिकारियों का अभिनंदन किया। उन्होंने जुडको के अधिकारियों को परियोजना पर जल्द काम शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सिवरेज लाइन बन जाने। से धनबाद की सड़के गलियां और मुहल्ले जहां स्वच्छ रहेंगे वहीं प्रदूषण पर नियंत्रण लगेगा। धनबाद सिवरेज परियोजना के लिए 2195 करोड़ व्यय की अनुमति दी गयी है। जिसमे 1300 करोड़ रुपये एडीबी ऋण देगा। 550 करोड़ रुपये अमृत योजना से मिलेंगे जबकि शेष राशि राज्य सरकार देगी।

इसी तरह एशियन डेवलपमेंट बैंक के सहयोग से हुसैनाबाद, झुमरीतिलैया, मेदिनीनगर। और रांची फेज 2 ए के तहत शहरी पेयजलापूर्ति की योजनाओं पर काम चल रहा है । जिसकी लागत लगभग 800 करोड़ रुपये होगी। एडीबी की एक टीम ने पेयजलापूर्ति की इन योजनाओं की समीक्षा की और प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। प्रधान सचिव कुमार ने फिलीपींस मनीला से आयी एडीबी की अधिकारी मोमोका नीटा टाडा , विवेक विशाल एवं अन्य अधिकारियों का दोशाला ओढ़ाकर अभिनंदन किया।

बैठक में सुडा डायरेक्टर अमित कुमार, जुडको के पीडीटी गोपालजी और डीपीडी उत्कर्ष मिश्र के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

दूसरे दिन भी झारखंड सचिवालय में कामकाज ठप

लिखित आश्वासन पर अड़ा संघ

- मेंबर बोर्ड ऑफ रेवेन्यू की अध्यक्षता में हुई बैठक, नहीं निकला कोई नतीजा
- फाइल मूवमेंट पर लगा ब्रेक, सामूहिक अवकाश पर हैं पदाधिकारी-कर्मचारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सचिवालय सेवा संघ के बैनर तले सचिवालय सेवा के लगभग एक हजार कर्मचारी-पदाधिकारी दूसरे दिन यानी बुधवार को भी सामूहिक अवकाश पर हैं। सचिवालय सेवा के पदाधिकारी-कर्मचारी के सामूहिक अवकाश में चले जाने से सचिवालय का कामकाज पूरी तरह से ठप हो गया है। दो दिनों के अंदर 6000 से अधिक फाइलों की मूवमेंट रूक गयी है। संघ ने 12 सितंबर तक सामूहिक अवकाश में रहने का निर्णय लिया है।

लिखित आश्वासन पर अड़ा संघ

सचिवालय सेवा अपनी छह सूत्री मांगों को लेकर सरकार से लिखित आश्वासन पर अड़ा है। मेंबर बोर्ड ऑफ रेवेन्यू की अध्यक्षता में हुई बैठक में कार्मिक सचिव और वित्त सचिव ने कहा कि पद सृजन के लिए एक कमिटी का गठन किया जायेगा, जो 15 दिनों के अंदर संघ की मांगों पर निर्णय लेगी। संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद और महासचिव सिद्धार्थ शंकर बेसरा ने कहा कि बैकलॉग का पद देने के बाद कमिटी बनायी जाये। क्योंकि कमिटी की रिपोर्ट आने में काफी समय लग जायेगा। संघ के अध्यक्ष ने कहा कि संघ के प्रस्तावों पर पहले से ही मुख्यमंत्री का अनुमोदन प्राप्त है। बता दें कि सचिवालय सेवा संघ के पदाधिकारी-कर्मचारी अपनी छह सूत्री मांगों को लेकर पिछले तीन महीने से आंदोलनरत हैं।

संघ की क्या हैं छह मांगें

- सचिवालय सेवा के पदाधिकारी व कर्मचारी की लंबित प्रोन्नति दी जाये।
- प्रशाखा पदाधिकारी के पदों पर भूतलक्षी प्रभाव से प्रोन्नति का लाभ दें।
- प्रशाखा पदाधिकारियों को अकार्यात्मक वेतनमान की स्वीकृति दें।
- सचिवालय सेवा के उप सचिव एवं संयुक्त सचिव स्तर के पदों का सृजन हो।
- संयुक्त सचिव, उप सचिव, अवर सचिव व प्रशाखा पदाधिकारी के रिक्त पदों पर प्रोन्नति मिले और
- शिशु शिक्षण भत्ता दें और सचिवालय सेवा के मूल कोटि के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती हो

जसवंत सिंह हत्याकांड में तीन आरोपी दोषी करार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। एचईसी के श्रमिक नेता दिवंगत राणा संग्राम सिंह के पुत्र ठाकुर जसवंत सिंह हत्याकांड में ट्रायल फेस कर रहा मृतक के चचेरे ससुर अमर सिंह, चचेरे भाई वंश नारायण सिंह एवं उसका पुत्र रणधीर सिंह को अदालत ने दोषी करार दिया है। साथ ही तीनों की सजा के बिन्दु पर सुनवाई के लिये 21 सितंबर की तारीख निर्धारित की गई है। यह फैसला घटना के नौ साल बाद आया है। अपर न्यायायुक्त योगेश कुमार सिंह की अदालत ने बुधवार को फैसला सुनायी। मामले के एक आरोपी ओम प्रकाश उर्फ गुड्डू को अदालत ने पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। दोषी करार पिता-पुत्र जमानत पर था। जबकि अमर सिंह घटना के बाद से ही लगातार जेल में ही है। दोषी पाये जाने के बाद वंश नारायण सिंह एवं रणधीर सिंह को न्यायिक हिरासत में लेते हुये बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार भेज दिया गया है। अमर सिंह वर्तमान में रामगढ़ जेल में बंद है। फैसले के दौरान उसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेश किया गया था। मामले में अभियोजन की ओर से एपीपी सिद्धार्थ सिंह ने बहस की थी। साथ ही, सूचक की ओर से अधिवक्ता रोहित रंजन प्रसाद एवं दीपक कुमार ने सहयोग किया। वहीं, बचाव पक्ष की ओर से बाहर के वकील ने पक्ष रखा था। अदालत ने बीते 28 अगस्त को दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद 11 सितंबर फैसले की तारीख निर्धारित की थी।

क्या है मामला : जमीन और बस चलाने के विवाद को लेकर घटना को अंजाम 9 अक्तूबर 2015 को धुर्वा थाना क्षेत्र के वीर कुंवर सिंह चौक के पास सुबह 8 बजे दिया गया था। हर दिन के तरह उस दिन भी मॉर्निंग वाक के निकले हुये थे। अभियुक्तों ने पहले से ही घात लगाकर बैठा हुआ था। पहले उनके ड्राइवर का अपहरण किया। जैसे ही जसवंत सिंह नजर आये अभियुक्तों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। वहीं, जसवंत सिंह के भाई राणा प्रताप सिंह को सिर पर लाठी से हमला कर घायल कर दिया गया। घटना को लेकर धुर्वा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना के बाद अमर सिंह और उसका चालक रमेश कुमार को गिरफ्तार किया गया। जबकि वंश नारायण सिंह एवं रणधीर सिंह फरार हो गया था।

फैसले से संतुष्ट : लीला धर सिंह

मृतक जसवंत सिंह के बहनोई लीला धर सिंह ने फैसला आने पर कहा कि थोड़ा विलंब हुआ। लेकिन अदालत ने जो फैसला सुनाई है, उससे संतुष्ट हैं। अभियुक्तों ने एक हंसता खेलता परिवार के अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी जसवंत सिंह को गोली मारकर हत्या कर दी थी। उस समय परिवार पर बहुत बड़ा विकट संकट खड़ा हो गया था।

आलमगीर के ओएसडी की बेल पर सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। टेंडर कमीशन के 32.30 करोड़ रुपए नकद बरामदगी मामले में जेल में बंद पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के ओएसडी संजीव कुमार लाल की ओर से दाखिल जमानत याचिका पर बुधवार को पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई पश्चात अदालत ने आदेश सुरक्षित रख लिया है। अदालत अपना आदेश 13 सितंबर को सुनायेगी। इससे पूर्व याचिका पर सुनवाई के दौरान ईडी के विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार काका ने याचिकाकर्ता की जमानत का जबरदस्त विरोध किया। उन्होंने कहा कि मामले में अभियोजन शिकायत दाखिल है। इसमें उनके खिलाफ ठोस सबूत है। संजीव लाल ने जमानत की गुहार लगाते हुये 31 अगस्त को याचिका दाखिल की है। मालूम हो कि ईडी को 6 मई को छापेमारी के दौरान संजीव लाल व उनका नौकर जहांगीर आलम के ठिकाने से 32०30 करोड़ रुपए मिले थे। उसी दिन ईडी ने देर रात संजीव लाल एवं जहांगीर आलम को गिरफ्तार कर लिया था। सात मई को अदालत में पेश किया गया था। जहां से जेल भेज दिया गया था। तब से जेल में है।

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री से मिले चैंबर के अध्यक्ष

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पीएम विश्वकर्मा योजना पर आर्यभट्ट सभागार में आयोजित एकदिवसीय एमएसएमई कॉन्क्लेव में फड्रेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष किशोर मंत्री ने शामिल होकर माननीय केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी और केंद्रीय राज्यमंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे से औपचारिक मुलाकात कर मंत्रालय से जुडी बिंदुओं पर चर्चा की एवं चैंबर की ओर से उनका अभिवादन किया। झारखंड राज्य में न्यूनतम मजदूरी की दरों में 30-35 फीसदी की बढोत्तरी के बाद से प्रदेश में एमएसएमई के प्रभावित होने की बात का उल्लेख करते हुए चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने एमसएमई मंत्रालय से इस मामले में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया और यह अनुरोध किया कि एमएसएमई में निबंधित उद्योगों के लिए न्यूनतम मजदूरी की दर अलग से तय की जाय। मौके पर चैंबर अध्यक्ष ने श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता से भी मुलाकात कर, इस मामले में चैंबर के सुझाव पर कार्रवाई करने का आग्रह किया। कार्यशाला में जेड 2.0 की लांचिंग, आईडिया हैकथॉन 4.0 की लांचिंग भी की गई। इस अवसर पर उपस्थित उद्योग सचिव जितेंद्र सिंह, एमएसएमई डायरेक्टर इंद्रजीत यादव, सुरेंद्र जी से भी चैंबर अध्यक्ष ने मुलाकात की।

प्रधानमंत्री मोदी के आगमन को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

एडीजी और आइजी ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 सितंबर को जमशेदपुर आयेंगे। पीएम की सुरक्षा के मद्देनजर झारखंड पुलिस मुख्यालय की ओर से तैयारी पूरी कर ली गई है। बुधवार को एसपीजी के अधिकारी समेत एडीजी संजय आनंद लाटेकर, आईजी अखिलेश झा, एसएसपी किशोर कौशल ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 सितंबर की सुबह करीब आठ बजे वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखायेंगे। इसको लेकर जमशेदपुर स्टेशन परिसर में कार्यक्रम स्थल से लेकर आने-जाने के एक-एक रुट लाइन का जायजा लिया गया। इस दौरान जमशेदपुर एसएसपी किशोर कौशल को कई दिशा-निर्देश दिए गए है, ताकि उन खामियों को समय से पूर्व दूर कर लिया जाए।

रोड शो भी करेंगे पीएम नरेंद्र मोदी

जमशेदपुर में वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद पीएम सभा को संबोधित करेंगे। सभा को संबोधित करने के बाद पीएम जमशेदपुर में रोड शो करेंगे। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से रोड शो में आने वाले बड़े-बड़े भवनों का सत्यापन करवाते हुए स्नाइपर की तैनाती की गई है। इसके अलावा हर जगहों पर सादे लिवास में कमांडो के अलावा जिला पुलिस की स्पेशल टीम की तैनाती की गई है।

महाधिवक्ता के प्रेस कांफ्रेंस पर भाजपा का पलटवार

इंडी गठबंधन की सरकार राजनीतिक लड़ाई लड़ने में नहीं है सक्षम : भाजपा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुधीर श्रीवास्तव ने कहा कि जिस प्रकार महाधिवक्ता सरकार का गुणगान कर रहे हैं, उससे वो महाधिवक्ता कम झामुमो के विधि प्रकोष्ठ के कार्यकर्त्ता ज्यादा लग रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाधिवक्ता एक संवैधानिक पद होता है और उस पद की गरिमा होती है। महाधिवक्ता ने जिस प्रकार संवैधानिक पद को ताक पर रखकर आज सरकार का गुणगान कर रहे थे उससे स्पष्ट हो गया है की हेमंत सरकार राजनीतिक लड़ाई लड़ने में सक्षम नहीं है। अब हेमंत सरकार नेताओं के बदले अपने अफसरों एवं महाधिवक्ता को आगे कर के राजनितिक लड़ाई लड़ रही हैं। सुधीर श्रीवास्तव ने बताया कि अभी हाल ही में सरकार के झारखंड के कैबिनेट सचिवालय सतर्कता विभाग के प्रधान सचिव वंदना डडेल ने निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर भाजपा नेताओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। आज महाधिवक्ता ने कहा कि झारखड देश का पहला राज्य है, जहां वकीलों को सरकार अपनी योजनाओ से जोड़कर आर्थिक रूप से मजबूत कर रही है। महाधिवक्ता को यह भी बताना चाहिये कि पहली बार है की सरकार के किसी कार्य का गुणगान महाधिवक्ता हाई कोर्ट परिसर के अन्दर प्रेस कांफ्रेंस कर के कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि महाधिवक्ता को यह भी बताना चाहिये की हेमंत सरकार ने 2021 में कोर्ट फीस में दस गुना वृद्धि की थी और तब अधिवक्ताओं ने कार्य बहिष्कार का निर्णय लिया था। उस वक्त महाधिवक्ता ने अधिवक्ताओं के कार्य बहिष्कार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ और अवमानना का मामला बताया था। 6 और 7 जनवरी 2023 को बार काउंसिल के निर्देश पर 35000 से ज्यादा अधिवक्ता अदालती करवाई का बहिष्कार करने का निर्णय लिए थे दूसरी तरफ महाधिवक्ता ने राज्य सरकार के सभी अधिवक्ताओं को 6 जनवरी 2023 को निर्देश दिये थे कि कोर्ट में जाकर काम करें और 7 जनवरी को मुख्यमंत्री को ओर से आयोजित संवाद में सभी जिलो के सरकारी अधिवक्ताओं को कार्यक्रम में हिस्सा लेने का निर्देश दिये थे। महाधिवक्ता को यह भी बताना चाहिए की हेमंत सरकार में कितने अधिवक्ताओं का हत्या हुआ और कितने अधिवक्ताओं पर केस दर्ज हुये।

जुलूस में बड़े वाहन, दूसरे देश का झंडा, कोई अलग नारा, बैनर-पोस्टर पर अपना फोटो लगाने पर प्रतिबंध

16 सितंबर को रांची में निकलेगा ईद मिलादुन्नबी का जुलूस

सुन्नी बरेलवी सेंट्रल कमिटी ने जुलूस का रूट तय किया

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। इस्लामी मरकज हिंदपीढ़ी रांची में एदारा ए शरिया झारखंड की सरपरस्ती में सुन्नी बरैलवी सेंट्रल कमिटी ने प्रेस कांफ्रेंस की। जिस में एदारा ए शरिया झारखंड के नाजिम आला मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी, कमिटी के अध्यक्ष मौलाना ताजुद्दीन, कारी अय्यूब, मुफ्ती जमील, मुफ्ती आकिब, मौलाना शमशाद, महासचिव अकील उर रहमान, मौलाना निजामुद्दीन, मौलाना आबिद रजा, कारी शौकत, कारी तालिब, मौलाना इरफान आदि थे। प्रेस कांफ्रेंस में कहा की ईद मिलादुन्नबी पर कोई भी बैनर पोस्टर में अपना फोटो, संस्था का फोटो नहीं लगाएंगे। जुलूस में दूसरे देश का झंडा लेकर नही चलेंगे। सिर्फ इस्लामिक झंडा होगा। जुलूस में डीजे, बड़ी गाड़ी, कोई अलग नारा नहीं नगायेंगे। हर हाल में कमिटी का गाइडलाइन मानना होगा। जुलूस दिन के 11 बजे निकलेगा। सभी जुलूस अपने तय रूट से होते हुए डोरंडा मजार पहुंचेगा। ईद मिलादुन्नबी पूरे आस्था एवं साम्प्रदायिक सौहार्द के साथ रांची के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जुलूस निकाला जाएगा। शहरी क्षेत्र एवं विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से जुलूस निकल कर अपने अपने क्षेत्रों से सुबह 7 से 8 बजे के बीच अपने निर्धारित मार्गा से होते हुए 10:30 बजे दीन में कर्बला चौक पहुंचेगी।

कांटाटोली मौलाना आजाद कॉलोनी, इलाही बख्श कॉलोनी, गढ़ाटोली, रमजान कॉलोनी, कुरैशी मोहल्ला कांटाटोली, कांटाटोली चौक, रजा कॉलोनी के सारे जुलूस कांटाटोली चौक होते हुए नया टोली पथलकुदवा चौक पहुंचेगी। मोरहाबादी एदलहातू बरियातू का जुलूस अपने निर्धारित मार्ग करमटोली न्युक्लियस मॉल होते हुए थड़पखना मस्जिद के पास पहुंचेगी। थडपखना एवं लालपुर के जुलूस इस जुलूस को शामिल कर लालपूर चौक होते हुए बढ़ईटोली संतअन्ना स्कूल गली होते हुए पुरुलिया रोड से गुजर कर पथलकुदवा चर्च लेन होते हुए पथलकुदवा चौक पहुंच कर संयुक्त रूप से सभी जुलूस अपने निर्धारित मार्ग से गुजर कर आजाद बस्ती गुदड़ी चौक कर्बला टैंक रोड होते हुए कर्बला चौक पहुंचेगी। ज्ञात हो कि पथलकुदवा मिल्लत कॉलोनी हड़गड़ी रोड, इस्लाम नगर, फूल बगान, आजाद बस्ती, गुदड़ी कुरैशी मोहल्ला, गुदड़ी चौक नाजिर अली लेन बलदेव सहाय लेन काली स्थान रोड.चि तिया मोहल्ला के सारे जुलूस उक्त जुलूस में शामिल रहेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों के जुलूस जिसमे कोंगे, चंदवे, ओयना, भीठा, जयपुर कांके रोड, पंडरा, के जुलूस अपने निर्धारित स्थान से दो पहिया एवं चार पहिया छोटे वाहनों में सवार होकर सर्कुलर रोड ,नियु किलयर माल जेल रोड होते हुए थड़पखना के जुलूस में शामिल होकर निर्धारित मार्ग से पथलकुदवा होते हुए कर्बला चौक पहुचेगी पुंदाग का जुलूस इलाही नगर, डीपाटोली के जुलूस को साथ लेकर अरगोड़ा चौक अशोक नगर होते हुए कडरू पहुंचेगी। एवं कडरू के जुलूस में भामिल होकर होटल रेडीशन बुलू होते हुए सुजाता मैन रोड इकरा मिस्जद आकर वहां के जुलूस में भामिल होगी।

पहाड़ी टोला, गाड़ी खाना हरमू आदि का जुलूस पुरानी राँची कुम्हार टोली लेक रोड होते अंजुमन प्लाजा उर्दू लायब्रेरी मेन रोड पहुँच कर आने वाले जुलूस में शामिल हो जायेगी और इकरा मस्जिद के पास पहुंचेगी। हिन्दपीढ़ी इस्लामी मरकज के जुलूस के साथ मोजाहिद नगर, नेजाम नगर, लाह फैक्ट्री रोड. कुर्बान चौक, ग्वाला टोली का जुलूस मस्जिदे औलिया होते हुए हिन्दपीढी के सारे जुलूस इस्लामी मरकज के जुलूस के साथ मिलकर अपने निर्धारित मार्ग से मंटू चौक राईन मस्जिद होते हुए तेवारी स्ट्रीट से निकल कर अंजुमन प्लाजा, डॉ० फतेहउल्लाह रोड होते हुए विकांत` चौक पहुंच कर कर्बला चौक की तरफ से आने वाले सारे जुलूस के साथ मिलकर संयुक्त रूप से चर्च रोड, ओल्ड टैक्सी स्टैण्ड डेली मार्केट उर्दू लाईब्रेरी अंजूमन प्लाजा होते हुए एकरा मस्जिद चौक पहुंचेगी। एकरा मस्जिद चौक के पास ओलमा ए कराम (धर्मगुरू) के द्वारा पैगम्बर मोहम्मद साहब के जिवनी पर संबोधन (तकरीर) के बाद वहां से सारे जुलूस संयुक्त रूप से सैनिक बाजार, सुजाता चौक, ओवर ब्रिज, राजेन्द्र चौक, भीम राव अम्बेडकर चौक, युनूस चौक डोरण्डा उर्दू लाईब्रेरी डोरण्डा जैन मंदिर, इजीनियरिंग भवन रोड, नेपाल हाउस होते हुए रेसालदार बाबा मजार पर पहुंचेगी एवं बाद नमाज जोहर (समय 2 से 3 बजे दोपहर) में ओलमा ए कराम धर्मगुरू) के द्वारा एंव विभिन्न धर्मों के प्रमुख प्रतिनिधियों के संबोधन के बाद सलातो सलाम एवं सामूहिक दुआ (प्रार्थना) के बाद जुलूस का समापन होगा।

खबर एक नजर में

आज आयेंगे लक्ष्मीकांत वाजपेयी

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रभारी सह सांसद डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी गुरूवार की सुबह रेल मार्ग से रांची पधार रहे हैं। डॉ वाजपेयी रांची में पार्टी पदधारियों संग बैठक करेंगे। वह पीएम के 15 सितम्बर के झारखंड दौरे की तैयारी की समीक्षा करेंगे।

सीआइडी ने 26 लाख रुपये की ठगी के मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार

रांची। सीआईडी में 26 लाख 13 हजार रुपये की ठगी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम प्रदीप कुमार महतो है। साइबर अपराधी प्रदीप कुमार महतो को हजारीबाग से गिरफ्तार किया गया है। प्रदीप कुमार महतो लोगों को सिम पोर्ट करने के नाम पर ठगी करता था। सीआइडी ने उसके पास से दो मोबाइल, एक सिम, पांच एटीएम, तीन पासबुक, दो पैन कार्ड और एक आधार कार्ड बरामद किया है।

फूड सेफ्टी अफसरों की नियुक्ति पर कोर्ट ने मांगी प्रगति रिपोर्ट

रांची। राज्य के विभिन्न जिलों में फूड सेफ्टी अफसर की नियुक्ति के मामले में हाईकोर्ट ने जेपीएससी से प्रगित रिपोर्ट मांगी है। एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस एके राय की अदालत ने बुधवार को स्वत: संज्ञान लिए मामले की सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान जेपीएससी की ओर से अदालत को बताया गया कि आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त हो गए हैं। नए अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हुई है। फूड सेफ्टी अफसरों की नियुक्ति की सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली गयी है। नए अध्यक्ष के योगदान देने के तुरंत बाद ही नियुक्ति का विज्ञापन प्रकाशित कर दिया जाएगा। इसके बाद अदालत ने जेपीएससी को 17 सितंबर तक प्रगति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया।

बड़गाईं जमीन मामले में बिपिन सिंह और प्रिय रंजन की जमानत अर्जी खारिज

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े बड़गाई अंचल के 8.86 एकड़ जमीन फर्जीवाड़ा मामले में जेल में बंद जमीन कारोबारी प्रिय रंजन सहाय और बिपिन कुमार सिंह को पीएमएलए कोर्ट ने जमानत देने से इनकार किया है। दोनों की ओर से दाखिल जमानत याचिका पर बुधवार को पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई पूरी होने के अदालत ने दोनों की याचिका खारिज कर दी। प्रिय रंजन ने गिरफ्तारी के 113 दिनों बाद जमानत की गुहार लगाते हुये 9 अगस्त को याचिका दाखिल की थी। वहीं, बिपिन सिंह ने ने गिरफ्तारी के 128 दिनों बाद जमानत की गुहार लगाते हुये 22 अगस्त को याचिका दाखिल की थी। ईडी ने जमीन घोटाले को लेकर बीते 16 अप्रैल को की गई छापेमारी के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

दुष्कर्म करने के मामले में दोषी करार

रांची। पोक्सो मामले के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ बलात्कार करने के मामले में ट्रायल फेस कर रहा युवक सुनील अहीर को दोषी करार दिया है। साथ ही उसकी सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए 13 सितंबर की तारीख निर्धारित की है। दोषी युवक सोनाहातू थाना क्षेत्र का कुदाडीह गांव निवासी है। उसके खिलाफ पीड़िता की मां ने सोनहातू थाना में 28 जून 2022 को बेटी का अपहरण को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पीड़िता अपने घर से 28 जून 2022 की सुबह 5.30 बजे कोचिंग क्लास के लिए निकली थी, जो वापस नहीं लौटी थी। अभियुक्त ने नाबालिग का अपहरण कर रांची अपने फुफा के घर ले आया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने युवक को एक जुलाई 2022 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मामले में गवाही के दौरान मेडिकल रिपोर्ट और एफएसएल रिपोर्ट को डॉक्टर ने चिन्हित किया है। मामले में एपीपी पुष्पा सिन्हा ने अदालत के समक्ष पीड़िता समेत सात गवाहों को प्रस्तुत की थी।

सुभाष मुंडा हत्याकांड के आरोपी की बेल पिटीशन खारिज

रांची। सीपीआईएम नेता सुभाष मुंडा हत्याकांड में संलिप्त छोटू खलखो के सहयोगी अभिजीत कुमार पाड़ी को जमानत देने अदालत ने इनकार किया है। अपर न्यायायुक्त सचिंद्र बिरूआ की अदालत ने मंगलवार को अपना सुरक्षित आदेश सुनाई। अदालत ने उसकी ओर से दाखिल जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद 4 सितंबर को आदेश सुरक्षित रख लिया था। उसने जमानत की गुहार लगाते हुये 31 अगस्त को याचिका दाखिल की थी। सुभाष मुंडा की हत्या 26 जुलाई 2023 को गोली मारकर दी गई थी। जमीन विवाद को लेकर सुभाष मुंडा को दलादली चौक स्थित उसके कार्यालय में ही अपराधियों ने गोलियों से भून दिया था।

नम आंखों से दी गयी बप्पा को विदाई

रांची। श्री गणेश पूजा समिति काली मंदिर रोड डोरंडा के पांच दिवसीय गणेश उत्सव का समापन भव्य विसर्जन शोभा यात्रा के साथ संपन्न हुआ। विसर्जन शोभा यात्रा पूजा प्रांगण से निकलकर काली मंदिर, भवानीपुर ,झंडा चौक, डोरंडा बाजार ,एजी मोड होते हुए बटन तलाव में बाबा को झूमते नजते गाते नम आंखों से बाबा को विदाई दी गई। बप्पा के पीछे भजन के साथ सैकड़ो महिला पुरुष झूमते नाचते चल रहे थे। बाबा की जय जयकार लगते हुए ।पांच दिवसीय गणेश महोत्सव को सफल बनाने में समिति के संरक्षक संजय घोष,नवरत्न वाली ,शंभू गुप्ता, रोहित शारदा, रंथू उरांव अध्यक्ष नवीन मल्होत्रा महामंत्री अमित गुप्ता कोषाध्यक्ष बाबू सोना दास, बिट्टू घोष, नितेश गुप्ता, विक्की घोष, विकास जायसवाल, विनय ठाकुर, रवि राय, नरेंद्र पाल सिंह,राजू पाल,संकर राम, तापसी गोप, निरूपा कुमारी, मुनमुन गोप,माला गोप, चंपा घोष ,लकी घोष, रुक्मणी रजक, किया दास, रूपा घोष, नेहा दास, मधुमिता दास साहित्य अन्य महिला पुरुष सदस्य ने महोत्सव को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

टाटानगर-हटिया के समय में 16 सितंबर से होगा बदलाव

रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे की ओर से टाटानगर हटिया मेमू स्पेशल ट्रेन के समय में परिवर्तन किया गया है। रांची रेल मंडल की ओर से इस संबध में जानकारी दी गयी है। जिसमें बताया गया है कि ट्रेन संख्या 08195 टाटानगर हटिया मेमू स्पेशल के समय सारनी में 16 सितंबर से बदलाव किया गया है। इसके अनुसार इस ट्रेन का टाटानगर प्रस्थान 04: 30 बजे, आदित्यपुर आगमन 04: 37 बजे प्रस्थान 04: 38 बजे, गामहारीया आगमन 04: 45 बजे प्रस्थान 04: 46 बजे, बिरराजपुर आगमन 04: 54 बजे प्रस्थान 04: 55 बजे, कान्ड्रा आगमन 05: 03, प्रस्थान 05: 04 बजे, कुनकी आगमन 05: 10 बजे प्रस्थान 05: 11 बजे, मानिकुई आगमन 05: 17 बजे प्रस्थान 05: 18 बजे, चांडिल आगमन 05: 36 बजे प्रस्थान 05: 38 बजे, गुण्डा बिहार आगमन 05: 49 बजे प्रस्थान 05: 50 बजे, झिमरी आगमन 05: 59 बजे प्रस्थान 06: 00 बजे, हसलंग पी. एच. आगमन 06 : 06 बजे प्रस्थान 06: 07 बजे, लेटेम्दा आगमन 06: 11 बजे प्रस्थान 06: 12 बजे, बांदीकुई आगमन 06: 15 बजे प्रस्थान 06: 16 बजे, तिरुलडीह आगमन 06: 21 बजे प्रस्थान 06: 22 बजे, सुईसा आगमन 06: 30 बजे प्रस्थान 06: 31 बजे, तोरांग आगमन 06: 40 बजे प्रस्थान 06: 45 बजे, मूरी आगमन 07: 25 बजे प्रस्थान 07 5 35 बजे, सिल्ली आगमन 07: 48 बजे प्रस्थान 07: 49 बजे, टाटीसिलवे आगमन 08: 34 बजे प्रस्थान 08: 35 बजे, नामकुम आगमन 08: 44 बजे प्रस्थान 08: 45 बजे, रांची आगमन 09: 00 बजे प्रस्थान 09: 05 बजे एवं हटिया आगमन 10: 25 बजे होगा।

अस्पताल में स्वच्छता का भी ध्यान रखा जाना चाहिए : मंत्री

- एनक्वास, कायाकल्प, लक्ष्य तथा मुस्कान कार्यक्रम के तहत प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरण समारोह

खबर मन्त्र ब्यूरो

कुल 65 स्वास्थ्य संस्थानों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण प्रत्र प्राप्त हुआ है

स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि कुल 65 स्वास्थ्य संस्थानों को राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण प्रत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें 3 जिला अस्पताल, 1 प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र एवं 61 आयुष्मान आरोग्य मंदिर है। वर्ष 2024-25 में राज्य स्तर पर एनक्वास सर्टिफिकेशन को 339 स्वास्थ्य संस्थानों को स्टेट लेवल एसेसमेंट किया जा रहा है, जो सितम्बर 2024 के अंत तक पूर्ण कर ली जाएगी। इसके उपरांत विजेता संस्थानों को नेशनल सर्टिफिकेशन के प्रस्तावित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जितना अनटाइड फंड झारखण्ड के स्वास्थ्य संस्थानों को मिलता है। उतना अनटाइड फंड देश के किसी भी राज्य को नहीं मिलता है, जो कि सरकार का एक ऐतिहासिक कदम है। झारखण्ड देश का पहला राज्य होगा जहां सरकारी अस्पताल में प्राईवेट विशेषज्ञ/अति विशेषज्ञ डॉक्टर/चिकित्सक की सेवा ली जाएगी।

रांची। राज्य गुणवत्ता कोषांग के अंतर्गत एनक्वास, कायाकल्प, लक्ष्य तथा मुस्कान कार्यक्रम के तहत बुधवार को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। एनआरएचएम नामकुम में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने की। मौके पर उन्होंने पुस्तिकाओं - एनक्वास - आईपीएचएस 2024, रिवाईज कायाकल्प मार्गदर्शिका 2024 तथा एआई पावर्ड स्मार्ट स्कोप, सवाईकल कैंसर स्क्रीनिंग का लोकार्पण भी किया तथा इसके प्रचार-प्रसार के लिए पोस्टर का भी विमोचन किया। मंत्री ने कहा कि पुरस्कार और अवार्ड, कार्य करने और प्रोत्साहित करने के लिए अस्पताल का वातावरण इतना स्वच्छ हो कि वहां आने वाले व्यक्ति अस्पताल में इलाज कराने में संकोच न करे। हमारा यह लक्ष्य होना चाहिए कि अस्पताल में मरीज का इलाज के साथ -साथ इस बात का भी ध्यान रखा जाए कि मरीज और उनके अभिभावक तथा परिजन अस्पताल से संक्रमण ले कर वापस नहीं जाएं। सफाई के साथ-साथ सभी सुविधाओं की उपलब्धता के साथ गुणवत्तापूर्ण इलाज की भी व्यवस्था होनी चाहिए। मंत्री के द्वारा मुख्यमंत्री कायाकल्प योजना की घोषणा की गई, जिसके अंतर्गत मंत्री परिषद की स्वीकृति के बाद विजेता अस्पतालों को प्रति बेड 11,000/ रुपये दिये जायेंगे, जबकि एनक्वास के अंतर्गत भारत सरकार के द्वारा मात्र 10,000 की राशि प्रति बेड निर्धारित है। यूपीएचसी/पीएचसी के लिए 2.5 लाख, सीएचसी के लिए 16 लाख की राशि भी देने की बात उनके द्वारा कही गयी। साथ ही विजेता संस्थानों के कर्मियों के बीच वितरित की जाने वाली प्रोत्साहन राशि को 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने की बात भी कही गयी। मंत्री ने कहा कि रिम्स में वहिं बिना पहचान पत्र के कोई भी मरीज रात-बिरात या आपातकाल स्थिति में अस्पताल पहुचते हैं तो उनके स्वास्थ्य लाभ के लिए अधीक्षक को 50,000/- तक की राशि, निदेशक को 1,00,000/-रू0 तथा विभागीय मंत्री को 1 लाख से उपर तक की राशि की स्वीकृति किया गया है। वहीं, अबु इमरान, अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, ने कहा कि सभी स्वास्थ्य संस्थानों में एनक्वास, कायाकल्प, लक्ष्य और मुस्कान के मापदण्डों को पूर्ण करने का प्रयास करें ताकि अपने राज्य के स्वास्थ्य सुविधाओं में गुणवत्तापूर्ण सुधार हो एवं लोगों को सभी सुविधा युक्त इलाज मिल सके। मौके पर सीके शाही, निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएं, डॉ रंजीत प्रसाद, राज्य नोडल पदाधिकारी, गुणवत्ता कोषांग, डॉ लाल मांझी, नोडल पदाधिकारी, आईईसी कोषांग, डॉ प्रियंका सिंह, एनपीओ, डब्ल्यूएचओ आनंद यादव, सलाहकार, गुणवत्ता कोषांग, भारत सरकार तथा स्वास्थ्य विभाग के निदेशक, उपनिदेशक और समन्वयक/परामर्शी, राज्य गुणवत्ता परामर्शी एवं अन्य पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। प्रतिभागी के रूप में सभी जिलों के सिविल सर्जन, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, डीपीएम, डेम, एचएम, डीक्यूएसी, सीएचओ ने भाग लिया।

ठनका से मरे युवकों की शव यात्रा में उमड़ा जन सैलाब

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। बीआईटी मेसरा थाना क्षेत्र के नेवरी गांव के सोएब अंसारी, चुटू गांव के शाहिद नुरूल्लाह, आसिफ अंसारी व मकसूद अंसारी की मौत ठनका गिरने से हुई है। इसकी पुष्टि बीआईटी थाना प्रभारी रोशन सिंह ने की। उन्होंने ठनका से हुई मौत की यूडी केश दायर की है। उक्त चारों युवकों का पोस्टमार्टम के बाद बुधवार को अपने-अपने कब्रिस्तान में मिट्टी दी गई। जिसमें बड़ी संख्या में आसपास के गावों के ग्रामीण समेत अन्य क्षेत्रों के लोग भी शामिल हुए। इससे पूर्व बुधवार सुबह बीआईटी मेसरा थाना के प्रभारी रोशन कुमार सिंह अपने दल-बल के साथ घटना स्थल पहुंचे। वहां पर जांच करने पर पाया गया कि सखुआ का पेड़ फटा हुआ था और वह ताजा भी था। ज्ञात हो कि मंगलवार को उक्त सभी युवक बीआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज के पीछे स्थित सवणरेखा नदी में मछली मारने गए हुए थे। शाम लगभग छह बजे भरी बारिश होने के कारण सभी उक्त सखुआ के पेड़ के नीचे पानी से बचने लगे। उसी समय ठनका पेड़ को चीरते हुए उक्त चारों युवकों को चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार, थाना प्रभारी रोशन कुमार सिंह, एसआई अभय कुमार, समाजसेवी सह झामुमो कांके प्रखंड अध्यक्ष जावेद अख्तर अंसारी, युवा मोर्चा संयुक्त सचिव रांची जिला झामुमो महताब अंसारी, जाकिर अंसारी, मुजीबुर रहमान, नसीम अंसारी, इरशाद अंसारी इत्यादि ने शवों को रात्रि में घटनास्थल से थाना तक लाने, रिम्स ले जाने, मिट्टी देने व रात्रि में थाने में जमी भीड़ को बेहद सुझबुझ के साथ नियंत्रण करने में अहम भूमिका निभाई। सभी अपने-अपने घर के होनहार थे। शाहीद नुरुल्लाह फ्लोरेंस कॉलेज ईरबा में नर्सिंग का पढ़ाई करता था। आसिफ अंसारी आरटीसी बूटी में प्लस टू की पढ़ाई के साथ स्लाइडिंग ग्लास का काम कर घर चलाता था। सोएब अंसारी पुरानी गाड़ी की खरीद-बिक्री करता था। वहीं मकसूद अंसारी मूल रूप से ओरमांझी के आनंदी गांव का रहने वाला था। वह वर्तमान में बचपन से ही चुटू गांव में अपने मामा ताजुद्दीन अंसारी के घर पला बढ़ा और रंग पोचाड़ा का काम करता था। इनकी पत्नी को थाना प्रभारी रोशन कुमार सिंह ने 5 हजार नगद दिए। सभी के घरों में परिवार जनों का रो-रो कर बुरा हाल है। उन्हें ढांढस बंधाने में शुभचिंतक लगे हुए थे।

बहाली से पहले डिग्री की जांच करना जरूरी : एनएसयूआई

- डीएसपीएमयू के वीसी से मिले छात्र, सौंपा ज्ञापन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। एनएसयूआइ का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के कुलपति डा. तपन कुमार शांडिल्य से मिला। इस दौरान अमन अहमद ने वीसी से कहा की डीएसपीएमयू की वेबसाइट पर जारी एकेडमिक मार्क्स में कुछ ऐसे उम्मीदवार हैं, जिनका सिर्फ एम कॉम है। साथ में पीएचडी या नेट नहीं है। ऐसे में जब एमबीए और बीबीए की बहाली हो रही है तो सभी उम्मीदवारों की डिग्री की जांच होनी चाहिये। इससे साफ पता चल जायेगा कि इनके पास एमबीए की डिग्री है या नहीं? उन्होंने कहा कि यूजीसी के दिशा निर्देशों के अनुसार एवं जेपीएससी, बीपीएससी में चयन प्रक्रिया के अनुसार जिस विषय को आप पढ़ाते हों, उस विषय में पीजी होना अनिवार्य है। ऐसे में एनएसयूआई मांग करती है कि बीबीए, एमबीए में सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति मेरिट में आये सभी प्राध्यापकों की डिग्री की जांच के बाद ही नियुक्ति किया जाये। मौके पर रोहित पांडे, किश्वर तहरीम, पवन कुमार, हुसैन अंसारी, प्रिंस राज, सरफराज अहमद, सहबान अंसारी आदि छात्र नेतागण उपस्थित थे।

पठन-पाठन में उत्कृष्टता के अलावा सशक्त चरित्र निर्माण भी जरूरी : प्रो. गोपाल पाठक

- सरला बिरला विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पठन पाठन में उत्कृष्टता के अलावा सशक्त चरित्र निर्माण भी उतना ही आवश्यक है। यह बात सरला बिरला विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने अपने संबोधन के दौरान कही। वे विवि के नये सत्र के लिए आयोजित तीन दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम के अवसर पर उपस्थित छात्र-छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सामान्य अनुशासन के अलावा शैक्षणिक और वित्तीय अनुशासन पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने एसबीयू के साथ विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों के एमओयू की जानकारी देते हुए कहा कि इससे विवि के विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय शैक्षणिक परिवेश में अध्ययन का अवसर हासिल होगा। कार्यक्रम में विवि के प्रभारी कुलपति प्रो. एस.बी. डांडीन ने विद्यार्थियों को अच्छे कर्म, सहयोगी स्वभाव और जीवन में सकारात्मक प्रवृत्ति को अपनाते हुए अध्ययन को आत्मसात की सलाह दी। कुलसचिव प्रो. वी.के. सिंह ने नये विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें बिरला परिवार की समृद्ध विरासत, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अपनी जड़ों से जुड़े रहने के विषय में बताया। डीन डॉ. नीलिमा पाठक ने विद्यार्थियों के बेहतरीन समय प्रबंधन, अनुशासन, कुशल आचरण और दृढ़ संकल्प के जरिए अपना लक्ष्य पूरा करने की सलाह दी। कार्यक्रम का संचालन सुश्री इशिका सिंह और समापन डॉ. शुभ्रजीत मंत्री ने किया। इस अवसर पर डॉ. संदीप कुमार, डॉ. शैलेश नारायण सिंह, डॉ. राज कुमार सिंह समेत विश्वविद्यालय के अन्यान्य शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय संत समाज ने उठाये कई गंभीर सवाल, समाधान करने की मांग की

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय साधु-संत समाज ने झारखंड के कई इलाकों में बांग्लादेशी घुसपैठ से आदिवासियों की बदल रही डेमोग्राफी, राज्य से युवाओं के पलायन और बिगड़ती विधि-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाया है। साथ ही राज्य सरकार से पहल कर इस पर शीघ्र रोक लगाने की मांग की की। समाज के महामंत्री स्वामी दिव्यानंदजी महाराज रांची प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में उत्पाद सिपाही भर्ती दौड़ प्रतियोगिता में हुई मौतों पर भी सवाल उठाया। डा स्वामी ने सवाल किया कि किसी के घर का जो चिराग बुझ गया, क्या उसके जान की कीमत चंद पैसों से लगायी जा सकती है। कहीं न कहीं सरकार की लापरवाही से ये हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि दौड़ने के पहले शारीरिक स्थिति और वातावरण का भी ध्यान रखना चाहिए था। उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवाओं का पलायन रोकने के लिए सरकार को ठोस पहल करनी चाहिए। बांग्लादेशी रोहिंगिया मुसलमान के घुसपैठ के कारण प्रदेश की डेमोग्राफी बदलती जा रही है। घुसपैठिये झारखंड की युवतियों से षड्यंत्र के तहत उनसे शादी करते हैं और उनकी संपत्ति को हड़प कर उनका धर्म परिवर्तन भी कराने में लगे हैं। इस पर अविलंब रोक लगे। इस दिशा में सख्ती से नियंत्रण करना चाहिए। विदेशी षड्यंत्र के मंसूबों को कुचलना हमारा नैतिक कर्तव्य भी है। राज्य में अपराधिक गतिविधियों के कारण माहौल भयावह हो गया है। मुक्त होकर बेटियां घर से निकल सके, व्यवसायी अपना व्यवसाय कर सकें, ऐसा माहौल बनाना सरकार का दायित्व है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि तुष्टिकरण की राजनीति से परे होकर जनता के हित में प्रदेश की उन्नति का कार्य करे। नहीं तो आने वाले दो-चार महीना के अंदर ही जनता अपना फैसला सुनाने वाली है।

24 घंटे में छात्रों की परेशानियों का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन : अभिषेक शुक्ला

- युवा आजसू ने छात्रों की परेशानी से आरयू के परीक्षा नियंत्रक और डीएसडब्ल्यू को कराया अवगत

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। युवा आजसू का एक प्रतिनिधिमंडल रांची महानगर संयोजक अभिषेक शुक्ला एवं विशाल कुमार यादव के नेतृत्व में रांची विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक एवं मारवाड़ी महाविद्यालय के प्राचार्य से मुलाकात कर उन्हें यूजी सत्र 22-26 के छात्र-छात्राओं की परेशानियों से अवगत कराते हुए मांग पत्र सौंपा। इस दौरान अभिषेक शुक्ला ने परीक्षा नियंत्रक से कहा कि मारवाड़ी महाविद्यालय के यूजी सत्र 22-26 के छात्र छात्राएं सेम 1 और सेम 2 के कई विषय मे फेल हुए हैं। नयी शिक्षा नीति के अनुसार सेमेस्टर वन और सेमेस्टर 2 के कम से कम नौ विषयों पास होना अनिवार्य है। वहीं सेम 1 में जो छात्र-छात्राएं फेल हुई थीं। उन्होंने अपना बैक पेपर यूजी सत्र 23-27 के छात्र छात्राओं के साथ दिया था। परंतु उसका परीक्षा परिणाम अभी तक प्रकाशित नहीं हुआ है। वहीं दूसरी ओर मारवाड़ी महाविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि एवं परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई है, जो किसी भी दृष्टिकोण से छात्र-छात्राओं के हित में नहीं है। मौके पर मौजूद रांची विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ विकास कुमार ने कहा की यूजी सत्र 23-27 के सेमेस्टर वन का परीक्षा फल 7 दिनों में प्रकाशित कर दिया जाएगा। इधर छात्र छात्राओं का कहना था कि उनकी परेशानियों का समाधान नहीं हुआ तो आजसू चरणबद्ध आंदोलन करेगी। प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से: विशाल कुमार यादव, रोशन नायक, सुमित कुमार, आदित्य कुमार के अलावा कई अन्य सदस्य मौजूद थे।

रेलवे लेवल क्रॉसिंग से मेकन आरयूबी तक बनेगी सड़क

- पथ निर्माण विभाग ने इसके निर्माण के लिए टेंडर भी जारी कर दिया है

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रेलवे लेबल क्रासिंग नियर डिबडीह आरओबी (हरमू बाइपास) से मेकन आरयूबी तक सड़क का निर्माण कराने का रास्ता साफ हो गया है। इस एप्रोच रोड को बनाने के लिए मेकन से भी क्लीयरेंस मिल गया है। पथ निर्माण विभाग ने इसके निर्माण के लिए टेंडर भी जारी कर दिया है। सितंबर अंत तक इसे फाइनल भी कर दिया जायेगा। कई सालों से इसे बनाने का प्रयास चल रहा था, इसके बनने से आगमन अब आसान हो जायेगा। पथ निर्माण विभाग ने इसके अलावा डीएवी पुनदाग से डीपीएस हेहल तक करीब पांच किमी रोड बनाने के लिए फिर से टेंडर जारी किया है। इसे फोरलेन बनाया जायेगा। इसके बनने से पुनदाग इलाके से इटकी रोड एनएच 23 आना आसान हो जायेगा।

उपायुक्त की अध्यक्षता में बालूघाट एजेंसी के चयन के लिए जिला स्तरीय निविदा समिति की बैठक आयोजित

विचार-विमर्श के बाद फिर से टेंडर प्रकाशित करने का लिया गया निर्णय

- बालू घाटों के संचालन को लेकर पुनः एमडीओ की नियुक्ति के लिए जिला स्तर पर वित्तीय निविदा की प्रक्रिया निष्पादित करने का निर्णय

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय ब्लॉक- ए स्थित सभागार में बालूघाट एजेंसी के चयन के लिए जिला स्तरीय निविदा समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें जिला खनन पदाधिकारी रांची अबु हुसैन, कार्यपालक अभियंता लघु सिंचाई विभाग रांची, कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग रांची भी उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने रांची डीसी को अवगत कराया कि प्रबंध निदेशक, झारखण्ड राज्य खनिज विकास निगम लि. के पत्रांक 1744/रांची, दिनांक 21/08/2024 द्वारा वैसे बालू घाट जिनका एकरारनामा नहीं हो सका है, एमडीओ की राशि जब्त कर ली गई है, डी एम्पैनल्ड एजेंसी की सूची संलग्न करते हुए केटेगरी-2 बालूघाटों का पुनः एमडीओ चयन हेतु निविदा प्रकाशित किया जाए। रांची जिला में कुल-19 बालू घाट चिह्नित हैं। पूर्व में 08 दिसंबर 2023 को रांची जिला के 14 बालू घाटों और 12 दिसंबर 2023 द्वारा रांची जिला के 04 बालू घाटों (कुल-18 बालू घाटों) मतलब कुल- 18 बालू घाटों के फाइनेंसियल बिड पश्चात एमडीओ का चयन कर सूचना झारखण्ड राज्य खनिज विकास निगम लि. को उपलब्ध करा दी गई थी। एक बालू घाट के लिए एक ही बिडर रहने के कारण बिड कैंसल कर दिया गया था। एमडीओ चयनित बालू घाटों के संचालन के लिए अग्रेतर कार्रवाई झारखण्ड राज्य खनिज विकास लि. द्वारा की जानी थी। झारखण्ड राज्य खनिज विकास लि. के उक्त पत्र द्वारा रांची जिलान्तर्गत चिन्हित केटेगरी-2 के 10 बालूघाटों की सूची बालूघाटों का पुनः एमडीओ चयन के लिए निविदा प्रकाशित करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। बैठक में जिला खनन पदाधिकारी रांची, द्वारा बताया गया कि रांची के पंगुरा बारीडीह बालूघाट (केटेगरी-बी) में एकमात्र बिडर रहने के कारण बिड कैंसल दिया गया। इसका टेंडर अभी लंबित है। राहुल कुमार सिन्हा द्वारा बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों से विचार करने के बाद प्रबंध निदेशक झारखण्ड राज्य खनिज विकास लि. पत्रांक के आलोक में क्रमांकः- 1 एवं 2 में उल्लेखित बालू घाटों के संचालन को लेकर पुनः एमडीओ की नियुक्ति के लिए जिला स्तर पर वित्तीय निविदा की प्रक्रिया निष्पादित करने का निर्णय लिया गया। सभी सदस्यों से विचार करने के बाद पूर्व में प्रकाशित टेंडर डाक्यूमेंट के अनुरूप ही फिर से टेंडर प्रकाशित करने को कहा गया।

खबर एक नजर में

इक्फाई विवि झारखंड ने मनाया विश्व बंधुत्व दिवस

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड ने बुधवार को विश्व बंधुत्व दिवस के अवसर पर जागरूकता सत्र का आयोजन किया। विशेष अतिथि के रूप में झारखंड के सहायक पुलिस महानिदेशक आरके मल्लिक को आमंत्रित किया गया। उन्होंने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को एक प्रेरक भाषण दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद द्वारा अमेरिका के शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में दिए गए भाषण के बारे में जानकारी दी, जिसमें उन्होंने धर्मों के बीच सामंजस्य पर जोर दिया और दुनिया को भारत की महिमा से अवगत कराया। समारोह के दौरान विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी, रांची चैप्टर के निदेशक जयंत कुमार झा भी मौजूद थे। इस अवसर पर कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने अतिथियों का स्वागत एक प्रेरक भाषण के साथ किया। कार्यक्रम का समापन रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) जेबी पटनायक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस कार्यक्रम का संचालन डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ एस चौधरी ने किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी संकाय सदस्य, गैर-शिक्षण कर्मचारी और छात्र-छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

कैंब्रिज स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजित

रांची। कैंब्रिज स्कूल टाटीसिल्वे में बुधवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। प्रदर्शनी में स्कूली बच्चों द्वारा निर्मित सोलर सिस्टम से जुड़े उपकरण, चंद्रयान 3 के मॉडल समेत कृषि के क्षेत्र में काम आने वाले अत्याधुनिक यन्त्रों को प्रदर्शित किया गया। मालूम हो कि विज्ञान प्रदर्शनी में कक्षा छठी से लेकर दसवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया था। स्कूल के प्राचार्य टीके नाथ ने बताया कि सभी मॉडलों का निर्माण शिक्षकों के मार्गदर्शन और देखरेख में विद्यार्थियों द्वारा किया गया है। विद्यालय के निदेशक अभिषेक सिंह ने प्रदर्शनी का मुआयना कर विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रयास की सराहना की। मौके पर संस्थान की शिक्षक इंद्राणी बोस, ज्योति भूषण गुप्ता, रीना सहाय अशोक सिंह, संध्या रानी, सुभाष कुमार, एकता कुमारी, विनीता नाग, सुप्रिया व्यास, संदीप कुमार आदि ने उपस्थित रहकर बच्चों की हौसला आफजाई की।

बीआईटी मेसरा : चार्जेक्स-24 में टीम ऑन द स्पॉट शीर्ष पर

रांची। बीआईटी मेसरा की टीम एवियन के चार्जेक्स 24 का सम्मान समारोह विजेताओं की घोषणा के साथ शुरू हुआ। इस कार्यक्रम के प्रायोजक पंजाब साइकिल, सीएमपीडीआई, सेलेब्राइट, उषा मार्टिन और पेंग उषा मार्टिन थे। टीम ऑन द स्पॉट ने 110 अंकों के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया। टीम अमन ने 85 अंकों के साथ उपविजेता स्थान प्राप्त किया। टीम इनविंसिबल ने 85 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। टीम अमन को कार्यक्रम के दौरान आयोजित कैड और ईगल कार्यशालाओं में उनकी सक्रिय भागीदारी के कारण टीम इनविंसिबल पर उपविजेता स्थान दिया गया।

असंगठित कामगार कांग्रेस ने चलाया जनसंपर्क अभियान

रांची। झारखंड प्रदेश असंगठित कामगार कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष प्रेम कुमार ने कांके विधानसभा क्षेत्र के उरगुटू, कटमकुली, बोड़या, मोहनपुर, ठाकुरगांव, बुढ़मू में जनसंपर्क अभियान के तहत कांग्रेस अपने द्वार कार्यक्रम चलाया। इस दौरान कांग्रेस नेता प्रेम कुमार कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों से मिलकर क्षेत्र की समस्याओं से अवगत हुए और लोगों की समस्याओं को यथाशीघ्र दूर करने का आश्वासन दिया। कांग्रेस नेता प्रेम कुमार ने कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने एवं आम जनों को कांग्रेस पार्टी से जोड़ने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ दौरा किया। उन्होंने इंडिया गठबंधन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। मौके पर तुलसी पासवान, जयकांत वर्मा, रहमतुल्लाह अंसारी, अजीजुल अंसारी, बसंत यादव, लखन यादव, वासुदेव राम, संदीप उरांव, सागर उरांव, अजीत प्रसाद, समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

घासी नायक समाज युवा कल्याण समिति झारखंड प्रदेश का गठन

रांची। घासी नायक समाज युवा कल्याण समिति झारखंड प्रदेश का गठन रिंग रोड तुपुदाना मुकेश कुमार नायक के सभागार परिसर में कमेटी का विस्तार किया गया। जिसमें मुख्य रूप से समिति की ओर से टाटीसिल्वे निवासी राजू नायक को संरक्षक के रूप में मनोनीत करने का निर्णय लिया गया। बाद में राजू नायक का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। उन्हें बधाई देने वालों में संदीप टाइगर, नायक घासी, नायक समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष कार्यकारी अध्यक्ष मुकेश कुमार नायक, सचिव कुशवंत नायक, सचिव दशरथ राम घासी, सह सचिव लोदा नायक, कोषाध्यक्ष संजय नायक, धंजू नायक, रांची युटिया उपाध्यक्ष संयोजक रामप्रवेश नायक, संयोजक प्रवक्ता अजय कुमार नायक, वासुदेव नायक, अशोक घासी, कैलाश घासी, दीपक कुमार घासी, महेश नायक, संजय नायक, राजू नायक, श्याम घासी नायक आदि शामिल है।

हटिया में मुस्लिम प्रत्याशी दिया जाना चाहिए : कांग्रेस

रांची। महानगर व ग्रामीण कांग्रेस कमेटी कार्यकारिणी की बैठक कांग्रेस भवन में रांची महानगर अध्यक्ष हुसैन खान एवं ग्रामीण अध्यक्ष शमीम अख्तर की अध्यक्षता में संयुक्त रूप से हुई। इसमें मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सम्मानित अध्यक्ष केशव महतो कमलेश उपस्थित थे। इनके अलावा प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के संगठन महासचिव अख्तर अली महानगर अध्यक्ष कुमार राजा प्रदेश कार्यालय प्रभारी अमूल्य नीरज खलखो मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पाल मुंजिनी प्रदेश अल्पसंख्यक के महासचिव रुस्तम अली, गुलाम रब्बानी हसनैन जैदी प्रमुख रूप से मौजूद थे। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष के सामने चार प्रस्ताव पारित किया गया। इसमें दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल के विधानसभा में कुल 15 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र है। हटिया मुस्लिम बहुल क्षेत्र है, यहां से मुस्लिम प्रत्याशी दिया जाये। जिले के कुल सात विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग का संगठन काफी मजबूत स्थिति में है। कांग्रेस पार्टी चुनाव में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग का भरपूर सहयोग प्राप्त कर सकती है। परंतु चुनाव में कांग्रेस संगठन अल्पसंख्यक कांग्रेस को नजर अंदाज कर दियाजाता है, जिसका खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ता है। जिला कांग्रेस हर कार्यक्रम की जानकारी अल्पसंख्यक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी को दे और कार्यक्रम में अध्यक्ष अध्यक्ष को मान सम्मान दे। इन प्रस्तावों पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि जो प्रस्ताव पारित किया गया है, उस गंभीरता से लूंगा और कांग्रेस पार्टी हमेशा अकलियतों को मान सम्मान देती आई है और आगे भी देगी।

आईएसएम रांची में स्टूडेंट्स इंडक्शन प्रोग्राम का शुभारंभ

रांची। आईएसएम, पुंदाग, रांची में शैक्षणिक सत्र 2024- 25 में नामांकित नए छात्र- छात्राओं का स्टूडेंट्स इंडक्शन प्रोग्राम का शुभारंभ किया गया। शैक्षणिक सत्र 2024- 25 में बीबीए, एमबीए और होटल मैनेजमेंट के बैचलर डिग्री कोर्स में दाखिला लिए नए छात्र और छात्राओं का स्वागत व अभिनंदन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. हरिहरण पूर्व निदेशक,भारतीय इस्पात अभिकरण लिमिटेड, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार ने नए छात्र-छात्राओं को शुभ कामनाएं देते हुए कहा कि आज का युवा राष्ट्र निर्माता है। विशिष्ट अतिथि, संस्थान के अध्यक्ष प्रोफेसर आर. ए.के.वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि नए छात्र और छात्राओं को चुनौतियों और जोखिमों को अवसर में परिवर्तित कर लेने और अपनी ताकतों को निरंतर बढ़ाते रखने की आवश्यकता पर बल दिया। समारोह के अध्यक्ष डॉ. गंगा प्रसाद सिंह,निदेशक सह सचिव ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि नए छात्र और छात्राओं में प्रबंधकीय, और उद्यमिता क्षमता को विकसित करने का एक अनुपम अवसर प्राप्त किया है। कार्यक्रम में अन्य शिक्षक सर्व श्री आर. एन.भंजदेव, सुशांत शेखर, अमित कुमार, नीरू कुमारी, जुली कुमारी व अन्य उपस्थित थे।

स्पीड न्यूज

मांडर कॉलेज में करम पूर्व संध्या

मांडर। कॉलेज परिसर में बुधवार को करम पूर्व संध्या समारोह का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि पद्म श्री मधु मंजूरी जी शामिल हुए। कार्यक्रम में महावियालय के छात्र छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए। मुख्यतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिकता कि इस दौर में हमे प्रकृति एवं संस्कृति से जुडे रहने की बात कही उन्होने अपने स्वर में कई कर्मा गीत भी गाए। उन्होने डॉ रामदयाल मुण्डा की कही गईं बाते जो नाची से बाची बात को भी दोहराया। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्या डॉ कुनुल कन्डीर, डा बुधु उरांव, सोमरा उरांव, के पी० शाही, डॉ ममता, दिब्या रानी, उत्रम शाही, सोनू सहित महाविद्यालय के शिक्षक कर्मकारी उपस्थित थे।

बढ़ रही बेरोजगारी, युवा पलायन को विवश

अनगड़ा। हाहाप पंचायत अन्तर्गत लतारडीह में पंचायत प्रभारी महेन्द्र स्वांसी की अध्यक्षता एवं ग्राम प्रभारी दीनबंधु स्वांसी व अंजलि कुमारी की अगुवाई में बुधवार को आजसू पार्टी की बैठक हुई बैठक मे मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय सचिव पारसनाथ उरांव ने कहा कि राज्य की विधि ब्यवस्था दिनो दिन गिरती जा रही है तथा राज्य की हालत बद से बद्तर होती जा रही है। युवा पलायन कर रहे हैं। मौके पर केन्द्रीय सचिव जितेन्द्र सिंह अनीता देवी राकेश स्वांसी आशीष रूण्डा सुकर मणि देवी उपस्थित थे।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने किया सड़क जाम

राहे। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर झारखंड आंदोलनकारी ने बुधवार को भगत सिंह चौक पर सांकेतिक रूप से जाम रखा और आवागमन को बाधित रखा सड़क जाम का नेतृत्व कर रहे झारखंड आंदोलनकारी विनोद महतो ने कहा कि राज्यव्यापी आंदोलन के तहत झारखंड बंद के समर्थन में आवागमन को बाधित किया गया है। लोगों की परेशानी को देखते हुए सांकेतिक रूप से 15 मिनट सड़क जाम रखा गया। मौके पर विनोद महतो, देवगुण महतो, हलधर महतो,उमेश महतो, अश्विनी मेहता, रमेश महतो, गदाधर महतो, बिंदेश्वर महतो, मंटू राम महतो, दिबेश्वर महतो, राम हरी महतो, अखिलेश्वर महतो, अजीत कुमार महतो, पृथ्वी महतो, देवेंद्र महतो, कीरीटी महतो,हरिहर महतो, फणिभूषण महतो, आदि मौजूद थे।

सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

अनगड़ा। कुच्चू एवं बीसा पंचायत सचिवालय में बुधवार को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में महिलाओं की अच्छी खासी उपस्थिति देखी गई। लगाए गए विशेष शिविर में ग्रामीणों की कई समस्याओं का त्वरित निष्पादन किया गया। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि राजेन्द्र मुण्डा और एतवा उरांव ने कहा कि राज्य की गठबंधन सरकार गरीबों दलितों पिछड़ों आदिवासियों और अल्पसंख्यक समुदाय के उत्थान एंव विकास के लिए बेहतर काम कर रही है। शिविर में कुच्चू पंचायत में अबुआ आवास के 270 नया राशन कार्ड के तीन ऑन लाईन भूमि प्लॉट सुधार के सात आवेदन आये।

अलग अलग सड़क हादसे में एक की मौत, पांच घायल

खड़े ट्रक में बाइक सवार ने मारी टक्कर मौके पर ही मौत

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। थाना क्षेत्र में हुई दो अलग अलग सड़क हादसा में एक की हो गई मौत दो गम्भीर रूप से जखमी हो गए । पहली घटना रिंग रोड में तुरूप स्वर्णरेख पूल के पास घटी एक बाईक सवार युवक खड़ी लॉरी ट्रक को पीछे से जोरदार टक्कर मारा जिससे उसकी मौके पर हीं मौत हो गई बताया गया कि युवक विकास की ओर से गोन्दली पोखर की ओर आ रहा था पुल के पास पहले से हीं ब्रेकडाउन लॉरी खड़ी थी उसी में टक्कर मार दिया युवक का नाम पता नहीं चल पाया है लेकिन वह बूढ़मू के तरफ का रहने वाला बताया जा रहा है। उसका ससुराल हेसल में बताया गया है। जबकि दूसरी घटना महेशपूर बगान टोली के पास घटी सड़क के किनारे एक खड़ी ट्रेक्टर को एक बैगन आर कार जेएच 01 बीएन 5641 ने पीछे से जोरदार टक्कर मारा टक्कर इतना जोर था कि कार के आगे का हिस्सा बुरी तरह से क्षति ग्रस्त हो गया है इस दुर्घटना मे चालक सहित चालक के बगल सीट में बैठा युवक को गम्भीर चोट आई है। जबकि पीछे बैठे तीन युवको को भी चोट आई है इसमें एक की हालत काफी चिन्ताजनक बतायी गई है। सभी घायलों को कार से रेस्क्यू कर स्थानीय लोगों ने तत्काल दो एम्बुलेन्स बुलाकर इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया।

छात्र-छात्राओं के बीच दो हजार पौधे वितरित

रातू। लेडी केसी रॉय मेमोरियल स्कूल की ओर से हरित क्रांति की दिशा में एक और कदम उठाया गया। समैरिटन्स राउंड टेबल के लोगों ने स्कूल का दौरा किया छात्रों के बीच दो हजार पौधे बांटे। स्वागत भाषण प्राचार्य अभिषेक हरित ने दिया। उन्होंने जानकारी दी कि छात्रों को दिये गये पौधे स्कूल परियोजना का हिस्सा है। पौधों के विकास और पर्यावरण की रक्षा के लिये बच्चे जवाबदेह होंगे। साल के अंत में परियोजना की अंतिम परीक्षा के लिये वार्षिक मूल्यांकन का हिस्सा होगा। चेयरमैन और निदेशक प्रणव रॉय और अकादमिक प्रशासक रासी ने टेबल के सदस्यों का स्वागत किया।

जिप अध्यक्ष ने रखी पीसीसी पथ की आधारशिला

- साढ़े चार लाख आयेगी लागत
- मुहल्ले में खुशी की लहर

खबर मन्त्र संवाददाता

कार्यक्रम में लिया हिस्सा

राजीव रंजन मिश्र, विशाल साहू, राजेश पासवान, विवेक कुमार सिंह, कृष्णा कुमार, बॉबी मिश्र, देवेंद्र पाहन, अरविंद केरकेट्टा, प्रदीप पटेल, सरोज गुप्ता, उज्ज्वल तिवारी, दीपक साहू, अर्जुन साहू, रमेश उरांव, अर्जुन महतो, गुड्डू चौधरी, कमला देवी, सुलोचना देवी, शकुंतला देवी, प्रीति देवी, चंदन प्रसाद, बिमला देवी व सतीश कुमार आदि।

रातू। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से सटे संजय नगर के ग्रामीणों को सड़क की नारकीय स्थिति से निजात मिल गयी है। लोग घुटने भर कीचड़ से होकर आवा-जाही करने पर विवश थे। जल जमाव से डायरिया समेत कई संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका थी। जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत ने अपने कोष से बुधवार को संजीवनी नर्सिंग होम स्थित मुख्य मार्ग से बॉबी मिश्र के घर तक तीन सौ फीट पीसीसी पथ की आधारशिला रखी। इसके निर्माण में करीब 4.5 लाख की लागत आयेगी। सड़क की स्वीकृति से मुहल्ले के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गयी। उन्होंने श्रीमती भगत और आजसू नेता भरत कांशी के प्रति आभार जताया और पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत किया।

महिला समूह की दीदियों को मिला 35.50 लाख

ओरमांझी। झारखंड के गरीब जरूरतमंद को घर जाकर येजना पहुंचाने का सरकार का कार्यक्रम सरकार आपके द्वार में महिला समुह की दीदियों को 35.5 लाख मिला। बुधवार को ओरमांझी प्रखंड के चाडू पंचायत में शिविर लगा था। जहां पहुंचे गरीब व जरूरत मंदों ने योजना के लिए अपने आवेदन जमा किए। वहीं कई वृद्ध व विधवा पेंषन की समस्या का समाधान ऑन स्पॉट किया गया। कैंप में महिला आजीविक स्वयं सहायता समूहों के बीच बैंक लाखों का बैंक ऋण उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम में सीओ उज्जवल सोरेन, बीडीओ विजय कुमार, कांग्रेस के रांची जिला महासचिव अषोक गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि प्रेमनाथ मुंडा, तुलसी खरवार, सुरेष प्रसाद साहू, मुखिया रोजलीन लकड़ा, पंस सदस्य अनिल कुमार महतो व ग्रामप्रधान नेवाराम मुंडा द्वारा समुह की दीदियों को चेक प्रदान किया।

आराकेरम की बालक-बालिका टीम का कबड्डी में शानदार प्रदर्शन

ओरमांझी। एसएस $2 हाई स्कूल ओरमांझी स्टेडियम में खेले जा रहे दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता के दूसरे दिन ग्रुप मैच में छात्र-छात्राओं ने संर्घषपूर्ण खेल का प्रदर्षन किए। बुधवार को बालक व बालिका वर्ग के अंडर 14, 17 व 19 टीम के बीच फुटबाल, बॉलीबॉल खो-खो, कबड्डी आदि का मैच हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिप सदस्य सरिता देवी व विधायक प्रतिनिधि खेल विभाग तौहिद आलम ने किया। अंडर-17 बालिकाओं की कबड्डी प्रतियोगिता व अंडर-19 बॉलीबाल में टीयूएसएसवी ओरमांझी विजयी हुई। वहीं सुदूरवर्ती गांव आरा-केरम की अंडर-14 बालक व बालिका की कबड्डी टीम के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्षन करते हुए दो मुकाबले जीत लिए। वहीं बालक वर्ग के अंडर-19 फुटबाल में जीयूएसएच पिस्का, कबड्डी में एसएस$2 हाई स्कूल ओरमांझी की टीम विजयी रही। इनके अलावे विजेता अन्य स्कूल की टीम को जिप सदस्य ने सम्मानित किया।

सरना क्लब डकरा में करम पूर्व संध्या की धूम

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। सरना क्लब डकरा में करम पूर्व संध्या समारोह धुमधाम से मनाया गया। समारोह के माध्यम से सभी करमाईयों को करम पर्व के हार्दिक शुभकामनाएं दिया गया। साथ ही करम पर्व के विषय मे संरक्षक रँथु उराँव ने बताया कि प्राकृतिक पर्व करमा भाई बहनों का पर्व है, इस पर्व में जो कहानी का सार है कि बुराई की हार और अच्छाई की जीत होती है। करम पर्व के संझोत में एक साथ मिलकर खान पान करते हैं इसके बाद दूसरे दिन बहने भाइयों के नाम पर उपवास करती हैं और भाई लोग शाम को करम डाली को लातें हैं और अखरा में गाढ़ कर हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। करमा पूर्व संध्या पर उपस्थित अशोक लकड़ा, रंथु उराँव, कन्हाय पासी, दीपक टाना भगत बबलु उराँव सूरज मुंडा अमित लकड़ा अशोक उराँव अमृत भोगता सुकरा उराँव प्रभाकर गंझू नरेश गंझू बिंगन सिंह भोगता,विनय खलखो, राजेन्द्र उरांव, लालचन्द विश्वकर्मा, चरका पाहन, सुरेश गंझू ,लालेश्वर उराँव,राजु भुईयां,सरहुल भगत, बिन्दु भगत, दिनेश गंझू,इन्दु उराँव, दिपक उराँव, नाथु टोपो, बिरजु लोहरा, शिवशंकर लोहरा, रवि लोहरा,नरेश मांझी, किशुन उराँव, ललिता पाहन, आशा खलखो, किरण मिंज,सकुन कुजुर, सोनी देवी, पुष्पा देवी, सरिता उराँव,संजु कुमारी मुंडा, प्रियंका तिग्गा, संगीता टोपो,सरस्वति देवी सहित सैंकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए।

युवक-युवतियों ने नृत्य कला की छटा बिखेरी

सीएन राज हाई स्कूल मैदान में करम पूर्व संध्या महोत्सव

- पड़हा राजा को मिला सम्मान
- खोड़हेधारी किये गये पुरस्कृत

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। छोटानागपुर राज प्लस टू उवि मैदान में बुधवार को करम पूर्व संध्या का आयोजन किया गया। आदिवासी छात्र संघ व यंग आदिवासी क्लब, कुंबाटोली की ओर से आयोजित महोत्सव में दर्जनों खोड़हा टीमें पारंपरिक वेश-भूषा में शामिल हुयी और गीत-नृत्य प्रस्तुत किया। युवक- युवतियों ने नृत्य कला की छटा बिखेरी। समारोह में राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश बतौर मुख्य तथा जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत, प्रमुख संगीता तिर्की, सीओ रवि कुमार, संघ के केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव, जोहार पार्टी केंद्रीय अध्यक्ष कुशवाहा विजय महतो व आजसू नेता भरत कांशी विशिष्ट अतिथि थे। उन्होंने पड़हा राजा को सम्मानित किया। हिंसरी, चौली, गुड्डू, पाली, चितरकोटा बड़काटोली, छोटकाटोली, काठीटांड़, ललित ग्राम, बेलांगी, चिपरा, मखमंदरो, हेहल, मरियाटांड़, सिमलिया, कुंबाटोली, बड़काटोली, काटू, होचर पतराटोली, मांडर उचरी व पुरियो के खोड़हे धारी पुरस्कृत किये गये। संचालन शंकर उरांव ने किया।

समारोह में लिया हिस्सा

समाजसेवी हुसे उरांव, शहीद सुभाष मुंडा की पत्नी कृति सिंह मुंडा, झामुमो नेता एनके मेहता, मुखिया जयश्री कुमारी, एसीएस केंद्रीय मीडिया प्रभारी सुमित उरांव, जिला प्रवक्ता मंगल उरांव, पाहन संघ के अध्यक्ष गंगू पाहन, पाहन संघ उपाध्यक्ष रंजीत खलखो, एसीएस प्रखंड इकाई के अध्यक्ष रोशन तिग्गा, सचिव अमित तिग्गा, कोषाध्यक्ष अनुज तिर्की, सांसद प्रतिनिधि बिमल उरांव, भाजपा एसटी मोर्चा मंडल अध्यक्ष कृष्णा उरांव, जेबीके एसएस के ग्रामीण जिला अध्यक्ष आलोक उरांव, चंदर उरांव, प्रदीप उरांव व नारायण उरांव आदि।

GOVT. OF JHARKHAND
DRINKING WATER & SANITATION MECH. DIVISION, RANCHI

E-Procurement
INVITATION FOR BIDS (IFB)
Very Short Tender reference no. - DWSMD/RANCHI/03 (2024-25) – 2nd Call
PR No.- 330026 Drinking Water and Sanitation (24-25)_D

Sl. No.	Name of Schemes	Estimated Cost (Rs)	Earnest Money (Rs)	Cost of Tender Paper (Rs)	Time of Completion
1	2	3	4	5	6
Gr. A	Renovation of Ratu Road Urban Water Supply Scheme by replacement of old 120 HP HSC pump sets by new pump sets having discharge - 910 m³ against head of 50 m in the lower pump house including making & fabricating 350 mm MS suction pipe, 250 mm MS delivery pipe, supply & fitting valves in delivery pipes etc. at Ratu Road Pumping Plant.	8771648.00	175500.00	10000.00	6 Months

1	Date of publishing on website	13/09/2024 at 02.00 PM
2	Last date & time for online receipt of bid (i.e. Tender documents, Cost of BOQ, EMD)	20/09/2024 at 03.00 PM
3	Date of online opening	21/09/2024 at 03.00 PM
4	Place for online opening of bids	Office of the Superintending Engineer, D. W. & S. Mech. Circle, Ranchi
5	Name & address of office inviting tender	Executive Engineer, D.W. and S. Mech. Division, Ranchi. Zila School Campus Water Tower, near Jain Mandir, Upper Bazar, Ranchi – 834001
6	Contact no of Procurement office	0651-3577997, 9431161242 Email ID :- dwsdmechranchi@gmail.com

नोट :– 1. केवल ई निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे ।
2. उपरोक्त किसी तिथि को अवकाश घोषित होने पर अगले कार्य दिवस की तिथि को माना जायेगा ।
3. ऐसे निर्माता/निर्माता के अधिकृत विक्रेता जिन्हें पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड सरकार का निबंधन प्राप्त नहीं है वे भी निविदा में भाग ले सकते है बशर्ते कि वैसे सफल निविदादाता को एकरारनामा के पूर्व पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड, से संवेदक–निबंधन पत्र प्राप्त कर लेना होगा ।
4. निविदा की सूचना तथा नियम शर्तें की जानकारी वेबसाईट www.prdjharkhand.in, प्रमण्डलीय तथा अंचल कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है । निविदा की जानकारी के लिए वेबसाईट http://jharkhandtender.gov.in पर देखा जा सकता है ।

PR 335390 (Drinking Water and Sanitation) 24-25 (D)
कार्यपालक अभियन्ता
पेयजल एवं स्वच्छता यांत्रिक प्रमण्डल, राँची।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा।

ई–अल्पकालीन् निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा संख्या– 15/2024-25/RWD/CHATRA दिनांक– 10.09.2024

कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा द्वारा जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट (DMFT) मद अन्तर्गत् निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	आईडेन्टिफिकेशन संख्या/ पैकेज संख्या	प्रखण्ड	पंचायत	ग्राम	कार्य का नाम	प्राकलित राशि (रूपये में) अंक में	अक्षर में	कार्य समाप्ति की अवधि	कॉल सं.
1	RWD/ CHATRA/53/ 2024-25	चतरा	लेम	पचमहला	मुख्य पथ से रामेश्वर दांगी के घर तक PCC पथ निर्माण	71,38,400.00	इकहत्तर लाख अड़तीस हजार चार सौ मात्र	06 माह	प्रथम
2	RWD/ CHATRA/54/ 2024-25	चतरा	आरा	अहुरी	नीमटॉड़ से इन्दरवाँ कुआँ तक PCC पथ एवं गार्डवाल निर्माण	69,32,400.00	उनहत्तर लाख बत्तीस हजार चार सौ मात्र	06 माह	प्रथम
3	RWD/ CHATRA/55/ 2024-25	चतरा	आरा	आरा	जान मियाँ के घर से गडेर तक PCC पथ एवं गार्डवाल निर्माण	47,23,000.00	सैंतालीस लाख तेईस हजार मात्र	03 माह	प्रथम
4	RWD/ CHATRA/56/ 2024-25	चतरा	टीकर	टीकर	शिवकुमार राम के घर से भादे तक PCC पथ निर्माण	88,69,700.00	अट्ठासी लाख उनहत्तर हजार सात मात्र	06 माह	प्रथम
5	RWD/ CHATRA/57/ 2024-25	चतरा	टीकर	टीकर	कसियाडीह टोला पिचौड़िया मंदिर से जितेन्द्र ठाकुर के घर तक PCC पथ निर्माण	84,86,400.00	चौरासी लाख छियासी हजार चार सौ मात्र	06 माह	प्रथम
6	RWD/ CHATRA/58/ 2024-25	चतरा	गंधरिया	गंधरिया	शिवमंदिर से भीम राणा के घर तक PCC पथ निर्माण	53,76,200.00	तिरेपन लाख छिहत्तर हजार दो सौ मात्र	06 माह	प्रथम
7	RWD/ CHATRA/59/ 2024-25	चतरा	गंधरिया	लोवागड़ा	PCC पथ से महादेव महतो के घर से प्रयाग दांगी के घर तक PCC पथ निर्माण	7,02,400.00	सात लाख दो हजार चार सौ मात्र	01 माह	प्रथम
8	RWD/ CHATRA/60/ 2024-25	चतरा	गोढ़ाई	गोढ़ाई	पछीमारी कुआँ से रफिक मियाँ के घर तक PCC पथ निर्माण	70,97,900.00	सत्तर लाख सन्तानबे हजार नौ सौ मात्र	06 माह	प्रथम
9	RWD/ CHATRA/61/ 2024-25	चतरा	गोढ़ाई	कसियाडीह	पक्की सड़क से प्रा.उ.म.वि. कसियाडीह तक PCC पथ एवं गार्डवाल निर्माण	95,93,500.00	पन्चानबे लाख तिरानबे हजार पाँच सौ मात्र	06 माह	प्रथम
10	RWD/ CHATRA/62/ 2024-25	चतरा	पाराडीह	कठौतिया	सलीम गोल्डेन के बाउन्ड्री से लच्छु कहार के घर तक PCC पथ निर्माण	85,71,200.00	पचासी लाख इकहत्तर हजार दो सौ मात्र	06 माह	प्रथम
11	RWD/ CHATRA/63/ 2024-25	चतरा	डमडोईया	उहुरी	महावीर राम के घर से हुलास यादव के घर तक PCC पथ निर्माण	85,01,400.00	पचासी लाख एक हजार चार सौ मात्र	06 माह	प्रथम
12	RWD/ CHATRA/64/ 2024-25	चतरा	डमडोईया	डमडोईया	आँगनबाड़ी से कुलदीप भुईयाँ के घर तक PCC पथ निर्माण	81,22,200.00	इक्यासी लाख बाईस हजार दो सौ मात्र	06 माह	प्रथम
13	RWD/ CHATRA/65/ 2024-25	चतरा	डाढ़ा	पकरिया	बसुदेव भुईयाँ के घर से ब्रह्मचारी छठ घाट होते हुए शंकर प्रजापति के घर तक PCC पथ निर्माण	76,69,200.00	छिहत्तर लाख उनहत्तर हजार दो सौ मात्र	06 माह	प्रथम
14	RWD/ CHATRA/66/ 2024-25	चतरा	डाढ़ा	पकरिया	बतीस भुईयाँ के घर से बिरेन्द्र मिंज के घर तक PCC पथ निर्माण	44,65,900.00	चौआलीस लाख पैंसठ हजार नौ सौ मात्र	03 माह	प्रथम
15	RWD/ CHATRA/67/ 2024-25	चतरा	डाढ़ा	डाढ़ा	मनोज यादव के घर से बिरमा तिर्की के घर तक PCC पथ निर्माण	43,50,500.00	तैंतालीस लाख पचास हजार पाँच सौ मात्र	03 माह	प्रथम

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– 18.09.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 25.09.2024 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 27.09.2024 अपराह्न 3.30 बजे।
5. ई–निविदा आमंत्रित करनेवाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा, द्वितीय तल, विकास भवन, चतरा।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष संख्या :– 06541-296208
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

PR 335379 (Rural Work Department) 24-25 (D)
कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा।

कार्यालय–जिला विधिक सेवा प्राधिकार खूँटी
अधिसूचना संख्या– 02/2024
पारा विधिक स्वंय सेवक के चयन हेतु आवेदन अमंत्रित किए जाते हैं।
(यह किसी सरकारी पद पर नियुक्ति नहीं है)

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, खूँटी के द्वारा कुल 45 रिक्त पदों के विरूद्ध पारा विधिक स्वंय सेवक के चयन हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन करने हेतु आवेदन का प्रपत्र,जिला विधिक सेवा प्राधिकार, खूँटी कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है या सिविल कोर्ट खूँटी के अधिकारिक वेबसाईट https://khunti.dcourts.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

आवेदन करने हेतु निम्नलिखि निर्देशों का पालण करना आवश्यक है:–

- आवेदन सचिव, जिला विधिक सेवा प्रधिकार, व्यवहार न्यायलय, खूँटी 835210 के पता पर स्वीकार किए जाएंगे।
- आवेदन सूचना की तिथि से लेकर दिनांक–18/09/2024 तक ही स्वीकार किए जाएंगे।

कौन आवेदन दे सकता है– जिला खूँटी के अन्तर्गत ऐसे व्यक्ति (महिला/पुरुष/अन्य) जा बनि किसी आर्थिक लाभ के समाज के कमजोर वर्गों एवं वंचितों के उत्थान में रूचि रखते हैं या उनके लिए स्वैच्छिक सेवा करना चाहते हैं, जैसे– सेवानिवृत्त शिक्षक सहित सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी/वरिष्ठ नागरिक/एम0एस0डब्लू0 छात्र एवं शिक्षक, आंगनबाडी कार्यकर्ता, डॉक्टर, छात्र और विधि के छात्र (जिनका अधिवक्ता के रूप में नामांकन नहीं है), गैर–राजनीतिक सेवा उन्मुख गैर–सरकारी संगठन एवं क्लब के सदस्य स्वंय सहायता समूह मैत्री समूह जिविका आदि के सदस्य एवं अन्य व्यक्ति जो अपनी स्वच्छा से दूसरों की सेवा में रूची रखते हों तथा जिन्हें विधिक सेवा प्राधिकार पी0एल0वी के रूप में पहचाने जाने के लिए उपयुक्त समझें।

पारा विधिक स्वंय सेवक के कार्य:– पारा विधिक स्वंय सेवकों को अपने क्षेत्र में विधिक जागरूकता, विधिक सहायता के लिए पिड़ितों एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बीच सेतु का कार्य करना प्राधिकार के प्रबंध कार्यालय एवं विधिक सेवा का कार्य या अन्य कोई कार्य करना जो जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा निर्देशित किया जाए।

पदों की संख्या:– जिला विधिक सेवा प्राधिकार, खूँटी के द्वारा कुल 45 रिक्त पदो के विरूद्ध पारा विधिक स्वंय सेवक के चयन हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इस संबंध में अन्तिम निर्णय झारखण्ड विधिक सेवा प्राधिकार रॉंची का होगा (खूँटी जिला के अन्तर्गत पारा विधिक स्वंय सेवकों का चयन क्षेत्रिय आधार पर किया जाएगा)

आरक्षण:– क्योंकि पारा विधिक स्वंय सेवकों का स्वेच्छा से बिना किसी लाभ के कार्य करना है तथा यह कोई सरकारी पद नियुक्ति नहीं है। अतः पदों पर प्रतिनियुक्ति में कोई आरक्षण नहीं है। स्कीम के अनुसार सभी वर्गों (महिला, अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जन जाति, अति पिछड़ा वर्ग आदि) को पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया जाएगा।

उम्र सीमा:– न्युनतम 18 वर्ष।

शैक्षणिक योग्यता:– मैट्रिक अथवा समकक्ष।

मानदेय:–पी0एल0वी के कार्य पुर्णतः अस्थायी है एवं कोई वेतन नहीं है। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार एवं झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के दिशा– निर्देश के आलोक में वर्तमान में प्रत्येक कार्य दिवस हेतु 700–(सात सौ रूपया) प्रतिदिन का मानदेय निर्धारित है जो प्रत्येक कार्य दिवस हेतु होगा तथा यह मानदेय केवल उन विशेष दिनों के लिए देय होगा जिस दिन विधिक सेवा प्राधिकार उन्हें विशेष कार्य हेतु निर्देशित करती है या स्वंय सेवक अपने क्षेत्रा से किसी व्यक्ति को विधिक सहायता प्रदान करता है या अपने क्षेत्र में विधिक जागरूकता शिविरों के आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाता है।

पात्रता/योग्यता:– 1. आवेदक भारत का नागरिक हो 2.आवेदक खूँटी जिला का निवासी हो 3. शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ हो 4. अच्छा चरित्र का हो 5. समाज सेवा में रूचि रखता हो 6. किसी आपराधिक मामले का आरोपी/दोषी सिद्ध न हो।

आवेदक विहित प्रपत्र में आवेदन पूरी तरह भरकर तथा अपनी शैक्षनिक एवं अन्य योग्यताओं का प्रमाण पत्र लगाकर साथ ही स्वपता लिफाफा 42रू. का डाक टिकट चिपकाकर, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, व्यवहार न्यायालय, खूँटी के कार्यालय में पंजीकृत डाक से या हाथों–हाथ अन्तिम तिथि 18/09/2024 की संध्या 05:00 बजे अनराहन् तक जमा कर सकते हैं। अन्तिम तिथि के बाद आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा एवं अपूर्न/अधुरे आवेदन को अस्वीकृत कर दिया जाएगा। आवेदन भेजने का पता–सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, व्यवहार न्यायलय,खूँटी पिन न0–835210.

पारा विधिक स्वंय सेवकों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से चयन समिति द्वारा किया जाएगा एवं चयन के संबंध में अन्तिम निर्णय चयन समिति का होगा और सभी के लिए बाध्यकारी होगा।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, खूँटी
PR 335419 Law(24-25)D

70 लाख मौत के ...

हमारे नीति-नियंता प्रदूषण कम करने के लिये नागरिकों को जागरूक करने में भी विफल रहे हैं। हमारी सुख-सुविधा की ललक ने भी वायु प्रदूषण बढ़ाया है। कल्पना कीजिए बच्चों और दमा,एलर्जी व अन्य सांस के रोगों से जूझने वाले लोगों पर इस प्रदूषण का कितना घातक असर होगा? यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की हालिया रिपोर्ट फिक्र बढ़ाती है जिसमें कहा गया कि वायु प्रदूषण के चलते भारत में जीवन प्रत्याशा में गिरावट आ रही है। जिसमें फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले पी.एम. 2.5 कण की बड़ी भूमिका है। रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक मानकों से कहीं अधिक प्रदूषण भारत में लोगों की औसत आयु पांच साल कम कर रहा है। बहरहाल प्रदूषण के खिलाफ योजनाबद्ध ढंग से मुहिम छेड़ने की भी जरूरत है। अध्ययन कहता है कि देश की एक अरब से अधिक आबादी ऐसी जगहों पर रहती है जहां प्रदूषण डब्ल्यूएचओ के मानकों से कहीं अधिक है। भारत के सबसे कम प्रदूषित शहर भी डब्ल्यूएचओ के निर्धारित मानकों से सात गुना अधिक प्रदूषित हैं। कभी पेट्रोल-डीजल के नये मानक तय होते हैं तो कभी जीवाश्म ईंधन पर रोक लगती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वर्ष 2019 में प्रदूषण कम करने को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम देश के सौ से अधिक शहरों में शुरू किया था। चार साल बाद पता चला कि किसी भी शहर ने अपने लक्ष्य को पूरा नहीं किया। विकासशील देश पहले ही निर्धारित वायु गुणवत्ता के मानक पूरा नहीं कर पा रहे हैं, वहीं डब्ल्यूएचओ ने मानकों को और कठोर बना दिया है। सभी सरकारों व नागरिकों का दायित्व बनता है कि अपने-अपने स्तर पर प्रदूषण को कम करने वाली जीवन शैली अपनाएं। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि पूरी दुनिया में सत्तर लाख मौतें हर साल प्रदूषित वायु के चलते हो रही हैं।

सोना में रिकार्ड निवेश

कैंलेंडर ईयर 2024 के पहले 8 महीनों (जनवरी- अगस्त) के दौरान गोल्ड ईटीएफ में कुल 6,134.67 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। सोने की कीमतों में तेजी के रुख के बीच घरेलू स्तर पर गोल्ड ईटीएफ में अगस्त 2024 के दौरान निवेश 1,600 करोड़ रुपये के पार चला गया। किसी एक महीने में गोल्ड ईटीएफ में यह अब तक का सबसे ज्यादा निवेश है। गोल्ड ईटीए में इससे पहले सबसे ज्यादा निवेश फरवरी 2020 में देखने को मिला था। गोल्ड ईटीएफ में फरवरी 2020 के दौरान 1,483.33 करोड रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया था। अप्रैल को छोडकर इस साल के बाकी 7 महीनों के दौरान गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़ा है। इस साल गोल्ड ईटीएफ में अभी तक सिर्फ अप्रैल में निकासी दर्ज की गई।एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों के अनुसार देश के कुल 17 गोल्ड ईटीएफ में अगस्त 2024 के दौरान 1,611.38 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 57 फीसदी ज्यादा है। जुलाई 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में 1,337.35 करोड़ रुपये रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था। इस तरह से देखें तो कैलेंडर ईयर 2024 के पहले 8 महीनों (जनवरी- अगस्त) के दौरान गोल्ड ईटीएफ में कुल 6,134.67 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। जबकि कैलेंडर ईयर 2023 के पहले 8 महीनों के दौरान 1,481.61 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया था। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की कोई और सीरीज के आगे लॉन्च नहीं होने की संभावना, इंपोर्ट ड्यूटी में कटौती के बाद सोने की कीमतों में आई गिरावट और टैक्स नियमों में किए गए बदलाव के मद्देनजर लोग गोल्ड ईटीएफ में जमकर निवेश कर रहे हैं। जून 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में 726.16 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया था। यह देश के लिये सुखद संकेत हैं।

अतीत और वर्तमान, बाधाओं से जूझती रही हिंदी

-उमेश चतुर्वेदी

> राजभाषा की उसे पदवी तो मिली, लेकिन वह रस्मी ही साबित हुई। राजभाषा की भूमिका सरकारी दफ्तरों में सिर्फ हिंदी पखवाड़े या महीने में कार्यालयों में रस्मी निबंध, कहानी और कविता प्रतियोगिता आयोजित करने और किसी हिंदी विद्वान को बुलाकर उंघते और उबते कर्मचारियों के बीच भाषण कराने तक सीमित रह गई। हिंदी दिवस पाखंड बन कर रह गया।

हिंदी की जब भी चर्चा होती है, दो तरह के भाव आते हैं। इसे लेकर पहला भाव उत्साह और गर्वबोध वाला होता है। हिंदी के क्षितिज के लगातार हो रहे विस्तार और उसके गवीर्ले अतीत को लेकर हिंदीप्रेमी जहां उत्साह से भर उठते हैं, वहीं अंग्रेजी माध्यम से पढ़े गुलामी की मानसिकता वालों के चेहरे पर विद्रूप और व्यंग्यभरी मुस्कान चिपक जाती है। दक्षिण और पूर्वी भारत के कुछ इलाकों के राजनीतिक तो हिंदी से अछूत जैसा व्यवहार करने में स्वयं जहां गर्वबोध का अनुभव करते हैं, वहीं अपने समर्थकों को हिंदी को दुश्मन की तरह मानने के लिए उकसाने में भी पीछे नहीं रहते। इसके बावजूद हिंदी का प्रभाव क्षेत्र बढ़ता जा रहा है, विशेषकर आमजन की बोली-बानी के रूप में यह स्थापित होती जा रही है। इतने सारे विरोध के बावजूद और अड़ंगे के बावजूद हिंदी अगर बढ़ती नजर आ रही है तो मानना पड़ेगा कि उसमें कुछ बात जरूर है। हिंदी की राह में आजादी के पहले ज्यादा बाधाएं नहीं थीं। इसकी शायद यह बड़ी वजह रही कि भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के अगुआ महात्मा गांधी स्वयं हिंदी के हिमायती थे। उनके पहले केशव चंद्र सेन, लोकमान्य तिलक जैसी हस्तियां भी देश के हृदयों को नजदीक लाने में हिंदी की सामर्थ्य को पहचान चुके थे। इसीलिए गैर हिंदीभाषी होने के बावजूद उन्होंने स्वाधीनता आंदोलन की केंद्रीय भाषा हिंदी को बनाने की कोशिश की और भावी भारत की भाषायी जरूरतों के लिहाज से हिंदी को तैयार करने की कोशिश भी की। दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, कर्नाटक हिंदी प्रचार सभा, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति जैसी संस्थाओं की स्थापना का उद्देश्य हिंदी को भावी भारत की भाषायी जरूरत के लिहाज से ना सिर्फ तैयार करना था, बल्कि भारतीय भाषाओं के बीच मजबूत सेतु के रूप में स्थापित करना भी था। हिंदी इस दिशा में आगे बढ़ती रही। कांग्रेस के दस्तावेज भले ही अंग्रेजी बनते रहे, लेकिन बहसों और उसके वार्षिक अधिवेशनों की भाषा हिंदी ही रही। 1938 में कांग्रेस का अध्यक्ष चुने जाने के बाद हिंदी के इस प्रभाव को सुभाष चंद्र बोस ने भी समझा और बाकायदा हिंदी सीखी। कांग्रेस अध्यक्ष के नाते पार्टी के वार्षिक अधिवेशन को उन्होंने हिंदी में ही संबोधित किया था, जिसकी रिकॉर्डिंग आकाशवाणी के आर्काइब में आज भी सुरक्षित है। उनकी मीठी हिंदी एक तरह से मोहती है। उसे सुन लगता है कि स्वाधीनता संग्राम में हिंदी किस तरह सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही थी।

जिस हिंदी का ऐसा इतिहास रहा हो, जिसे विनोबा जैसे संघर्षशील और त्यागी-तपस्वी व्यक्ति ने अपनी भाषायी तपःसाधना का माध्यम बनाया हो, उसे स्वाधीनता के बाद तेजी से विस्तारित होना चाहिए था। वह विस्तारित तो हुई, लेकिन उस रूप में स्थापित नहीं हुई, जिस रूप में स्वाधीनता सेनानियों ने सोचा था। राजभाषा की उसे पदवी तो मिली, लेकिन वह रस्मी ही साबित हुई। राजभाषा की भूमिका सरकारी दफ्तरों में सिर्फ हिंदी पखवाड़े या महीने में कार्यालयों में रस्मी निबंध, कहानी और कविता प्रतियोगिता आयोजित करने और किसी हिंदी विद्वान को बुलाकर उंघते और उबते कर्मचारियों के बीच भाषण कराने तक सीमित रह गई। हिंदी दिवस पाखंड बन कर रह गया। अच्छी बात यह कह सकते हैं कि इस बहाने सरकारी कार्यालयों के कुछ कर्मचारियों को कुछ नगद रकम बतौर पारितोषिक मिल जाती है, और बाकी कर्मचारियों को मिठाई और नाश्ता आदि और फिर हिंदी की पूरे वर्षभर के लिए राजभाषा के रूप में इतिश्री हो जाती है।

राजभाषा के नाम पर इस रस्म को आयोजित होने की परंपरा को विकसित करने में संविधान सभा के उस विधान की बड़ी भूमिका रही, जिसके तहत हिंदी को संविधान लागू होने से पंद्रह वर्षों तक के लिए टाल दिया गया। कहा गया कि इतने दिनों में हिंदी राजकाज में स्थापित अंग्रेजी का स्थान लेने लायक हो जाएगी। हिंदी के खिलाफ षडयंत्र जारी रखा। इसके लिए उन्होंने अंग्रेजी को हिंदी की तुलना में ज्यादा गंभीर और प्रभावी रूप से स्थापित किया। इतना नहीं, इस बीच हिंदीतर दूसरी भारतीय भाषाओं के मन में हिंदी को लेकर लगातार जहर भरा जाता रहा। इसमें अंग्रेजी शिक्षा और उसके जरिए मिलने वाली सुख-सुविधाएं और बेहतर नौकरियों ने बड़ा योगदान दिया। अगर आजादी के तुरंत बाद हिंदी को लागू कर दिया जाता और हिंदी को विकसित करने के तर्क को परे सरका दिया गया होता तो आज हिंदी कुछ उसी तरह स्थापित होती, जैसे इंडोनेशिया और तुर्की में हुआ। इसे संयोग ही कहेंगे कि भारत से ठीक दो वर्ष पहले 17 अगस्त 1945 को इंडोनेशिया डच शासन से मुक्त हुआ था। तब तक इंडोनेशिया के राजकाज की भाषा डच होती थी। लेकिन आजादी मिलते ही इंडोनेशिया के शासक सुकर्णो ने तुरंत अपनी भाषा ह्यबहासा इंडोनेशियाह्ण को लागू कर दिया। कुछ इसी तरह 23 अक्टूबर 1923 को जब आधुनिक तुर्की गणराज्य की स्थापना हुई, तब वहां के स्वाधीनता सेनानी और शासक कमाल अतातुर्क ने तत्काल तुर्की भाषा को राजकाज की भाषा के रूप में लागू कर दिया। अगर भारत में भी कुछ हिंदी के साथ ऐसा ही हुआ होता तो निश्चित तौर पर इतिहास और परिदृश्य दोनों अलग होते।

स्वाधीन भारत से एक और गलती हुई है। वैसे इसे गलती मानें या जानबूझकर रचा गया हिंदीविरोधी षड्यंत्र कहें। स्वाधीन भारत की नौकरशाही की भाषा अंग्रेजी ही रही। या यूं कहें कि हिंदी या भारतीय भाषाओं की बजाय अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए ऐसी राह तैयार की गई कि वे ही नौकरशाही में आ सकें।

भारतीय भाषाओं को संघ लोकसेवा आयोग की परीक्षाओं का माध्यम बनाने के लिए आंदोलन चला तो उसके दबाव में भारतीय भाषाएं आयोग की परीक्षाओं का माध्यम बनीं तो लेकिन परीक्षाओं और चयन प्रक्रिया का ढांचा ऐसा बना रहा कि अंग्रेजी माध्यम के छात्र ही ज्यादा चुने जाते रहे। हिंदी या भारतीय भाषाओं के माध्यम से शिक्षित इक्का-दुक्का विद्यार्थी अगर नौकरशाही में प्रवेश पाने में सफल रहे भी तो उनकी स्थिति नक्कारखाने में तूती की आवाज जैसी रही।

खास बात

127 वर्ष पहले स्वामी जी ने कहा था

नागेन्द्र सिंह

मात्र पांच शब्द में भी कितनी ताकत हो सकती है, वो पूरी दुनिया ने 11 ,सितम्बर ,1893 को अमेरिका के शहर शिकागो में आयोजित विश्व धर्म महासभा में देखा था। जब स्वामी विवेकानंद स्वागत का उत्तर देने के लिए खड़े होते हैं और अमेरिकावासी बहनों तथा भाइयोंह्व से अपना वक्तव्य शुरू करते हैं और सामने बैठे विश्वभर से आये हुए लगभग 7 हजार लोग दो मिनट से ज्यादा समय तक तालियाँ बजाते रहते हैं। अगर स्वामीजी के शब्दों में बताऊँ तो दो मिनट तक ऐसी घोर करतल-ध्वनि हुई कि कान में अंगुली देते ही बनी। यह ताली उस संन्यासी के लिए बज रही थी, जो एक गुलाम देश से आया था।

जिसको एक दिन पहले तक अमेरिका में रहने, खाने और ठण्ड के दिनों में पर्याप्त कपड़े नहीं होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा था। इतना ही नहीं स्वामीजी को रंग भेद का भी सामना करना पड़ा था। कोई उन्हें ब्लैक कहता था तो कोई नीग्रो। यह सब कुछ सहने के बाद भी स्वामीजी के मुँह से घृणा का शब्द तो छोड़िये शिकायत का भी एक शब्द नहीं निकला था और उन्होंने हृदय से कहा मेरे अमेरिकावासी बहनों तथा भाइयों! और यह 19वीं शताब्दी की एक प्रमुख घटना बन गई। इस घटना ने भारत की ध्वनि को विश्वभर में गुंजायमान कर दिया। 17 दिनों (11 से 27 सितम्बर, 1893) तक चलने वाले विश्व धर्म महासभा में स्वामी विवेकानंद ने छह व्याख्यान दिए थे, जिसके माध्यम से उन्होंने भारतीय संस्कृति , सभ्यता और दर्शन को विश्व भर से आये हुए लोगो के सामने रखा था। भारत जो उस समय गुलाम था, जिसको सांप और सपेरों का देश कहा जाता था, उसके पास दुनिया को देने के लिए सन्देश भी है यह, विदेशियों को पहली बार पता चला। 127 वर्ष बाद भी क्यों प्रासंगिक है स्वामीजी का भाषण?: स्वामीजी का बोला हुआ हर शब्द, मात्र शब्द नहीं था वो उनकी साधना , तपस्या और संयम का निचोड़ था। वो उस भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे थे जिसको उन्होंने पिछले पांच वर्ष अधिकतर पैदल, घोड़ा, गाड़ी और रेल के माध्यम से जाना था।

तुलसीदास का ज्ञान

धर्म-प्रवाह

स्वामी सत्यांनदजी परमहंस

रामबोल चुनियां दाई के मरने के बाद मांग कर खाते और इधर-उधर धूमने लगे। इसी क्रम में उनकी मुलाकात प्रसिद्ध संत नरहरिदास से हो गयी। रामबोल संत नरहरिदास के संगत में रहने लगा। तुलसीदास के सीखने की प्रवृति एवं विलक्षण प्रतिभा को देखकर संत नरहरिदास वेद-वेदांग के अध्ययन के लिये रामबोल उर्फ तुलसीदास को लेकर काशी गये। वहां उनके मित्र शेष सनातनजी रहते थे। उन्होंने शेष सनातन जी को तुलसीदास की शिक्षा का दायित्व सौंपा। काशी में तुलसीदास सनातनजी के पास रहकर वेद-वेदांग का अध्ययन किये। तुलसीदास ने वाल्मीकि रामायण का सांगोपांग अध्ययन किये थे और काशी प्रवास के दौरान संकटमोचन मंदिर के चबूतरे पर बैठकर रामकथा सुनाते। भक्त भाव से कहे गये उनके कथा के कारण भारी भीड़ जुटती। एक यादव परिवार का युवक उनकी सेवा में रहने लगा। कथा में जो भी चढ़ावा आता उसे श्रोतागण में बांट दिया जाता। इसी क्रम में उस युवक ने एक दिन तुलसीदास से पूछा कि आज चढ़ावा में धन आया है आप अपने घर का पता बता दें वहां भिजवा देता हूं। तुलसीदास ने कहा कि मेरा कोई परिवार नहीं है। युवक ने जिद किया और कहा कि आप बतायें कि आपका घर कहां है। तब उन्होंने कहा कि मेरा घर बांदा जनपद में है। युवक ने कहा कि वहीं तो मेरा भी धर है। तब उन्होंने अपने गांव का नाम और पिता का नाम बताया। (ब्रम्ह विद्यालय आश्रम)

वंदे भारत की पहुँच अब हंसडीहा और नोनीहाट की सम्मानित जनता को होगी साथ ही हमारे रेलमंत्री जी के बात करने के बाद अब दुमका की जगह गोड्डा से वंदे भारत चलेगी, इसके साथ-साथ बाबा धाम से काशी के लिये तो वंदे भारत मिल ही रही है । प्रधानमंत्री जी का अभिनंदन, रेलमंत्री जी का आभार ।

– निशिकांत दूबे, सांसद

रोचक ट्वीट

भाजपा शासित राज्यों में कानून और संविधानकी धज्जियां वही उड़ा रहे हैं। सुल्तानपर में हुए मंगेश यादव के एनकाउंटर ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भाजपा रूल ऑफ ला पर विश्वास नहीं करती।

–राहुल गांधी, सांसद

झारखंड में कानून-व्यवस्था की स्थिति ऐसी है कि कोई सुरक्षित नहीं है। रेत, बालू से लेकर खनिज संपदा की लूट मची हुई है। हेमंत सोरेन सरकार ने पांच साल में एक भी वादा पूरा नहीं किया। **– शिवराज सिंह चौहान कृषि मंत्री**

कॉर्टून वर्ल्ड

तालिबानी हमले की याद...

साभार कॉर्टूनमूवमेंट डॉटकॉम

हिंदी सबकी भाषा, सबके लिये उपयोगी भाषा

डॉ उषा किरण

हर 14 सितंबर को देश में राष्ट्र भाषा को समर्पित हिंदी दिवस मनाया जाता है। संविधान सभा द्वारा सन 1949 में इसी दिन हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया था । इसी ऐतिहासिक सहमति की स्मृति को बनाए रखने के लिए देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने देशभर में 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया था । पहली बार 14 सितंबर, 1953 को हिंदी दिवस मनाया गया और उसके बाद से लगातार सरकारी स्तर पर हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है । हिंदी को मजबूती प्रदान करने तथा अधिक से अधिक लोगों तक इस भाषा को पहुंचाने में साहित्यकारों की विशिष्ट भूमिका रही है ।

देश की 70% से भी अधिक आबादी द्वारा बोली और समझी जाने वाली हिंदी भाषा और उसकी महत्ता को बताने वाली कविताओं की संख्या शहरों में नहीं बल्कि हजारों में हैं । भारतेंदु हरिश्चंद्र जैसे सिद्धहस्त साहित्यकारों ने तो हिंदी भाषा के बारे में लिखा ही है, साहित्यिक रुझान रखने वाले स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी अपने-अपने तरीके से हिंदी भाषा विषयक कविताएं रची हैं ।उनके द्वारा रचित पंक्तियां इस प्रकार है-

निज भाषा उन्नति अहै,
सब उन्नति को मूल
बिन निज भाषा ज्ञान के,
मिटत न हिय को सूल ।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने अपनी

साहित्य

भाषा पर गर्व करने की नसीहत देते हुए कहा है- **करो अपनी भाषा पर प्यार**
जिसके बिना मूक रहते तुम
रुकते सब व्यवहार भाषा बिना
व्यर्थ ही जाता ईश्वरीय भी ज्ञान, सब दानों से बहुत बड़ा है ईश्वर का यह दान,असंख्य है इसके उपकार कवि सुनील जोगी ने हिंदी के बारे में लिखा हैः- हिंदी निराला, प्रेमचंद की लेखनी का गान है,हिंदी में बच्चन,पंत, दिनकर का मधुर संगीत है,हिंदी भाषा शीर्षक कविता में कवि अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध कहते हैं- निज भाषा परम फलद की ममता तज कर
रह सकती है कौन जाति जीती धरती पर। देखी गई ना जाति-लता वह पुलकित किंचित,जो निज-भाषा प्रेम-सलिल से हुई न सिंचितकविवर गोपाल सिंह नेपाली ने हिंदी है भारत की बोली शीर्षक से एक लंबी कविता लिखी है जिसमें उन्होंने नैसर्गिक तरीके से हिंदी के विस्तार पर बल दिया है । कविता की कुछ पंक्तियां इस प्रकार हैः-

हिंदी है भारत की बोली
तो अपने आप पनपने दो

वरिष्ठ कवि डॉ कमलेश द्विवेदी ने हिंदी के सम्मान में गीत- श्रद्धा से नतमस्तक मेरा लिखा है, जिसमें वह कहते हैं-

हिंदी का सम्मान करें हम,
बोले कोई भी भाषा.
हिंदी बने राष्ट्रभाषा यह,
जन-गण-मन की अभिलाषा.

निश्चित रूप से हिंदी ही वह भाषा है जो देश को एक सूत्र में जोड़े रख सकने की काबिलियत रखती है। लेकिन आवश्यकता इस बात की है कि अन्य भारतीय भाषाओं को हिंदी की प्रतिद्वंद्वी न मानते हुए सहगामिनी माना जाए और उनकी कीमत पर हिंदी के विकास की वकालत न की जाए । त्रिभाषा फामूर्ला में उत्तर भारत के हिंदी भाषी लोग दक्षिण भारत के द्रविड़ परिवार की किसी भाषा को सीखना प्रारंभ करें ।

इससे भाषागत आधार पर जो विषमता दिखती है और दक्षिण भारत में जो हिंदी के थोपे जाने का आरोप लगता है। उस पर अंकुश लगेगा और हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं का विकास होगा ।

(लेखिका,सहायक प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, विमेंस कॉलेज रांची हैं।)

लेटर टू एडिटर

चीन की चालाकी

विभिन्न देशों, आर्थिक क्षेत्रों, कंपनियों और लोगों के बीच भी लाभ कमाने और नुकसान उठाने वालों के बीच का अंतर बढ़ता जा रहा है। इसके उदाहरणों की कमी नहीं है। विभिन्न देशों की बात करें तो चीन सन 2008 से ही विश्व स्तर पर जमकर खरीद कर रहा है। चीन पूरे विश्व पर काबिज होना चाहता है और उसने भारत को अपना शिकार बनाया है।

–श्री निवास, गढ़वा

खिलौने का खेल

भारत में तीन हजार करोड़ के खिलौना व्यापार में चीनी की भागीदारी लगभग 50 प्रतिशत है। वैसे भी गलवान घाटी में भारत के बीस सैनिको के शहीद होने के बाद चीनी सामान का बाहिष्कार चरम पर हैं। इधर प्रधानमंत्री ने घरेलू खिलौना उद्योग को बढ़ावा देने का आह्वान करके चीन को बड़ा झटका दिया है। अब भारत के युवाओं के लिये यह एक अवसर है कि वे आगे आये। **–सुमित सिन्हा, हजारीबाग**

आत्महत्या किसी समस्या का हल नहीं

-योगेश कुमार गोयल

समस्या

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से ह्यविश्व आत्महत्या रोकथाम दिवसह्ण मनाया जाता है। इस दिवस की शुरूआत ह्यइंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशनह्ण(आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जिसका यह संदेश है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में जन जागरुकता से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस का उद्देश्य आत्महत्या की मनोवृत्ति पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं। जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है।

प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2024 की थीम है ह्यआत्महत्या पर कहानी बदलना।ह्ण इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है।

दुनियाभर के साथ-साथ भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 में जारी रिपोर्ट में बताया था कि वर्ष 2022 में भारत में कुल 1 लाख 70924 लोगों ने आत्महत्या की जबकि 2021 में भारत में 164033 लोगों ने आत्महत्या की थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को करिअर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं।

जब कोई व्यक्ति ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकाएक अवसाद में चला जाता है। इसी अवसाद के कारण ऐसे कुछ लोग आत्महत्या कर लेते हैं, जिसका उनके परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण ही लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है। परिस्थितियों से लड़ने के बजाय हालात के समक्ष घुटने टेक स्वयं को मौत के हवाले कर देते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या के पीछे अधिकांशतः अवसाद को जिम्मेदार ठहराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण भी है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल या कठिन परिस्थितियों से बाहर नहीं निकल पाता। मनुष्य जीवन को संसार में सबसे अनमोल माना गया है क्योंकि हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। बहरहाल, यदि कभी जरूरत से ज्यादा तनाव अथवा किसी मानसिक बीमारी का अहसास हो तो तुरंत किसी मनोचिकित्सक से मिलकर अपनी परेशानियों के बारे में खुल कर बात करें।

एक नजर में

पूर्व विधायक जानकी यादव ने किया क्षेत्र का दौरा

टाटीझरिया । बरकट्ठा विधान सभा क्षेत्र के झरपो भराजो खैरा पंचायत और पूनाई पंचायत के टटगांव गांव में पूर्व विधायक सह झामुमो वरिष्ठ नेता जानकी प्रसाद यादव ने अपने समर्थकों संग आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर क्षेत्र के आम जनता से जनसंपर्क किया और क्षेत्र के जनता की समस्याओं में झरपो से गाड़ी सड़म तक की जर्जर सड़क ,जरगा झरपो में खराब सड़क और क्षतिग्रस्त पुलिया की निर्माण को लेकर रुबरु हुए । उन्होंने कहा कि आप सभी जनता मुझे आशीर्वाद दे ताकि मैं क्षेत्र की विकास की अधूरा कार्य को पूर्ण कर सके। मौके पर इब्राहिम अंसारी,जितेंद्र पासवान,हरी प्रसाद, धानेश्ववर पासवान,राजेश कुमार,अजीत कुमार, अशोक कुमार,संजय कुमार,रवि यादव,केदार गौरव,जमुना सिंह,रोहित माली,बिनोद माली,कमल महतो, संदीप पांडेय समेत अन्य कई लोग मौजूद थे।

बड़कागांव: पर्व में शराब नहीं पीने की अपील

बड़कागांव। करमा व विश्वकर्मा पूजा एंव ईदउल नबी पर्व को लेकर थाना परिसर में शांति समिति का बैठक की गई। जिसकी अध्यक्षता अंचलाधिकारी बालेश्वर राम व संचालन थाना प्रभारी कुंदन कांत बिमल ने किया। पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने कहा कि समाज को सुधारने के लिए पहले जनप्रतिनिधि एवं समाज के अगुवा साथी को सुधारना पड़ेगा। तभी जनता सुधर सकता है। थाना प्रभारी कुंदन कांत बिमल ने कहा सभी त्यौहार को अच्छा से मनाये शराब का सेवन न करें। शरारती तत्वों को पहचान कर प्रशासन को सूचित करें।कानून को अपने हाथ में ना लें। मौके पर उप प्रमुख वचनदेव कुमार, इंस्पेक्टर अनिल कुमार,एस आई बसंत प्रसाद,मुखिया बासुदेव यादव,पंसस कृष्णा राम, उपेंद्र कुमार प्रसाद,रंजीत चौबे तारीक हुसैन उर्फ बाबर, झमन प्रसाद ,विकास कुमार,राम लखन राम,टिंकू कुमार,मो जानिसार , मोहम्मद अफान सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

टाटीझरिया के आठों पंचायत में स्वच्छता अभियान

टाटीझरिया। प्रखंड क्षेत्र के झरपो भराजों खैरा डहरभंगा डूमर धरमपुर बेड़म टाटीझरिया आठों पंचायत में सरकार के निदेर्शानुसार 09 सितम्बर के आलोक में प्रखंड की बीडीओ रश्मि खुशबू मिंज ने आदेश दिया की 14 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वक्षता ही सेवा अभियान का आयोजन किया जाना है। जिसमे प्रखंड कर्मियो संग पंचायतवार प्रतिनियुक्त कर्मियों में नोडल पदाधिकारी ,जन सेवक कनीय अभियंता, पेयजल एवम स्वक्षता ,जल सहिया जेएसएलपीएस,आंगनबाड़ी सेविका,पंचायत के स्वयं सेवक,प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी ,समेत अन्य कई कर्मियो को कार्यक्रम में सफल बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाने को कहा है।

बरही आईटीआइ में नामांकन 17 तक होगा

बरही। गया रोड स्थित बरही प्राइवेट आईटीआई में सत्र 2024-2026 के लिए सीधा नामांकन की अंतिम तिथि 17 सितंबर निर्धारित की गई है। राष्ट्रीय व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीटी) के अंतर्गत संचालित इस संस्थान में ट्रेड इलेक्ट्रीशियन और फीटर की कुछ ही सीटें शेष हैं, जो भी अभ्यर्थी आईटीआई में प्रवेश लेना चाहते हैं, वे 17 सितंबर से पहले संस्थान पहुंचकर अपना नामांकन सुनिश्चित कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8541036661 या 9523993750 पर संपर्क किया जा सकता है। संस्थान के प्राचार्य चंदन यादव ने बताया कि भारत सरकार की स्किल इंडिया योजना के तहत आईटीआई का महत्व बढ़ गया है। रेलवे सहित अन्य प्रमुख क्षेत्रों में रोजगार के लिए आईटीआई डिप्लोमा अनिवार्य हो चुका है। इस कारण से, आईटीआई किए हुए उम्मीदवारों के पास रोजगार के अवसर अन्य की तुलना में अधिक हैं। सभी इच्छुक छात्रों से आग्रह है कि जल्द से जल्द नामांकन कराएं, क्योंकि सीटें सीमित हैं और अंतिम तिथि नजदीक है।

मंगुरा में अबुआ आवास का 404 आवेदन

इचाक। मंगुरा पंचायत में सोमवार को आपकी योजना,आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरूआत डीटीओ बैधनाथ कामती,बीडीओ संतोष कुमार एवं सीओ रामजी प्रसाद गुप्ता,मुखिया मीना देवी, प्रमुख प्रतिनिधि सिकंदर राम एवं समाजसेवी रामलखन मेहता ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में विभिन्न समस्याओं से संबंधित 488 लोगों ने आवेदन दिया जिसमे से 44 आवेदन का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। 51 बीमार लोगों का स्वास्थ्य जांच की गई। अबुआ आवास हेतु 404 आवेदन पड़े सभी आवेदनों को बीएफटी के द्वारा ऑनलाइन कर दिया गया । सर्वजन पेंशन के 72 ,एसएचजी बैंक लिंकेज 35 महिला समूह को आईडी कार्ड दिया गया.राशन कार्ड में त्रुटि सुधार 10 आवेदन को ऑन स्पॉट सुधार किया गया. मनरेगा जॉब कार्ड के 20 आवेदन पड़े, सावित्री बाई फुले के 20 एवं आधार सुद्धिकरण 13 लोगों ने आवेदन दिया। पशु पालन पदाधिकारी डॉ नकुल मोदी, एम ओ राजेश कुमार, जेएसएस बादल कुमार, बीएओ बिनोद कुमार रवि, झामुमो नेता दिगंबर मेहता,जनसेवक इंदुशेखर व अन्य उपस्थित थे।

बरही में आंगनबाड़ी सेविकाओं की ट्रेनिंग शुरू

बरही। बरही प्रखंड की 40 आंगनबाड़ी सेविकाओं को शाला पूर्व शिक्षा पर विशेष तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण जिला समाज कल्याण विभाग, समेकित बाल विकास परियोजना यूनिसेफ और विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में ब्लॉक कार्यालय में प्रारंभ हुआ। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सेविकाओं को शाला पूर्व शिक्षा के महत्व से अवगत कराना था, ताकि वे नन्हे कदम पाठ्यक्रम की गतिविधियों का सुचारू संचालन कर सकें। इसके माध्यम से बच्चों के विभिन्न क्षेत्रों में समयानुसार पूर्ण विकास को सुनिश्चित किया जा सके, जिसमें भाषिक, मानसिक, शारीरिक, रचनात्मक, सामाजिक और भावनात्मक विकास शामिल हैं। प्रशिक्षण के दौरान विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी के प्रशिक्षक राहुल, सुशीला, और विनिता ने सेविकाओं को छोटे-छोटे समूहों में शिक्षण अधिगम सामग्री का निर्माण करवाया। उन्होंने बच्चों के विकासात्मक क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन भी किया और सेविकाओं को डेमो के माध्यम से इनका व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

करमा महोत्सव में हर्ष अजमेरा ने बजाया मांदर

पहली बार कटकमसांडी के मिडिल स्कूल मैदान में भव्य करमा महोत्सव

खबर मन्त्र संवाददाता

कटकमसांडी। प्रखंड के ग्राम पंचायत कटकमसांडी मुख्यालय के मिडिल स्कूल मैदान स्थित आयोजित आदिवासी मूलवासी करमा महोत्सव के बैनर तले बुधवार को स्थानीय आदिवासी मूलवासी करमा महोत्सव का पहली बार कटकमसांडी के मिडिल स्कूल मैदान में भव्य करमा महोत्सव का आयोजन किया गया। समाजसेवी हर्ष अजमेरा आदिवासी मूलवासी सहित कटकमसांडी के अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए और इस महोत्सव के अगुवाई में पारंपरिक विधि- विधान से करमा महोत्सव के अखड़ा में पूजा- अर्चना करके और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के तस्वीर पर माल्यार्पण और पुष्पार्पण कर नमन करके करमा महोत्सव पूजा की शुरूआत कराया।

महोत्सव में समाजसेवी हर्ष अजमेरा सहित अन्य अतिथियों के यहां पहुंचने पर स्थानीय समिति के लोगों ने अनोखे अंदाज में पारंपरिक वाद्ययंत्र और वेशभूषा से लिप्त होकर पारंपरिक आदिवासी रीति- रिवाज से नृत्य- संगीत के जरिए अनोखे अंदाज में भव्य स्वागत किया । तत्पश्चात करमा महोत्सव स्थल पर मुख्य कलाकार के रूप में पहुंचे कटकमसंडी प्रखंड सहित आसपास के क्षेत्र से पहुंचे कई नृत्य टीम के साथ रंगारंग सांस्कृतिक झूमर नृत्य और ढोल नगाड़े सहनाई के धुन में उपस्थित लोगों को नाचने और झूमने को मजबूर कर दिया। नृत्य टीमों की मनोरम प्रस्तुति को देख हर्ष अजमेरा खुद को रोक नहीं सके और उनके बीच पहुंचकर भी झूम उठे और ढोल, नगाड़े और मांदर की गड़गड़ाहट के बीच अपने पैरों को खुद थिरकने का मौका दिया। हर्ष अजमेरा ने जमकर मांदर पर थाप लगाया और खुद झूमे । हर्ष अजमेरा ने कहा कि जल, जंगल और जमीन से जुड़ा आदिवासी समुदाय का अपना एक अलग पारंपरिक रीति-रिवाज है। आपकी संस्कृति ही आपकी पहचान है। खेती- बारी के कार्यों से निपटने के बाद मन को सुकून और शरीर का थकान दूर करने हेतु उल्लास और उमंग के साथ आदिवासी मूलवासी का कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि करमा पूजा भाई और बहन का अटूट रिश्ता का त्योहार है।

उन्होंने ने बताया कि आदिवासी मूलवासी अपनी पारंपरिक संस्कृति को जीवंत रखने का एक वृहत माध्यम है। हर्ष अजमेरा ने यह भी कहा कि आज हम अपनी संस्कृति को भुलाकर पाश्चात्य संस्कृति को तेजी से अपना रहे हैं। लेकिन हमारी संस्कृति हमारी विरासत है हमारी पहचान है इससे कभी भी दूर नहीं जाना चाहिए। करमा महोत्सव के आयोजन के माध्यम से नाच-गान के साथ अपनी एकता-अखंडता को बरकरार रखते हुए मनोरंजन करते थे। लेकिन धीरे-धीरे या परंपरा टूटने लगी है। विशेषकर युवा पीढ़ी पश्चात संस्कृति की ओर अधिक हावी हो रहा है। उन्होंने कहा की अपनी पहचान को मिटाकर हम कभी भी काबिल नहीं हो सकते हैं। ।

करमा महोत्सव का अध्यक्ष मंगल उरांव ने आदिवासी प्राचीन संस्कृति और जतरा मेला के इतिहास को विस्तार से रखा। पूर्व जिप सदस्य कुलदीप सिंह भोक्ता ने बताया की आदिवासी संस्कृति और सभ्यता झारखंड का धरोहर है और इसे अच्छुन्न रखने के लिए हम सभी कृतसंकल्पित हैं। युवा समाजसेवी वा पूर्व में जिला परिषद सदस्य विजय सिंह भोक्ता ने बताया किकरमा महोत्सव का आयोजन कटकमसांडी के धरती में कभी नहीं हुआ था जो इस बार आदिवासी और मूलवासी के सहयोग से इस तरह का भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मौके पर ि पूर्व जिला परिषद सदस्य कुलदीप सिंह भोक्ता,पूर्व जिला परिषद सदस्य विजय सिंह भोक्ता,प्लस 2 विद्यालय का अध्यापक विजय मसीह,कस्तूरबा विद्यालय की वार्डन खुशबू मैडम, कटकमसांडी की मुखिया शूर्ति पांडे,सचिव लखन सिंह भोक्ता,बिरसा उरांव,बलदेव सिंह भोक्ता,कृष्णा सिंह भोक्ता,नितेश सिंह,बबलू साव, सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थें। इस कार्यकर्म को सफल बनाने में कुलदीप सिंह भोक्ता,मंगल उरांव,बलदेव सिंह भोक्ता, झमण सिंह भोक्ता,कृष्ण सिंह भोक्ता,लखन सिंह भोक्ता,बिरसा उरांव, बिरेंद्र सिंह भोक्ता,अर्जुन मुंडा,अजय टोप्पो,सहित अन्य लोगों का सराहनीय भूमिका रहा।

गडलाही मोड़ पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाएं

खबर मन्त्र संवाददाता

▶▶ निर्माणाधीन सड़क से जा चुकी हैं दर्जनों की जाने, कंपनी के खिलाफ बरही वासियों में है आक्रोश

बरही। बरही का गडलाही मोड़ अब एक खूनी सड़क के रूप में जाना जा रहा है। इस क्षेत्र में हो रही लगातार सड़क दुर्घटनाओं के कारण स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश का माहौल व्याप्त है। दुर्घटनाओं की मुख्य वजह सड़क का निर्माणाधीन होना है।गडलाही मोड़ पर पिछले कुछ महीनों में कई सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें दर्जनों लोगों ने अपनी जान गंवाई है। निर्माणाधीन सड़कों की खराब स्थिति और वाहनों के असंतुलन के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।

बरही वासियों के अनुसार, सड़क निर्माण कंपनी द्वारा लापरवाही बरती जा रही है, जिसके कारण सड़क का निर्माण धीमी गति से हो रहा है और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए हैं। स्थानीय निवासी सिकंदर कुमार ने बताया, यह मोड़ बेहद खतरनाक हो चुका है। सड़क के निर्माण के दौरान यहां सही मार्गदर्शन नहीं दिया जा रहा, न ही वाहनों की आवाजाही के लिए कोई वैकल्पिक मार्ग तैयार किया गया है। हर दिन यहां दुर्घटनाएं होती हैं, और पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मौन है। कई लोगों का कहना है कि जब तक सड़क निर्माण कंपनी द्वारा इस मार्ग को सही तरीके से नहीं बनाया जाता, दुर्घटनाओं का सिलसिला जारी रहेगा। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से अपील की है कि इस स्थिति को तुरंत सुधारा जाए और निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए।दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए बरही के लोगों में गहरी नाराजगी है। उन्होंने सड़क निर्माण कंपनी राज केशरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की भी चेतावनी दी है। बरही के कई ग्रामीणों ने कहा, यह न केवल सड़क निर्माण की लापरवाही है, बल्कि प्रशासनिक उदासीनता का भी प्रमाण है। जब तक यहां की स्थिति सुधारी नहीं जाती, हम चुप नहीं बैठेंगे। जल्द ही हम आंदोलन करेंगे ताकि प्रशासन इस ओर ध्यान दे। बरही का गडलाही मोड़ कई गांवों को जोड़ता है और यह एक व्यस्त मार्ग है, जिस पर हर दिन हजारों वाहन गुजरते हैं। ऐसे में यहां हो रही दुर्घटनाओं ने लोगों की सुरक्षा पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। स्थानीय प्रशासन ने हालांकि इस समस्या के समाधान के लिए कुछ कदम उठाने का भरोसा दिया है, लेकिन बरहीवासियों का कहना है कि अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

झारखंड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, गुमला।

अल्पकालीन ई– निविदा आमंत्रण सूचना।

ई–निविदा संख्या:- 10/2024-25/RWD/W/EE/GUMLA दिनांक:–11-09-2024

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, गुमला द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या/ पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि अंक में (लाख)	प्राक्कलित राशि अक्षर में	कार्य समाप्ति की अवधि।	टेण्डर कॉल सं0
1	RWD/W/EE/ GUMLA/ 09/ 2024-25	सिसई बसिया आर0सी0डी0 पथ से करौन्दाजोर भाया लमकी तक पथ निर्माण कार्य । (लं0–5.00 कि0मी0)	489.836	चार करोड़ नवासी लाख तीरासी हजार छः सौ रू0 मात्र।	18 माह	प्रथम
2	RWD/W/EE/ GUMLA/ 10/ 2024-25	पहामु बाजार टांड से ठुठी तेतर आर0सी0डी0 पथ भाया बामपुर पानीलता तक पथ निर्माण कार्य। (लं0–2.700 कि0मी0)	305.763	तीन करोड़ पॉच लाख छिहत्तर हजार तीन सौ रू0 मात्र।	15 माह	प्रथम
3	RWD/W/EE/ GUMLA/ 11/ 2024-25	बजार टांड हेसागुटू से कोटारी आर0सी0डी0 पथ भाया कलुटोली तक पथ निर्माण कार्य। (लं0–2.500 कि0मी0)	293.647	दो करोड़ तीरानब्बे लाख चौसठ हजार सात सौ रू0 मात्र।	15 माह	प्रथम

2 वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि– 13.09.2024
3 ई– निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय:–20.09.2024 अपराहन 05.00 बजे तक।
4 निविदा खोलने की तिथि एवं समय:– 21.09.2024 अपराहन 05.05 बजे।
5 निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता:– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, गुमला, विकास भवन, गुमला के बगल में, पिन–835207
6 ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0–06524–465040।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग
कार्य प्रमण्डल, गुमला।

PR 335453 (Rural Work Department) 24-25 (D)

हहारों नदी में जल्द बनेगा उच्चस्तरीय पुल : अंबा प्रसाद

खबर मन्त्र संवाददाता

बड़कागांव। प्रखंड क्षेत्र के आंगो पंचायत के उरेज व पचंडा के बीच हहारों नदी में विधायक अंबा प्रसाद की अनुशंसा पर उच्च स्तरीय पुल बनेगा। इस संबंध में ग्रामीण कार्य विभाग ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल द्वारा प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हो गई है। विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना से पुल निर्माण में लगभग 5 करोड़ 37 लाख 74 हजार की लागत आएगी। उक्त पुल निर्माण होने से आंगो पंचायत समेत कई सुदूरवर्ती गांव के लोग लाभान्वित होंगे। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना अंतर्गत करोड़ों की लागत से होने वाले कई उच्च स्तरीय पुल निर्माण की स्वीकृति विभाग द्वारा प्राप्त हुई है। विधानसभा क्षेत्र के सभी प्रखंडों में पुल बन रहे हैं, कई पुलो का निर्माण शुरू हो गया है, आगामी दिनों में उरेज व पचंडा के बीच हहारों नदी में बनने वाली पुल का टेंडर प्रक्रिया निष्पादित होते ही पुल निर्माण शुरू होगा।

बरही आइटीआइ में नामांकन 17 तक

बरही। गया रोड स्थित बरही प्राइवेट आईटीआई में सत्र 2024-2026 के लिए सीधा नामांकन की अंतिम तिथि 17 सितंबर निर्धारित की गई है। राष्ट्रीय व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीटी) के अंतर्गत संचालित इस संस्थान में ट्रेड इलेक्ट्रीशियन और फीटर की कुछ ही सीटें शेष हैं, जो भी अभ्यर्थी आईटीआई में प्रवेश लेना चाहते हैं, वे 17 सितंबर से पहले संस्थान पहुंचकर अपना नामांकन सुनिश्चित कर सकते हैं। जानकारी के लिए 8541036661, 9523993750 पर संपर्क किया जा सकता है। प्राचार्य चंदन यादव ने बताया कि स्किल इंडिया योजना के तहत आईटीआई का महत्व बढ़ गया है।रेलवे सहित अन्य प्रमुख क्षेत्रों में रोजगार के लिए आईटीआई डिप्लोमा अनिवार्य है।

उपायुक्त का कार्यालय, हजारीबाग (परिवहन शाखा)

आम नीलामी सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हजारीबाग अन्तर्गत अंतिम रूप से निष्प्रयोजित रद्दीकृत परिसम्पतियों को "जहां है जिस स्थिति में है" के आधार पर बिक्री हेतु आम नीलामी (खुला निविदा) दिनांक 21.09.2024 को अपराह्न 01.00 बजे तक जिला परिवहन कार्यालय, हजारीबाग में आमंत्रित की जाती है। जिसमें निष्प्रयोजित रद्दीकृत परिसम्पतियॉं (लगभग 60 टन) जो राज्य पथ परिवहन निगम के परिसर, हजारीबाग में अवस्थित है। बिक्री की नियम एवं शर्तें निम्नवत हैं:–

1. वैसे निविदादाता ही निविदा में भाग लेंगे जिनका GST में निबंधन कर लिया गया है।
2. किसी भी निष्प्रयोजित रद्दीकृत परिसम्पतियों लिए उच्चतम निविदा को स्वीकार करने के लिए अधोहस्ताक्षरी बाध्य नहीं होंगे एवं उसे बिना कारण बताए नीलामी से उठा लेने या रद्द करने के लिए सक्षम होंगे।
3. आम नीलामी (खुला निविदा) दिनांक 23.09.2024 को अपराह्न 01.00 बजे तक समाहरणालय के सभागार, हजारीबाग में की जाएगी।
4. इच्छुक निविदादाता निविदा देने के पूर्व किसी भी दिन वर्णित स्थल (राज्य पथ परिवहन निगम के परिसर, हजारीबाग) पर पहुंच कर निष्प्रयोजित रद्दीकृत परिसम्पतियों का निरीक्षण कर सकते हैं।
5. निविदादाताओं द्वारा निविदा शर्तों के अनुसार अग्रधन के रूप में 50,000.00(पचास हजार) रूपये मात्र राशि का बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक जिला परिवहन पदाधिकारी, हजारीबाग/District Transport Officer, Hazaribag के पदनाम से जो कि बैंक ऑफ इंडिया, साकेतपुरी, हजारीबाग में भुगतेय हो के पक्ष में निविदा के पूर्व दिनांक 21.09.2024 को अपराह्न 01.00 बजे तक जिला परिवहन पदाधिकारी, हजारीबाग कार्यालय में GST निबंधन एवं आधार कार्ड की छायाप्रति के साथ जमा करना होगा।
6. सर्वोपरि बोली लगानेवाले व्यक्ति को नीलामी में क्रय मूल्य का 20% राशि तुरन्त जमा करना अनिवार्य होगा। अवशेष राशि जो बैंकर्स चेक अथवा बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से जमा करेंगे, जिसके संबंध में अलग से पत्र निर्गत कर सफल क्रेता को सूचना दी जाएगी।
7. सफल निविदादाता द्वारा यदि 20% राशि जमा नहीं किया जाता है तो वैसी स्थिति में अधोहस्ताक्षरी को अधिकार होगा कि अग्रधन की राशि को जप्त करते हुए द्वितीय सफल निविदादाता को राशि जमा करने हेतु आदेश निर्गत कर दिया जाएगा।
8. असफल निविदादाता को अग्रधन की राशि वापस कर दी जाएगी।
9. निविदा स्वीकृति प्राप्त होने के 10(दस) दिनों के अन्दर सफल निविदादाता को पूरी राशि एवं बिक्री कर या GST कर, अन्य कर सहित (वाणिज्य कर नियमानुसार) जमा करना होगा अन्यथा अग्रधन राशि एवं जमा 20% राशि को अधिग्रहित (Forfeit) कर लिया जाएगा।
10. निविदा प्रपत्र जिला परिवहन कार्यालय से कार्य दिवस में दिनांक 10.09.2024 से 21.09.2024 तक प्राप्त की जा सकती है, एवं दिनांक 21.09.2024 को 01.00 बजे अपराह्न तक निविदा प्रपत्र एवं अग्रधन राशि का बैंक ड्राफ्ट / बैंकर्स चैक प्राप्त की जाएगी।

जिला परिवहन पदाधिकारी, हजारीबाग
उपायुक्त, हजारीबाग

PR 335349 Transport(24-25)D

उपायुक्त ने उत्पाद सिपाही दौड़ प्रतियोगिता का किया निरीक्षण

हजारीबाग। झारखंड उत्पाद सिपाही दौड़ प्रतियोगिता का निरीक्षण करने उपायुक्त नैंसी सहाय बुधवार सुबह सात बजे हजारीबाग के पदमा पुलिस ट्रेनिंग सेंटर पहुंची। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने बताया कि 9 सितंबर से 13 सितंबर तक चलने वाले इस दौड़ में प्रतिभागियों के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने आज ट्रेनिंग सेंटर के मेडिकल कैंप,रात्रि में रुकने की व्यवस्था, मेडिकल कैंप में दवाइयां की उपलब्धता, शौचालय आदि का जायजा लिया।

सिमडेगा समाहरणालय, सिमडेगा (भू-अर्जन शाखा)

प्रपत्र VII

झारखण्ड सरकार, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग (भू-अर्जन निदेशालय) या उपायुक्त या समुचित सरकार

अधिघोषणा

(अधिनियम–30/2013 की धारा–19(1) के अधीन)

अधिघोषणा सं0 .... दिनांक ....

चूँकि झारखण्ड सरकार/उपायुक्त सिमडेगा को यह प्रतीत होता है कि **ग्राम – कामतरा, थाना नं0–59, थाना – सिमडेगा, अंचल –सिमडेगा, जिला – सिमडेगा** में भूमि, सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा **परियोजना – बीरु (एन0एच0 143 पर) तामड़ा सिकरियाटांड़ रामरेखा (कोचेडेगा–रामरेखाधाम पथ पर) चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण** हेतु अपेक्षित है। अतएव अधिघोषित किया जाता है कि **ग्राम – कामतरा, थाना नं0– 59, थाना – सिमडेगा, अंचल – सिमडेगा, जिला – सिमडेगा** में उपर्युक्त कथित योजना के लिए **कमोबेश 1.513 एकड़** यानि **0.61230 हेक्टेयर** मानक माप का रैयती भूखण्ड जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है –

क0 सं0	खाता सं0	सर्वे भूखण्ड सं0	स्वमित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल एकड़ में	हितबद्ध व्यक्ति का नाम	सीमा भूखण्ड संख्या उ0	द0	पू0	प0	वृक्ष किस्म	वृक्ष संख्या	संरचनाएँ प्रकार	प्लिंथ एरिया Sft.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1	2	423	जीरात गै0म0 मालिक	परती कदीम	0.258	जीरात गैरमजरुआ मालिक	418	422	424	420				
2	62	425	रैयती	परती कदीम	0.156	मो0 सहोदरी देवी पति मदु कोइरी वो हर्ष कोईरी पिता रघुनाथ कोइरी	423	426	428	424				
3	62	428	रैयती	टांड़ तीन	0.044	मो0 सहोदरी देवी पति मदु कोइरी वो हर्ष कोईरी पिता रघुनाथ कोइरी	429	427	427	425				
4	71	390	रैयती	मोटी आडी	0.003	अलोइसिया खाखा पति सिरिल खाखा	391	384	421	389				
5	71	421	रैयती	दोन तीन	0.061	अलोइसिया खाखा पति सिरिल खाखा	420	427	422	390				
6	71	422	रैयती	परती कदीम	0.05	अलोइसिया खाखा पति सिरिल खाखा	424	427	426	421				
7	72	384	रैयती	टांड़ तीन	0.179	झगडु साव पिता रुपन साव	386	427	390	427				
8	79	424		परती कदीम	0.06	गैरमजरुआ मालिक खास	423	422	425	423				
9	79	427		नदी	0.702	गैरमजरुआ मालिक खास	422	सीमाना	सीमाना	सीमाना				
		कुल			1.513									

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम संख्या – 30/2013 की धारा –15(1) में उपबंधित सम्यक जाँच के पश्चात किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या शून्य है।

कानूनगो, जिला भू–अर्जन सिमडेगा। | जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, सिमडेगा। | अपर समाहर्ता, सिमडेगा। | उपायुक्त, सिमडेगा।

PR 335355 Simdega (24-25)_D

बरही में भाजपा प्रत्याशी चुनने के लिए रायशुमारी

खबर मन्त्र संवाददाता

▶▶ संभावित उम्मीदवारों का नाम बक्से में हुआ बंद
▶▶ संगठन सर्वोपरि, टिकट किसे मिलेगा कार्यकर्ता तय करेंगे : किसुन दास
▶▶ चुनाव में भाजपा की होगी प्रचंड जीत : प्रीतम सिन्हा

बरही। विधानसभा चुनाव को लेकर बरही विधानसभा से भाजपा ने संभावित प्रत्याशियों के नाम को लेकर बुधवार को रायशुमारी कराई गई। प्रदेश भाजपा नेतृत्व द्वारा प्रभारी के रूप में सिमरिया विधायक किसुन दास व प्रदेश उपाध्यक्ष विकास प्रीतम सिन्हा की प्रतिनियुक्ति की गई थी। प्रभारी किशुन दास ने बताया कि सील बंद बक्से में हर सदस्य को तीन तीन नाम या एक नाम लिखकर बंद बक्से में डालना है। बंद बक्से को राँची स्थित पार्टी कार्यालय में जमा किया जाएगा। चौपारण, बरही, पदमा, चंदवारा मंडल के अध्यक्ष, मंडल कार्यसमिति, मंडल के पूर्व अध्यक्ष व महामंत्री, विधानसभा के क्षेत्र के दायरे में आने वाले जिला अध्यक्ष, जिला कमेटी, सभी मोर्चा के अध्यक्ष, कार्यसमिति सदस्यों का मंतव्य वोटिंग के माध्यम से उम्मीदवारी पर राय ली गई।

प्रभारी किसुन दास ने कहा कि भाजपा का अगला अध्यक्ष कौन होगा किसी को नही पता, झारखण्ड का सीएम कौन होगा किसी को नही पता। लेकिन कांग्रेस, जेएमएम, आरजेडी जैसे क्षेत्रीय पार्टियों में अध्यक्ष व सीएम चेहरा जन्म से तय होता है। भाजपा व्यक्तिगत पार्टी नही बल्कि भाजपा संगठन से चलता है। भाजपा अपना उम्मीदवार किसे बनाये, इसके लिए कार्यकताओं से राय ली जाती है। रायसुमारी सह प्रभारी प्रीतम सिन्हा ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रचंड बहुमत से चुनाव जीतने वाली है। इसके लिए भाजपा मजबूत उम्मीदवार देने के लिए रायसुमारी ले रही है।

श्राद्ध की वैज्ञानिकता और उसके अधिकारी

- डॉ. उषा किरण

श्राद्ध शब्द श्रद्धा+अण प्रत्यय के संयोग से निष्पन्न होता है जिसका तात्पर्य है- श्रद्धा पूर्वक किया गया कृत्य, क्योंकि श्राद्ध में श्रद्धा ही प्रयोजना है। श्रद्धया दीयते यस्मातत्तस्माच्छ्राद्धं निगद्यते इस व्युत्पत्तिपरक व्याख्यान से स्पष्ट है कि श्रद्धापूर्वक किसी वस्तु या द्रव्य का पितरों के निमित्त प्रदान करना श्राद्ध कहलाता है। यद्यपि ऋग्वेद में श्रद्धा शब्द अनेक बार प्रयुक्त हुआ है,

1 परन्तु श्राद्ध शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग कठोपनिषद् में हुआ है।

2 इसके पश्चात सूत्र-साहित्य में इसका प्रयोग पितृकर्म, यह पितृपूजा के लिए होने लगा। इसकी उत्पत्ति के विषय में आपस्तम्ब धर्मसूत्र में एक आख्यान मिलता है जिसके अनुसार प्राचीन काल में देव और मनुष्य इस संसार में एक साथ रहते थे। देवता तो स्वयं सम्पादित यज्ञ-फल की प्राप्ति के परिणामस्वरूप स्वर्ग में चले गये किन्तु मनुष्य पीछे रह गये। मनुष्यों में भी जिन्होंने देवों के समान यज्ञ किये थे, वे भी स्वर्ग में देवों के साथ रहने लगे। जब मनु ने यह देखा कि मेरे पुत्र मानव पीछे रह गये, तो उन्होंने मानव-मात्र के सुख के लिए कुछ अनुष्ठानों का आरम्भ किया, वे अनुष्ठान श्राद्ध कहलाये। इन अनुष्ठानो में पितर देवता होते हैं और श्राद्धभोजी ब्राह्मण आनीय अग्नि का प्रतिनिधित्व करते हैं।

3 सम्भवतः इस आख्यान के आधार पर यह माना जाने लगा कि इसमें ब्राह्मणों को भोजन कराना मुख्य कार्य है। इसके पश्चात पुराणों में इसी प्रकार की अन्य कथाएँ प्रचलित हो गयीं और मनु को श्राद्ध-देव माना गया।

4 महाभारत के शान्तिपर्व में तो ऐसा उल्लेख प्राप्त होता है कि विष्णु ही पिता, पितामह और प्रपितामह हैं और वही तीनों पिण्डों में विद्यमान रहते हैं।

5 इस आधार पर ऐसा कहा जाता है कि, वराहावतार के समय विष्णु ने श्राद्ध कर्म की स्थापना की थी।

6 इस प्रकार पुराणों में श्राद्ध कर्म का सम्बन्ध आदिमानव मनु एवं विष्णु से जोड़ा गया।

श्राद्ध अनेक दृष्टियों से अत्यधिक व्यावहारिक महत्त्व रखता है। पारस्कर के मत में जिस कृत्य में श्रद्धापूर्वक प्रदान किया जाता है, उसे श्राद्ध कहा जाता है।

7 गौतम धर्मसूत्र के अनुसार जो कार्य श्रद्धापूर्वक किया जाता है, उसे श्राद्ध कहते हैं।

8 मिताक्षरा के माध्यम से याज्ञवल्क्य के मतानुसार पितरों को अभिलक्ष्य करके (उनके कल्याणार्थ) श्रद्धापूर्वक किसी वस्तु या उनसे सम्बद्ध किसी द्रव्य का त्याग करना श्राद्ध कहलाता है।

9 पुराणों में इसे और अधिक स्पष्ट करते हुए यह प्रतिपादित किया गया कि उचित काल, पात्र एवं स्थान के अनुसार शास्त्रानुमोदित विधि द्वारा पितरों को लक्ष्य करके श्रद्धापूर्वक ब्राह्मणों की जो कुछ भी प्रदान किया जाता है, वह श्राद्ध कहा जाता है।

10 वस्तुतः याज्ञवल्क्यस्मृति तथा अग्निपुराण के अनुसार पितर लोग अर्थात वसु, रुद्र एवम् आदित्य, जो श्राद्ध के देवता माने जाते हैं, श्राद्ध से सन्तुष्ट होकर मनुष्यों के पूर्वजों (पूर्व पुरुषों) को सन्तुष्टि प्रदान करते हैं।11 मनु ने भी इसका अनुमोदन किया हैं। उनके अनुसार मनुष्यू के तीन पूर्वज - पिता, पितामह और प्रपितामह क्रमशः पितृ-देवों अर्थात झ्र वसुओं, रुद्रों एवम् आदित्यों के समान हैं और श्राद्ध करते प्रतिनिधि माना जाता है।

12 यहाँ यह ध्यातव्य है कि ऐश्वर्यवान होने के कारण एक आत्मा की विभिन्न विभूतियाँ ही देवता हैं13 तथा ये एक ही देव स्वयं को विविध रूपों में विभक्त कर एक ही समय में बहुत से यागों में उपस्थित होकर उन्हें स्वीकार करता है और अन्तधार्नादि क्रियाओं के कारण अन्य व्यक्तियों को दिखायी नहीं देते।

14 इसलिए यहाँ वसु आदि को पितरों का प्रतिनिधि स्वीकार करना समीचीन वसु प्रतीत होता है, क्योंकि मनुष्य-रूप पितरों का देहत्याग के पश्चात प्रत्यक्षतः संदेह उपस्थित होना असम्भव है; अतः उनके प्रतिनिभूत देवताओं की परिकल्पना की गयी है। वसु आदि देवता पिता आदि पितरों के प्रतिनिधि अथवा श्राद्ध के देवता क्यों माने गये, यह भी चिन्त्य है जिसका स्पष्टीकरण आगे किया जाएगा। इस प्रकार श्राद्ध में होम, पिण्डदान एवं ब्राह्मण तर्पण ये तीन कृत्य सम्पन्न किये जाते हैं और यही श्राद्ध कहलाता है।

15 इसमें तीनों पितर, जिन्हें पिण्ड दिया जाता है, क्रमशः वसु, रुद्र और आदित्य के रूप माने जाते हैं।

श्राद्ध का महत्त्व

अनेक धार्मिक ग्रन्थों में श्राद्ध का अत्यधिक महत्त्व प्रतिपादित है। बौधायन धर्मसूत्र के अनुसार पितरों के सम्बद्ध में अनुष्ठेय पितृकर्म या श्राद्धकर्म दीघार्यु प्रदान करने वाला, स्वर्ग देने वाला, प्रशंसनीय तथा समृद्धिदायक माना गया है।

16 याज्ञवल्क्य ने भी श्राद्ध को उपादेय माना है तथा उनका यह अभिमत है कि श्राद्ध से प्रसन्न होकर पितामह लोग या पितर मनुष्यों की आयु, सन्तान, धन, विद्या, स्वर्ण, मोक्ष सुख तथा राज्य भी प्रदान करते हैं।

17 मनु का इस विषय में यह मन्तव्य है कि पिता को पुम् नामक नरक से बचाने के लिए पुत्र या अन्य सपिण्ड द्वारा जो श्राद्ध किया जाता है, उससे उस दिन पितर श्राद्ध ग्रहण कर अपनी क्षुधा शान्त करते हैं।

18 ऐतरेय-ब्राह्मण भी पुत्र की महत्ता इसी लिए स्वीकार करता है।

19 पुराणों में भी श्राद्ध महत्ता अनेकत्र बतायी गयी है। मत्स्यपुराण के अनुसार मन्त्रपूर्वक दिया गया हव्यद्रव्य मन्त्र द्वारा यत्र-तत्र विद्यमान पितरों के पास उसी प्रकार पहुँचा दिया जाता है, जिस प्रकार गायों के झुण्ड में अबोध बछड़ा अपनी माँ को पहचान लेता है।

20 वायुपुराण में तो ऐसा प्रतिपादित है कि श्राद्ध के समय पितर आमन्त्रित ब्राह्मणों में प्रविष्ट हो जाते हैं और जब योग्य ब्राह्मण वस्त्र, अन्न, भक्ष्यपदार्थों एवं पेय पदार्थों से सम्पूजित होते हैं तो वे पितर प्रसन्न होकर शुभाशीः प्रदान करते हैं।

21 एवमेव परवर्ती ग्रन्थों में भी श्राद्ध की महिमा कही गयी है। श्राद्धप्रकाश के अनुसार पितृपूजा या श्राद्ध करने से मनुष्य (श्राद्धकर्ता) आयु, पुत्र, यश, स्वर्ग, कीर्ति, पुष्टि, बल, लक्ष्मी, पशु, और धन-धान्य प्राप्त करता है।

22 श्राद्ध-कर्म के इसी वैशिष्ट्य के कारण सम्भवतः मनु ने इस बात पर बल दिया है कि मनुष्य को अन्नादि से, जल से अथवा दूध से एवं मूल और फलों के द्वारा प्रीतिपूर्वक पितरों का श्राद्ध करना चाहिए।

23 यह श्राद्ध-कर्म पितरों के प्रति एक उदात्त भावना एवं प्रगाढ़ श्रद्धा का द्योतक है, अतः इस भावना के अनुकूल श्राद्धभोजी ब्राह्मण की उत्तम कोटि का होना चाहिए। एतदर्थ गौतमधर्मसूत्र का यह अभिमत है कि वेदज्ञ, सुशिक्षित, शुद्ध-वाणी वाले, रूपसम्पन्न, वयस्क, शीलवान ब्राह्मणों को ही भोजन करवाना चाहिए।

24 सम्भवतः इस मान्यता का कारण देवी-दृष्टि रही होगी, क्योंकि पितर देवतुल्य माने गये हैं, अतः उनके निमित्त भोज्यद्रव्य ग्रहण करने वाले आहवनीय अग्नि रूप ब्राह्मण

25 भी दैवी गुणों से युक्त होने चाहिए, अन्यथा देवं भूत्वा देवं यजेत इस ब्राह्मण-वचन की सार्थकता कैसे सिद्ध होगी और अनुष्ठान की सर्वा पूर्णता कैसे होगी? इसलिए अनुष्ठान की पूर्णता के लिए श्राद्ध-भोजी ब्राह्मण भी उत्तम गुणों से सम्पन्न होने चाहिएँ ।

श्रद्ध का फल -

कतिपय धर्मसूत्रों एवं स्मृति-ग्रन्थों में श्राद्ध से प्राप्त होने वाले फलों की भी चर्चा की गयी है। आपस्तम्ब धर्मसूत्र में तिथि के अनुसार श्राद्ध कर्म का फल बताया गया है। तदनुसार कृष्णपक्ष के प्रथम दिन (प्रतिपदा) श्राद्ध करने से श्राद्धकर्ता को प्रायः सन्तान रूप में पुत्रियाँ उत्पन्न होती हैं, दूसरे दिन श्राद्ध करने से पुत्र प्रायः चोर स्वभाव के होते हैं। तीसरे दिन करने वाले के पुत्र वेदाध्ययन के व्रत का पालन करने वाले, एवं ब्रह्मतेज से युक्त होते हैं, चौथे दिन श्राद्ध करने से वह छोटे पशुओं (भेड़-बकरी) से सम्पन्न होता है; पाँचने दिन करने से श्राद्धकर्ता के अनेक पुत्र पैदा होते हैं; छठे दिन करें तो श्राद्धकर्ता देशाटन करने वाला तथा जुआरी होता है; सातवें दिन करने से कृषि में वृद्धि होती है; आठवें दिन करने वाला सदैव स्वस्थः रहता हैं, नौवें दिन करने से एक खुर वाले पशुओं (घोड़ों) आदि की होती है; दसवें दिन करने से व्यापार में उन्नति होती है; ग्यारहवें दिन करने से लोहे और त्रपुस की सम्पत्ति में वृद्धि होती है, 12वें दिन श्राद्ध करने से श्राद्धकर्ता अनेक पशुओं का स्वामी होता है; 13वें दिन करने से अधिक पुत्र तथा मित्र प्राप्त होते हैं और श्राद्धकर्ता के पुत्र सुन्दर होते हैं कि युवावस्था में ही मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं; चौदहवें दिन श्राद्ध करने नाले को युद्ध में सफलता मिलती है और पन्द्रहवें दिन श्राद्ध करने वाले को सदैव समृद्धि एवम् उन्नति प्राप्त होती है।

26 बौधायन-धर्मसूत्र के अनुसार श्राद्ध कर्म से दीघार्यु, स्वर्ग, प्रशंसा तथा समृद्धि प्राप्त होत है और श्राद्ध?

कर्ता प्रजा उत्पन्न कर अपने पूर्वजों-पितरों की प्रसन्न कर ऋण मुक्ति तथा स्वर्ग प्राप्त करता है।27 वासिष्ठधर्मशास्त्रकार मत में गया जाकर पितरों के लिए अन्न-देने वाले या श्राद्ध करने वा व्यक्ति के पितर प्रसन्न होकर उसे धनवान एवं पुत्रयुक्त बना देते हैं। मनु के अनुसार समदिन (द्वितीया, चतुर्थी आदि) और भरणी, रोहिणी अथवा सम नक्षत्रों में श्राद्ध करने वाला सभी कामनाओं को प्राप्त करता है तथा विषम दिन एवं विषम नक्षत्रों में श्राद्ध करने से सभी पितर तृप्त होकर बहुत सन्तान देते हैं।29 इस विषय में मनु का यह भी अभिमत है कि शुक्ल पक्ष की अपेक्षा कृष्णपक्ष विशेष फल देने वाला होता है, उसी प्रकार पूर्वार्द्ध से अपराह्नकाल श्राद्ध का अधिक फल प्रदान करता है।30 क्योंकि पूर्वा में देवसम्बन्धी कृत्य किये जाते हैं तथा अपरा में पितृसम्बन्धी कार्य और एकोद्दिष्टय माध्याह्न में एवं वृद्धिश्राद्ध और आमश्राद्ध प्राप्तः सम्पादित किये जाते हैं।

31 याज्ञवल्क्य के मतानुसार जो व्यक्ति चतुर्दशी को छोड़कर प्रतिपदा आदि सभी तिथियों को श्राद्ध करता है, वह रूप-लक्षण-शीलवती कन्या, योग्य जामाता, पशु, सदाचारी पुत्र, जुये में विजय, उत्तम फसल, वाणिज्य में लाभ, दो खुर वाले गाय आदि पशु और एक खुर वाले अश्वादि पशु वेदाध्ययन में तेजस्वी पुत्र, सोना-चाँदी, ताँबा, सीसा और जाति में सदैव प्रतिष्ठावान व्यक्ति को प्राप्त करता है

32 तथा जो व्यक्ति कृत्तिका से प्रारम्भ करके भरणी पर्यन्त प्रत्येक नक्षत्र में श्रद्धापूर्वक श्राद्ध करता है, वह भी उपर्युक्त सभी फलों को प्राप्त करता है।

33 एवमेव पुराणों में भी श्राद्धकर्म से नाना फलों की प्राप्ति का उल्लेख मिलता है। विष्णुपुराण के अनुसार गंगा, शतद्रु, यमुना, विपाशा, सरस्वती और नैमिषारण स्थित गोमती आदि नदियों में या पुण्य तीर्थों पर स्नान करके पितृगणों का आदरपूर्वक तर्पण करने से मनुष्य समग्र पापों से मुक्त हो जाता है।

34 अग्निपुराण में भी ब्रह्मज्ञान, गया में किया गया श्राद्ध, गोशाला में मरण और कुरुक्षेत्र में निवास ये मनुष्यों की मुक्ति के चार साधन बताये गये हैं।

35 इसी पुराण में यह भी कहा गया कि अपने पितरों के उद्देश्य से तीर्थ-स्थानों पर पिण्डदान या श्राद्ध करना प्रत्येक सन्तान का कर्त्तव्य होता है तथा अक्षय्य लोक की इच्छा करने वाले व्यक्ति को स्वयं की मुक्ति हेतु भी उपर्युक्त तीर्थों पर श्राद्ध करना चाहिए।36 इसी प्रकार परवर्ती ग्रन्थ धर्मसिन्धु में भी यह व्यक्त किया गया है कि कुरुक्षेत्र, प्रभास, पुष्कर, प्रयाग, काशी और गंगा यमुना, नर्मदा आदि नदियों के तट पर, नैमिषारण गङ्गाद्वारा, गयाशीर्ष तथा अक्षय्यवट आदि स्थानों पर श्राद्ध करने का महान फल प्राप्त करता है।37 यम के अनुसार भी पितृपूजन से आयु, यश, स्वर्ग, कीर्ति, पुष्टि (समृद्धि), बल, श्री, पशु, सौख्य, धन-धान्य की प्राप्ति होती है।

38 स्मृतिचन्द्रिकाकार सुमन्तु के मत में तो श्राद्ध से बढ़क श्रेयस्कर कुछ है ही नहीं।39 इतना ही नहीं, वायु पुराण में तो यहाँ तक कहा गया है कि यदि कोई श्रद्धापूर्वक श्राद्ध करता है, तो वह ब्रह्म, इन्द्र, रुद्र एवं अन्य देवों, ऋषियों, पक्षियों, मानसों, पशुओं वाले जीवों एवं पितरों के समुदाय तथा उन सभी को जो जीव कहे जाते हैं तथा समग्र विश्व को प्रसन्न करता है।40 इस प्रकार प्रायः सभी धर्मग्रन्थों में श्राद्धकर्म के नाना फल एवं लाभ बताये गये हैं।

पितृयज्ञ की इसी महत्ता के कारण ही प्राचीन वैदिक ग्रन्थों से लेकर आधुनिक ग्रन्थों तक पितृपूजा पर बल दिया गया है। वैदिक ग्रन्थों में बहुत्र प्रतिपादित पितृयज्ञ ही परवर्ती काल श्राद्ध कर्म के रूप में प्रतिष्ठित हुआ। वस्तुतः वैदिक काल से ही यह धारणा बद्धमूल हो गयी थी कि श्राद्धकर्म (या पितृयज्ञ) से पितर प्रसन्न होकर सर्वसम्पन्नता का आशीर्वाद देते हैं; अतः प्रायः यहाँ विधान विहित है कि पितृयज्ञ (श्राद्धकर्म) सम्पादन से प्राप्त होने वाले सुखैश्वर्यो के लिए, पितरों की तृप्ति के लिए, उनके सम्मान लिए तथा उनसे मुक्त होने के लिए, प्रत्येक गृहस्थ को विधिवत पितृयज्ञ या श्राद्धकर्म अवश्य करना चाहिए।

(सहायक प्रोफेसर संस्कृत-विभाग राँची महिला महाविद्यालय रांची)

सड़क मार्ग से गयाधाम आने वाले तीर्थयात्रियों के सुविधा के लिए बड़ा व छोटे वाहन पार्किंग, आवासन स्थल साथ ही सभी वेदी स्थलों पर सारी व्यवस्था पूरी कर ली गई है।

पितृपक्ष मेला में आने वालें श्रद्धालुओं के लिए सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। 17 सितंबर से शुरू होने वाली विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन अंतिम रूप देने में जुटे हैं। सड़क मार्ग से गयाधाम आने वाले तीर्थयात्रियों के सुविधा के लिए बड़ा व छोटे वाहन पार्किंग, आवासन स्थल साथ ही सभी वेदी स्थलों पर सारी व्यवस्था पूरी कर ली गई है। इस संबंध में गया के डीएम डा. त्याग राजन एसएम ने बताया कि विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला 2024 के अवसर पर विभिन्न वेदी घाट स्थल, यात्री व पुलिस आवासन एवं पार्किंग क्षेत्र पर स्थाई शौचालय एवं स्नानाघर की मरम्मती, अस्थाई शौचालय व स्नानाघर, प्री-फेब्रीकेट शौचालय व स्नानाघर का अधिष्ठापन एवं पेयजल हेतु प्याऊ की मरम्मती, मोटर, टंकी एवं नल कनेक्शन का कार्य पूरा कर लिया गया है।

इन वेदियों पर समुचित व्यवस्था

वेदी घाट स्थल जैसे देवघाट वेदी स्थल पर पूर्व में अधिष्ठापित महिला झरना बाथरूम यूनिट (10 झरना) एवं पुरुष झरना बाथरूम यूनिट (10 झरना) की मरम्मती, प्री फेब्रीकेट क्लॉथ चैन्जिंग रूम 10 यूनिट अधिष्ठापित करना, वेदी घाट स्थल के नियंत्रण कक्ष पर 2 यूनिट ठंडा वाटर कूलर एवं फि ल्टर की व्यवस्थता, प्रांगण पर सभी 7 चापाकल की मरम्मती, कार्य करना शामिल था, जो 09 सितंबर को अंतिम रूप दे दिया गया है। वहीं शमशान घाट पर प्री-फेब्रीकेट स्नानाघर पुरुष 5 यूनिट व महिला 5 यूनिट अधिष्ठापित करना, बोरिंग में मोटर, 2 टंकी एवं 5 नल कनेक्शन, प्री-फेब्रीकेट क्लॉथ चैन्जिंग रूम 5 यूनिट अधिष्ठापित करना, 3 चापकाल की मरम्मती कार्य करना शामिल है। इसी प्रकार प्रेतशिला वेदी घाट स्थल मैदान पर स्थाई शौचालय पुरुष 4 यूनिट व महिला -5 यूनिट 3 यूनिट स्नानाघर मरम्मती कार्य करना, एक प्याऊ 9 नल कनेक्शन मरम्मती कार्य करना शामिल। इसके साथ ही प्रेतशिला वेदी, वेतरणी सरोवर, धर्मारण्य वेदी, सरस्वाति वेदी, मतांगवापी वेदी, ब्राहमवेदी व कागवाली वेदी, रामशीला वेदी, सूर्यकुण्ड तालाब और सिताकुंड वेदी समेत मेला क्षेत्रों में तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए सभी तैयारी पूरी कर ली है।

कर्म, पुनर्जन्म एवं कर्मविपाक के सिद्धांत में अटल विश्वास रखने वाले व्यक्ति का संशय

41 परन्तु यहाँ एक समस्या यह उठती है कि कर्म, पुनर्जन्म एवं कर्मविपाक के सिद्धांत में अटल विश्वास रखने वाले व्यक्ति इस बात से सहमत नहीं होते कि पिण्डदान करने से तीन पूर्व पुरुषों की आत्मा की संतुष्टि प्राप्त होती है। पुनर्जन्म सिद्धान्त के अनुसार तो आत्मा एक शरीर को त्याग कर दूसरे नवीन शरीर में प्रवेश करता है,42 परंतु तीन पूर्व पुरुषों को पिण्डदान के सिद्धान्त से तो यह ज्ञात होता है कि तीनों पूर्वजों की आत्मायें 50 या 100 वर्षों के उपरान्त भी वायु में सन्तरण करते हुए चावल के पिण्डों की सुगन्धित सारतत्त्व को वायव्य शरीर द्वारा ग्रहण करने में समर्थ होते हैं तथा याज्ञवल्क्य (1.269) मार्कण्डेयपुराण (29.38), मत्स्यपुराण (19. 11-12), अग्निपुराण (163.41-42) आदि के अनुसार पितामह लोग (पितर) श्राद्ध में दिये गये पिण्डों से स्वयं सन्तुष्ट होकर अपने वंशजों को जीवन सन्तति, सम्पत्ति, विद्या, स्वर्ग, मोक्ष, सभी सुख एवं राज्य भी देते है। स्वयं मत्स्यपुराण (19.2) में भी ऋषियों द्वारा यह प्रश्न करते हुए कि क्या श्राद्ध में आमन्त्रित ब्राह्मणों द्वारा खाया गया भोजन, या अग्नि में डाला गया द्रव्य उन मृतात्माओं द्वारा खाया जाता है ?, जो मृत्युपरान्त अच्छे या बुरे शरी धारण कर चुके हैं। परन्तु इसी पुराण के कुछ श्लोकों (19.3-9) में इसका परन्तु उत्तर भी दिया गया है कि पिता, पितामह और प्रपितामह वैदिक उक्तियों के अनुसार क्रमशः वसुओं, रुद्रों और आदित्यों के समान माने गये हैं। श्राद्ध के समय उच्चरित नाम, गोत्र, मन्त्र एवं श्रद्धा आहुतियों को पितरों के पास ले जाते हैं, यदि किसी के पिता (अच्छे कर्मों के कारण देवत्व को प्राप्त हो गये हैं तो श्राद्ध में दिया गया भोजन अमृत हो जाता है और देवत्व की स्थिति में उनका अनुसरण करता है, यदि वे दैत्य हो गये हैं, तो वह श्राद्ध उनके पास नाना प्रकार के आनन्दों के रूप में पहुँचता है, यदि वे पशु हो गये हैं, तो श्राद्ध भोजन उनके लिए ग्रास (घास) हो जाता है

और यदि वे सर्प योनि में हैं तो वह उनके लिए वायु बन कर उनकी सेवा करता है, आदि नाना योनियों में रहने वाले पितरों के पास उनके अनुकूल भोज्य के रूप में पहुंचने की बात कही गयी है। इसी प्रकार याज्ञवल्क्यस्मृति (1.265) की व्याख्या में विश्वरूप ने भी उपर्युक्त विरोध उपस्थापित कर?के स्वयं उसके परिहार हेतु अनेक उत्तर दिये हैं। उन समाधानों में उनका एक उत्तर यह कि यदि यह बात पूर्णरूपेण शास्त्र पर आधृत है और शास्त्र कहता कि पितरों को संतुष्टि मिलती है और श्राद्धकर्ता को मनोवाञ्छित फल-प्राप्ति भी होती है, तो कोई विरोध नहीं करना चाहिए। उनका यह मत शास्त्र के प्रति अतिशय आदरभाव से प्रभावित प्रतीत होता है। उनका दूसरा मत यह है कि बसु, रुद्र आदि देवता सभी स्थानों में अपनी पहुँच रखते हैं; अतः पितर लोग जहाँ भी हों, वे उन्हें करने की शक्ति रखते हैं।43 उनका यह मत वैदिक देववाद संपोषित एवं पुष्ट प्रतीत होता है, जो तर्कसंगत एवं समीचीन

एवमेव नन्दपण्डित कृत श्राद्धकल्पलता (लगभग ईशवी का ग्रन्थ) में भी श्राद्धविरोधियों को संतुष्ट करने हेतु विस्तृत प्रत्युत्तर दिये गए हैं। उनका यह मत है कि श्राद्ध अनुपयोगी नही है, क्योंकि विज्ञ लोगों द्वारा यथाशक्ति श्राद्ध अवश्य करना चाहिए । ऐसे वचन एकतः उसकी अनिवार्यता घोषित करते हैं, अपरत के सम्पादन को अपरिहार्यता के लिए व्यवस्थित विधान हैं तथा कर्म के दीर्घ जीवन आदि फल भी घोषित किये गये हैं44 तथा श्राद्ध को प्राप्त करने वाले पूर्वज मात्र व्यक्ति विशेष या नाम विशेष नहीं हैं, जो पिता, एवं प्रपितामह शब्दों से कहे जाते हैं, प्रत्युत ने वस्तुओं, रुद्रों एवं आदित्यों जैसे अधिष्ठात्री देवों से द्योतित होते हैं। जिस प्रकार व्यक्ति के नाम उनके शरीर के साथ-साथ व्यक्तिगत विशिष्टीकृत ओं के भी परिचायक होते हैं उसी प्रकार पितृ आदि शब्द अधिकतर देवों झ्र (वसू, रुद्र आदित्य) के साथ-साथ उन-उन नामों वाले सम्मिलित रूप का द्योतन भी करते हैं; अतः वसु आदि देवता पुत्रों द्वारा भोजन-पान से संतुष्ट होकर उन्हें अर्थात पितरों को सन्तुष्ट करते हैं और श्राद्धकर्त्ता को पुत्र, सन्तति, जीवन, सम्पत्ति आदि फल देते हैं। नन्द-पाडित ने यहाँ एक दृष्टान्त भी दिया है कि जिस प्रकार गर्भवती माता दोहद उत्पन्न होने पर अन्य लोगों से मधुर अन्न आदि द्वारा स्वयं सन्तुष्ट होती है और गर्भास्थित शिशु को भी देती है तथा दोहद, अन्नादि देने वालों को प्रत्युपकारक फल देती है।

उसी प्रकार पितृ शब्द से द्योतित पिता, पितामह एवं प्रपिता वसुओं, रुद्रों एवं आदित्यों के रूप में हैं, वे केवल मानव रूप में कहे जाने वाले व्यक्ति आदि नहीं है। इसी से वे देवता श्राद्ध में दिये गये दानादि के प्राप्तकर्ता होते हैं, श्राद्ध से सन्तु होते हैं और मनुष्यों के पितरों को सन्तुष्ट करते हैं (श्राद्धकल्पलता, पृ० 3-4) ।

स्पीड न्यूज

खेलो झारखंड जिला स्तरीय प्रतियोगिता संपन्न

जमशेदपुर। झारखंड शिक्षा परियोजना पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर की मेजबानी में जिला स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता-2024 का सफल आयोजन हुआ। तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण खेलों का आयोजन शहर के विभिन्न क्रीडा स्थानों पर आयोजित हुए। जिसमें जमशेदपुर स्थित टीन प्लेट स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में प्रतियोगिता के दूसरे दिन आज फुटबॉल प्रतियोगिता के अंतर्गत अंडर -14 और अंडर-19 आयु वर्ग के बालकों की श्रेणी में जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के मैच खेले गए जिसमें पूर्वी सिंहभूम जिला के सभी 11 प्रखंडों के टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन के मैचों का विधिवत शुभारंभ पूर्वाहन 9:30 बजे से हुआ और पुरस्कार वितरण के साथ ही समापन संध्या 5 बजे हुआ। इस प्रतियोगिता में 300 से अधिक प्रतिभागी छात्रों ने भाग लिया। मैचों का सफल संचालन जे एस ए के कुशल निर्णायकों के द्वारा संपन्न हुआ।

रेडक्रॉस का नेत्र शिविर 14 से लगेगा

जमशेदपुर। भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम, राम मनोहर लोहिया नेत्रालय द्वारा द्रोपदी देवी चिमनलाल भालोटिया फैमिली ट्रस्ट, राजस्थान सेवा सदन तथा जिला ग्रामीण स्वास्थ्य समिति के सहयोग से 737वां नेत्र शिविर 14 से 16 सितम्बर तक आयोजित किया जायेगा। 14 सितम्बर को नेत्र रोगियों के आंखों की जांच, नेत्र चिकित्सकों एवं उनके सहयोगी चिकित्सीय टीम द्वारा की जायेगी एवं मोतियाबिन्द ग्रस्त नेत्र रोगियों के चयन के साथ आंखों की अन्य बीमारियों से प्रभावित नेत्र रोगियों को जरूरत के अनुसार दवा व परामर्श प्रदान कर विदा किया जायेगा, 15 सितम्बर को चयनित नेत्र रोगियों का ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण बागबेड़ा थाना चौक स्थित राम मनोहर लोहिया नेत्रालय में किया जायेगा। 16 सितम्बर को ऑपरेशन कराये नेत्र रोगियों के आंखों की पटटी खोलकर अंतिम जांच के बाद दवा व चश्मा प्रदान कर विदा किया जायेगा।

टाटा स्टील के तीन कर्मचारियों ने किया एसडीपी दान

जमशेदपुर। भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम से जुड़े कार्यकर्ता मानवता की सेवा के लक्ष्य के साथ कार्य करते हैं, इस अभियान में इन दिनों सबसे बड़ी भूमिका निभा रहे हैं एसडीपी डोनर्स, जो किसी परिवार के लिए अमृत कलश बनकर सामने आ रहे हैं, लगातार एसडीपी की जरूरत को पूरा करने के लिए हालिया दो दिन में टाटा स्टील सेक्युरिटी विभाग के सौमेन्द्र बस्तिया, टाटा स्टील कर्मी राजु कुमार, टाटा स्टील सुरक्षा विभाग के ही अमित कुमार ने एसडीपी दान किया। इन रक्तदाताओं को जमशेदपुर ब्लड सेन्टर के प्रशासक सह महाप्रबंधक संजय चौधरी, रेड क्रॉस के एसडीपी डोनेशन प्रभारी प्रभुनाथ सिंह ने सम्मानित किया।

जमशेदपुर पूर्व में रघुवर दास सबसे डिमांडिंग कैंडिडेट, तो पश्चिम में जटाशंकर समेत आधे दर्जन नेताओं पर दांव

- भाजपा की चारों सीटों पर भावी उम्मीदवारों को लेकर हुई रायशुमारी
- उत्साहित कार्यकर्ताओं ने दिये पसंदीदा तीन नाम
- प्रत्येक विधानसभा में प्रदेश से शामिल हुए दो-दो पर्यवेक्षक

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। झारखंड में विधानसभा चुनाव से पूर्व भाजपा ने अपने प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया तेज कर दी है। बुधवार को जमशेदपुर महानगर के अंतर्गत चारों विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा ने प्रत्याशी के चयन प्रक्रिया की शुरुआत की। इसके तहत जमशेदपुर पूर्वी, जमशेदपुर पश्चिमी, पोटका और जुगसलाई विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से रायशुमारी की गई। रायशुमारी बैठक जमशेदपुर पुर्वी विधानसभा में बर्मामाइंस के देवस्थान शिव मंदिर, जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा में बड़ा हनुमान मंदिर परिसर, मानगो, पोटका विधानसभा में कल्याण मंडप, सुंदरनगर एवं जुगसलाई विधानसभा में एनएच 33 स्थित डॉल्फिन क्लब एंड रिसोर्ट में सम्पन्न हुई। प्रत्येक विधानसभा में पर्यवेक्षक के रूप में दो-दो नेतागण शामिल हुए। जिसमें पुर्वी विधानसभा में सीपी सिंह, शंकुतला जायसवाल, पश्चिम विधानसभा में अनवर हयात, मनोज महतो, पोटका विधानसभा में संदीप वर्मा, सूर्य प्रभात एवं जुगसलाई विधानसभा में प्रतुल शाहदेव, आरती कुजूर शामिल हुए। इस प्रक्रिया में कार्यकर्ताओं से पसंदीदा तीन संभावित उम्मीदवारों के नाम सुझाव के रूप में मांगा गया था, जो पार्टी के लिए विधानसभा चुनावों में प्रत्याशी बनाये जा सकते हैं। इस रायशुमारी के लिए झारखंड प्रदेश भाजपा की ओर से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में दो-दो पर्यवेक्षकों को भेजा गया था, ताकि प्रक्रिया पूरी तरह से निष्पक्ष और पारदर्शी हो। सभी विधानसभा में रायशुमारी की प्रक्रिया दोपहर 2 बजे से शुरू की गई, जहां कार्यकर्ताओं को विस्तार से समझाया गया कि कैसे वे रायशुमारी प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। रायशुमारी के दौरान सभी कार्यकर्ताओं को एक कागज पर तीन नाम लिखने का निर्देश दिया गया, जिसे प्रदेश से भेजे गए सीलबंद कलशनुमा बॉक्स में डालना था। यह कलश पूरी तरह सीलबंद था ताकि कोई भी बाहरी हस्तक्षेप या गड़बड़ी न हो सके। इस प्रक्रिया के बाद सभी बॉक्स प्रदेश भाजपा कार्यालय भेजे जाएंगे, जहां आगे की समीक्षा और उम्मीदवार पर निर्णय लिया जाएगा। वहीं, पूरे प्रकिया में किसी भी तरह की नारेबाजी पूर्ण रूप से प्रतिबंधित थी। प्रत्येक विधानसभा में मंडलवार कार्यकताओं ने इस प्रकिया में भाग लिया।

जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुए पूर्व मंत्री एवं रांची के विधायक सी पी सिंह ने भाजपा कार्यकताओं की भागीदारी और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा एक लोकतांत्रिक पार्टी है, जो कार्यकर्ताओं के सम्मान और सहभागिता पर आधारित है। भाजपा में लोकतांत्रिक मूल्य इतनी गहराई से जुड़े हुए हैं कि एक साधारण कार्यकर्ता भी प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों तक पहुंच सकता है। इसलिए भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी कहलाती है।

बर्मामाइंस में जमशेदपुर पूर्व की रायशुमारी कार्यक्रम को संबोधित करते पर्यवेक्षक सीपी सिंह।

जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र : जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा सीट से कई उम्मीदवारों में भाजपा ने प्रदेश कार्य समिति के सदस्य डॉ जटाशंकर पांडेय, पूर्व डीआईजी राजीव रंजन सिंह, नीरज सिंह, विकास सिंह, अभय सिंह, अजय श्रीवास्तव, पूर्व कमिश्नर विजय सिंह, देवेंद्र सिंह, विनोद सिंह आदि मंडल स्तर से दिये हैं।

जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र : जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा सीट से पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास अलावा पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले, पूर्व क्रिकेटर सौरभ तिवारी, भाजपा नेता शिव शंकर सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश सिंह आदि के नाम मंडल स्तर से दिये गये हैं।

पोटका विधानसभा क्षेत्र : पोटका विधानसभा सीट पर पूर्व विधायक मेनका सरदार के अलावा गणेश सरदार, उपेंद्रनाथ सरदार, देवी मुखिया, हरिराम सरदार, मनोज सरदार, होपना मोहाली, कुसुम पूर्ति आदि उम्मीदवारी की दौड़ में हैं।

जुगसलाई, घाटशिला व बहरागोड़ा विधानसभा क्षेत्र : जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के लिए टिकट की कतार में मुंशी राम बाउरी, घाटशिला से भाजपा से टिकट की दावेदारी में लखन मार्डी के अलावा चंपई सोरेन के बेटे बाबूलाल सोरेन, पूर्व विधायक वास्ता सोरेन की बहू सुनीता देवदूत सोरेन, जिला परिषद सदस्य सुभाष सिंह, देवयानी मुर्मू, गीता मुर्मू आदि दावेदारी कर रहे हैं। बहरागोड़ा से भाजपा की तरफ से दिनेशानंद गोस्वामी आदि दावेदार हैं।

जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा की रायशुमारी में उलीडीह मंडल ने जताया विरोध : जमशेदपुर। भारतीय जनता पार्टी के सभी विधानसभाओं में रायशुमारी की गई इसी निमित जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा के रायशुमारी बैठक बड़ा हनुमान मंदिर में आयोजित की गई। इस रायशुमारी में उलीडीह मंडल के पूर्व अध्यक्ष ने उलीडीह मंडल के वर्तमान टीम को गलत ठहराते हुए कहा की रायशुमारी के पूर्व उलीडीह मंडल की बैठक पिछले दिनों मंडल के प्रभारी राजन सिंह की उपस्तिथि में प्रदेश एवम जिला नेतृत्व के निर्देश की आदेश की अवहेलना करते हुए उलीडीह मंडल की टीम में नए लोगो को फेरबदल किया गया इतना ही नहीं बैठक की अध्यक्षता फर्जी महामंत्री बनकर सुश्री संध्या नंदी किया, जब की बैठक में मंडल के मात्र 18 में 4 पदाधिकारी, 7 मोर्चा अध्यक्ष में से 2 अध्यक्ष और 49 बूथ अध्यक्ष में 12 बूथ अध्यक्ष उपस्थित थे। इसी सूची के आधार पर रायशुमारी कराई जा रही थी।

सफलतापूर्वक संपन्न हुई रायशुमारी प्रक्रिया : सुधांशु ओझा- वहीं, भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने बताया कि जमशेदपुर महानगर अंतर्गत चारों विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्याशी चयन हेतु रायशुमारी की प्रक्रिया सफलतापूर्वक और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया के लिए पार्टी द्वारा सभी तैयारियां समय पर पूरी कर ली गई थीं। रायशुमारी में भाग लेने वाले सभी अपेक्षित कार्यकर्ताओं को समय रहते सूचित किया गया था, ताकि वे इस प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया पार्टी के लोकतांत्रिक ढांचे को और मजबूत करती है, जिसमें कार्यकताओं की राय को प्राथमिकता दी जाती है।

पीएम मोदी का आगमन 15 को एसपीजी ने संभाली व्यवस्था

गोपाल मैदान में पीएम के कार्यक्रम की तैयारी का जायजा लेते पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा।

- पूर्व मंत्री अर्जुन मुंडा ने लिया गोपाल मैदान में तैयारी का जायजा

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के 15 सितंबर के जमशेदपुर दौरे को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। नरेंद्र मोदी यहां टाटानगर स्टेशन पर टाटा-पटना समेत 11 रेलवे रुट पर बंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखायेंगे जबकि कई अन्य विकास योजनाओं की घोषणा करेंगे। इसके बाद पीएम बिष्टुपुर वोल्टास बिल्डिंग से गोपाल मैदान तक रोड शो करेंगे और मैदान में जनसभा कर वापस नयी दिल्ली लौट जायेंगे। टाटानगर स्टेशन पर करीब डेढ़ घंटे का कार्यक्रम है, यानी सबसे ज्यादा समय पीएम यहीं देंगे। इसे देखते हुए एसपीजी ने आज जिला पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल के साथ सुरक्षा को अपने हाथ में ले लिया। कोल्हान के आयुक्त श्री हरि केशरी और डीआइजी मनोज रतन चौथे ने भी स्टेशन की सुरक्षा का जायजा आइजी अखिलेश झा और गृह सचिव अमिताभ कौशल के साथ लिया। गोपाल मैदान में प्रधानमंत्री एक जनसभा को संबोधित करने वाले हैं। गोपाल मैदान में तैयारी का जायजा आज पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने लिया। उनके साथ सांसद बिद्युतबरण महतो, सीनियर एसपी किशोर कौशल, सिटी एसपी ऋषभ गर्ग, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा दिनेशानंद गोस्वामी, नंदजी प्रसाद, कृष्णा शर्मा काली भी थे।

एक नजर में

टाटा स्टील को यूके सरकार से मिला 500 मिलियन पाउंड की ग्रांट फंडिंग

जमशेदपुर। टाटा स्टील ने घोषणा की है कि उसने वेल्स के पोर्ट टालबोट स्टीलवर्क्स में अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस स्थापित करने के प्रोजेक्ट को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए यूके सरकार के साथ £500 मिलियन के ग्रांट फंडिंग एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए है। यूके के स्टील उद्योग में दशकों में सबसे बड़ा निवेश होने के कारण, यह 1.25 बिलियन पाउंड का प्रोजेक्ट यूके की स्टील संप्रभुता की रक्षा करेगा, पोर्ट टालबोट में स्टील मेकिंग को सुरक्षित बनाएगा और 5,000 नौकरियों को संरक्षित करेगा। नये संसाधन यूके के कुल औद्योगिक कार्बन उत्सर्जन को 8 प्रतिशत (और पोर्ट टालबोट के 90 प्रतिशत) तक कम करेंगे, जबकि यूके के स्क्रैप का उपयोग करते हुए सकुर्लैरिटी में एक नया मानदंड स्थापित करेंगे। प्लांट के लिए बेसिक इंजीनियरिंग अब पूरी हो चुकी है, और जल्द ही इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस और लेडल मेटलर्जी फर्नेस, हॉट स्ट्रिप मिल के लिए एक नया कॉइल बॉक्स और क्रॉप शियर, क्रेन पैकेज, और कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट और सिविल इंजीनियरिंग के लिए उपकरणों के ऑर्डर दिये जायेंगे। टाटा स्टील के सीइओ एंड एमडी टीवी नरेंद्रन ने कहा कि यूके सरकार के अत्यंत महत्वपूर्ण समर्थन के साथ, पोर्ट टालबॉट का यह जटिल और महत्वाकांक्षी रूपांतरण इस संयंत्र को यूरोप के अग्रणी ग्रीन स्टील मेकिंग सेंटर में बदल सकता है। इस समझौते को सफल बनाने में यूके स्टील कमेटी और यूके तथा वेल्स की विभिन्न सरकारों के विभागों का हम दिल से धन्यवाद करते हैं। अब हम ईएएफ परियोजना के कुशल और त्वरित कार्यान्वयन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। साथ ही, हम ट्रांजिशन बोर्ड और यूके तथा वेल्स की सरकारों के साथ मिलकर इस परियोजना को दक्षिण वेल्स में आर्थिक पुनरुत्थान और रोजगार सृजन की दिशा में प्रेरक बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

बिष्टुपुर तुलसी भवन में धूमधाम से मना महासर माता का तृतीय वार्षिक उत्सव

जमशेदपुर। बुधवार को बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन के एसी हॉल में कुलदेवी महासर माता का तृतीय वार्षिक उत्सव (अष्टमी तिथि) को धूमधाम से मनाया गया। माता के जयकारों के तुलसी भवन पांच घंटा तक गूंजता रहा। जिसमें कोल्हान प्रमंडल के तीनों जिलों सहित दूसरे शहरों से भी श्रद्धालुओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इसका आयोजन श्री महासर माता परिवार जमशेदपुर (कोल्हान) द्वारा किया गया था। कीर्तन उत्सव संध्या 6 बजे से शुभारंभ हुआ, जो रात 11 बजे तक चला। बुधवार की संध्या 6 बजे से महासर माता की पूजा अर्चना एवं ज्योत प्रज्जवलित का शुभारंभ हुआ। यजमान संजय भालोटिया, नवीन भालोटिया, बलराम अग्रवाल, कुणाल भालोटिया और सुनील भालोटिया ने सपत्नी पूजा की और महासर धाम के संजय गुरुजी के सानिध्य में विधिवत पूजा अर्चना संपन्न हुई। पंडित रामजी पारिक ने पूजा में सहयोग किया तथा सबको रक्षा सूत्र बांधा। इस धार्मिक उत्सव में दिव्य अखंड ज्योत, देवी का अलौकिक श्रृंगार, भव्य दरबार, छप्पन भोग एवं महाप्रसाद आकर्षण का केंद्र बना रहा। उत्सव के समापन पर सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

जहांगीर आर्ट गैलरी, मुंबई में कलात्मक उत्कृष्टता की प्रदर्शनी

- चार प्रतिष्ठित कलाकार जहांगीर आर्ट गैलरी में अपनी कलाकृतियों का प्रदर्शन करने जा रहे हैं

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। जहांगीर आर्ट गैलरी, मुंबई में कलात्मक उत्कृष्टता प्रदर्शनी जारी है। प्रदर्शनी का समापन 16 सितंबर को होगा। और इसमें प्रदर्शित होने वाले कलाकारों में जमशेदपुर के प्रभीर शॉ और उत्तम मल्लिक, कोलकाता के संजय बनर्जी, और रांची के प्रवीण कर्माकर शामिल हैं। इस प्रदर्शनी का समय सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक है। यह उन सभी कलाकारों के लिए अत्यंत सम्मान और गौरव की बात है कि उन्हें इस

प्रतिष्ठित कला गैलरी में अपने कार्यों को प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हुआ है। जहांगीर आर्ट गैलरी, जो अपने कला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को आत्मसात करके ही युवा भारत को बना सकते हैं विश्व गुरु: चैतन्य भानु

- शिकागो दिवस पर स्वामी विवेकानंद व्याख्यानमाला

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। शिकागो दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद व्याख्यानमाला समिति की ओर से सोनारी स्थित चित्रगुप्त भवन में 'राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका' विषयक सेमिनार किया गया। दो सत्रों में आयोजित समारोह में उद्घाटन के बाद तकनीकी सत्र आयोजित हुआ, जिसमें अन्य शहरों से आनेवाले अतिथि वक्ताओ ने उपरोक्त विषय पर अपने पेपर प्रस्तुत

कार्यक्रम के दौरान मंचस्थ एके श्रीवास्तव, टाटा स्टील के वीपी चैतन्य भानु, आइपीएस दीपक सिन्हा समेत अन्य अतिथि।

किये, जिसे बाद में समिति प्रकाशित करेगी। सेमिनार का उद्घाटन टाटा स्टील के वीपी (ऑपरेशन्स) चैतन्य भानु ने किया। अन्य अतिथियों में अवकाशप्राप्त झारखंड पुलिस के डीआईजी दीपक सिन्हा, रांची सेंट्रल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ जेपी लाल और जय प्रकाश नारायण विवि के कुलपति डॉ पीके वाजपेयी, पटना के डॉ शंभू शरण प्रसाद मौजूद थे। अतिथियों का स्वागत समिति के संयोजक ए के श्रीवास्तव, संचालन संजीव तथा धन्यवाद ज्ञापन समिति के सह संयोजक अजय कुमार श्रीवास्तव ने किया।

सरना धर्म कोड के लिए बारंबार संसद का दरवाजा खटखटाती रहूंगी : जोबा

- आनंदपुर में करम पूर्व संध्या महोत्सव का आयोजन, सांसद ने समाज की उन्नति के लिए एकजुट होने का किया आह्वान

खबर मन्त्र ब्यूरो

कार्यक्रम को संबोधित करती सांसद जोबा माझी।

मनोहरपुर/ जमशेदपुर। सिंहभूम की सांसद जोबा माझी ने सरना धर्म कोड पर एक बार फिर हुंकार भरते हुए कहा कि आदिवासियों के पहचान-अस्तित्व के लिए बारंबार संसद का दरवाजा खटखटाती रहेगी। सांसद जोबा माझी बुधवार को आनंदपुर प्रखंड के हाई स्कूल मैदान में कुंडुख सरना जागरण मंच मनोहरपुर-आनंदपुर प्रखंड कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित करम पूर्व संध्या महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कही। सांसद ने कहा राज्य की हेमंत सोरेन सरकार ने विशेष सत्र के माध्यम से सरना धर्म कोड को पास कर केंद्र सरकार के पास भेज दिया है। इसके लिए सरकार को बधाई देती हूं, लेकिन केंद्र सरकार से मांग है कि इस मांग को जल्द पूरा करें। सांसद ने उपस्थित लोगों को करम महोत्सव की बधाई दी।

16 को गांधी मैदान से निकलेगा 16वां मोतहदा जुलूस-ए-मोहम्मदी

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। 16 सितंबर को हर्षोल्लास के साथ जश्ने ईद मिलादुन्नबी मनाया जायेगा। इसी दिन 16वां मोतहदा जुलूस-ए-मोहम्मदी मानगो गांधी मैदान से प्रारंभ होकर साकची गोल चक्कर, जुस्को ऑफिस गोल चक्कर होते हुए धातकीडीह सामुदायिक मैदान में समाप्त होगा। इस संबंध में तंजीम अहले सुन्नत व जमात के द्वारा पहली बैठक मदरसा फैजुल उलूम में दूसरी बैठक मंगलवार को मानगो में आयोजित की गई। इस बैठक में

इंतजामिया के लोगों के साथ-साथ लौह नगरी के धार्मिक गुरुओं,मस्जिद के इमामो और बुद्धिजीवियों ने भारी तादाद में शिरकत की। बैठक की अध्यक्षता मुफ्ती आबिद हुसैन नूरी ने की।

दुगार्पूजा समिति छोटा गम्हरिया का पंडाल निर्माण हेतु भूमिपूजन सम्पन्न

गम्हरिया। सार्वजनिक दुगार्पूजा समिति छोटा गम्हरिया के पंडाल निर्माण के लिए बुधवार को भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित पुजारी देबू ठाकुर द्वारा कमेटी के सदस्यों की उपस्थिति में सर्वप्रथम विधि-विधान से पवित्र मंत्रोच्चारण के साथ पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात, सदस्यों ने ध्वजारोहण कर पूजा पंडाल निर्माण की नींव रखी गई। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष सुसेन महतो ने बताया कि जमशेदपुर के तत्कालीन सांसद सुनील कुमार महतो ने वर्ष 1978 में इस पूजा कमेटी की स्थापना की थी। तब से प्रतिवर्ष इस कमेटी द्वारा धूमधाम से दुगार्पूजा का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी भव्य काल्पनिक पंडाल का निर्माण किया जायेगा। इस मौके पर कमेटी के देवेंद्र नाथ महतो, द्विजपद महतो, अमृत महतो, रंजीत महतो, मोनू झा, नारायण महतो, बादल महतो, रिंकू ठाकुर, निर्मल महतो, बाबू मिश्रा, माधव महतो, गोपाल महतो, देवराज महतो, रवि कर्मकार उपस्थित थे।

गोपाल मैदान में राष्ट्रीय करम महोत्सव 15 को, तैयारी अंतिम चरण में

- कुड़मी सेना के शैलेंद्र महतो ने दी विस्तृत जानकारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते शैलेंद्र महतो।

जमशेदपुर। कुड़मी सेना के केंद्रीय अध्यक्ष शैलेन्द्र महतो ने जानकारी दी कि आगामी 15 सितंबर को बिस्टुपुर गोपाल मैदान में होनेवाले राष्ट्रीय करम महोत्सव की तैयारी अंतिम चरण में है। साकची के एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने बताया कि महोत्सव का उद्घाटन करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए झारखंड के राज्यपाल महामहिम संतोष गंगवार को आमंत्रित किया गया है। इसके लिए आवश्यक प्रक्रिया चल रही है। इस हेतु प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) तथा राजभवन को जरूरी जानकारी मांग कि गई व दस्तावेज भेज दी गयी है।

मौके पर कुड़मी सेना के केन्द्रीय महासचिव अरविंद कुमार महतो ने बताया कि अन्य अतिथियों में झारखण्ड सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन, बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, पश्चिम बंगाल के कुटीर उद्योग मंत्री श्रीकांत महतो, सांसद विद्युत वरण महतो, सिल्ली के विधायक सुदेश महतो, गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, ओडिशा के राज्यसभा सांसद ममता महंता आदि होंगे।

कुड़मी सेना के प्रदेश अध्यक्ष बिशाल चंद्र महतो ने बताया कि कार्यक्रम में आनेवाले सभी लोगों में 10 हजार फलदार पौधे बांटे जाएंगे। इसमें शामिल होनेवाले सभी लोगों से पीली ड्रेस में आने की अपील की गई है। बताया कि हाल में चुनाव जीतनेवाली पुलिस मेंस एसोसिएशन की पूरी टीम को सम्मानित किया जाएगा।

संवाददाता सम्मेलन में शैलेन्द्र महतो के साथ पोबीर महतो, बिष्णु देव महतो, विकाश महतो, डीके महतो, अजय महतो, प्रशांत महतो, किशोर महतो, पीडी महतो, दिवाकर महतो, सुनील महतो, धनंजय महतो, सोनू महतो एवं भारी संख्या से कुड़मी सेना के सदस्य उपस्थित थे।

बिंदु महंता प्रस्तुत करेंगी झूमर, 5 चिकित्सक को मिलेगा कुड़मी रत्न : शैलेन्द्र ने बताया कि कार्यक्रम में झारखंड सहित बिहार व बंगाल के लाखों लोग शामिल होने का अनुमान है। इसके लिए अबतक एक लाख से अधिक हैंडबिल वितरित की जा चुकी है।

मानदेय वृद्धि की मांग को लेकर राज्यपाल को मांग पत्र सौंपेंगे योग शिक्षक

गम्हरिया। झारखंड योग शिक्षक महासंघ की प्रदेश स्तरीय बैठक सरायकेला स्थित सिद्धो-कान्हू पार्क में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महासंघ के जिला सचिव आचार्य देबु चंद्र दे तथा प0 सिंहभूम जिलाध्यक्ष प्रवीण प्रजापति ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में योग शिक्षकों के मानदेय में वृद्धि की मांग को लेकर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया। मौके पर महासंघ के राज्य स्तरीय ईकाई का विस्तार किया गया। नई कमेटी में आचार्य देबु चंद्र डे को सरायकेला-खरसावां का सचिव, आनंद महतो को कोषाध्यक्ष चुने गये।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006

e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

टेस्ट रैंकिंग : हिटमैन का जलवा, शीर्ष पांच में हुई वापसी, यशस्वी-विराट को हुआ फायदा

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पांच में वापसी हो गई है। बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आइसीसी) की तरफ से जारी की गई टेस्ट रैंकिंग में हिटमैन ने शीर्ष पांच मे सितंबर 2021 के बाद वापसी की है। वहीं, विराट कोहली और यशस्वी जायसवाल को भी फायदा हुआ है। दोनों क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। तीनों भारतीय बल्लेबाज भारत बनाम बांग्लादेश सीरीज में अच्छे प्रदर्शन से अपनी रेटिंग में सुधार करना चाहेंगे। भारत ने इस साल इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली थी। इस दौरान रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने दमदार प्रदर्शन किया था। दोनों जबरदस्त फॉर्म में थे। युवा बल्लेबाज ने इस सीरीज में दो शतक और तीन अर्धशतकों की मदद से 712 रन बनाए थे। वहीं, भारतीय कप्तान ने भी दो शतक लगाकर 400 रन बनाए थे। हालांकि, विराट कोहली इस सीरीज में नहीं खेले थे।

रूट शीर्ष पर बरकरार

आइसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में श्रीलंकाई बल्लेबाजों को भी फायदा मिला है। हाल ही में इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली गई थी, जिसमें श्रीलंका ने ओली पोप की अगुआई वाली टीम को हराया दिया। इस बीच जो रूट टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं, लेकिन श्रीलंका के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट में दो बार विफल होने के बाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान की रेटिंग में कमी आई है। अब उनके 922 अंक से 899 अंक हो गए हैं। इससे दूसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन (859) की टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज बनने की राह आसान हो गई है। पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज बाबर आजम शीर्ष 10 से बाहर बने हुए हैं, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान नौवें स्थान के साथ देश के सर्वोच्च रैंकिंग वाले बल्लेबाज बने हुए हैं।

धनंजय, मेंडिस और निसांका को हुआ फायदा

श्रीलंका के लिए कप्तान धनंजय डी सिल्वा, मध्यक्रम के बल्लेबाज कामिंदु मेंडिस और सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका ने इंग्लैंड में दमदार प्रदर्शन किया था। टेस्ट की पहली पारी में श्रीलंका के शीर्ष स्कोरर रहे डी सिल्वा ने 69 रन की पारी खेली थी। इस पारी की बदौलत दाएं हाथ के बल्लेबाज अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में तीन स्थान के फायदे से 13वें स्थान पर पहुंच गए। अब वह अपनी टीम के लिए बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष खिलाड़ी हैं। मेंडिस और निसांका ने भी टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतकीय पारी खेलने के बाद मेंडिस छह स्थान की छलांग लगाकर 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, निसांका 64 और नाबाद 127 रन की पारी खेलने के बाद 42 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 39वें स्थान पर पहुंच गए।

बुमराह को भगवान ने अलग ही बनाया है, रोहित भैया चीजों को बहुत अच्छे से मैनेज करते हैं

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें भगवान ने अनोखे ढंग से तैयार किया है और उनके कार्यों का अनुसरण करना वास्तव में कठिन है। आकाश ने फरवरी में रांची में इंग्लैंड के खिलाफ अपना यादगार टेस्ट डेब्यू किया, जहां राहुल द्रविड़ ने उन्हें अपनी कैप सौंपी। उन्होंने अपने शुरूआती स्पैल से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। रेड-बॉल क्रिकेट में प्रभावशाली प्रदर्शन के

साथ उन्होंने अब चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए 16 सदस्यीय टीम में जगह बनाई है। भारतीय टीम में अपने चयन पर आकाश दीप ने कहा, 'यह एक बड़ी जिम्मेदारी है जो मुझे दी गई है, जिससे मुझे अपनी टीम की सेवा करने का मौका मिला है। शमी भाई फिलहाल चोटिल हैं... मैं इसे एक जिम्मेदारी के रूप में देखता हूं और चयनकर्ताओं और बीसीसीआइ प्रबंधन ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करूंगा।' अपनी तेज गेंदबाजी के पीछे की प्रेरणा के बारे में पूछे जाने पर आकाश दीप ने कहा, 'मैं सिर्फ एक गेंदबाज को बहुत ज्यादा फॉलो नहीं करता और बुमराह को एक अनोखा गेंदबाज बताते हुए स्वीकार किया कि वह उनसे सब कुछ नहीं सीख सकते क्योंकि उनका अनुसरण करना मुश्किल है।

शुक्रिया श्रीजेश : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महान गोलकीपर को लिखा पत्र

एजेंसी

नयी दिल्ली। हॉकी को अलविदा कह चुके महान गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिला पत्र सोशल मीडिया पर साझा किया है जिसमें प्रधानमंत्री ने खेल में उनके योगदान की सराहना करते हुए विश्वास जताया है कि वह नए राष्ट्रीय जूनियर कोच के रूप में भी उतने ही प्रभावी होंगे। तोक्यो ओलंपिक के बाद पेरिस में कांस्य जीतने के बाद श्रीजेश ने हॉकी से विदा ली। भारतीय हॉकी की दीवार कहे जाने वाले श्रीजेश एशियाई खेलों में दो स्वर्ण और चैंपियंस ट्रॉफी में दो रजत भी जीत चुके हैं। हॉकी इंडिया ने उन्हें जूनियर टीम का नया मुख्य कोच बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने पत्र में लिखा, मुझे विश्वास है कि नई भूमिका में भी आपका काम उतना ही प्रभावी और प्रेरणास्पद होगा। उन्होंने 16 अगस्त को लिखे पत्र में कहा, आपने खेल से विदा लेने का फैसला किया है और मैं भारतीय हॉकी में आपके अपार योगदान की ह्रदय से सराहना करता हूं। श्रीजेश ने प्रधानमंत्री मोदी का पत्र साझा करते हुए एक्स पर लिखा, मेरे संन्यास पर नरेंद्र मोदी सर का पत्र मिला। हॉकी मेरा जीवन है और मैं खेल की सेवा करता रहूंगा। भारत को हॉकी की महाशक्ति बनाने के लिए काम करता रहूंगा जिसकी शुरूआत 2020 और 2024 ओलंपिक पदकों से हो गई है। मुझ पर विश्वास जताने के लिए धन्यवाद प्रधानमंत्री सर। श्रीजेश के करियर के बारे में मोदी ने 2014 एशियाई खेलों में उनके प्रदर्शन को याद किया। इसके अलावा रियो, तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में उनके प्रदर्शन का भी जिक्र किया। उन्होंने लिखा, ऐसी अनगिनत यादें हैं और इनके लिए एक पत्र पर्याप्त नहीं है। उन्होंने लिखा, आपको मिले विभिन्न पुरस्कार, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पदक बताते हैं कि आपने किन ऊंचाइयों को छुआ है। लेकिन इसके बावजूद आपकी विनम्रता और गरिमा, मैदान से भीतर और बाहर, प्रशंसनीय है। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, ह्यमुझे विश्वास है कि आपका जुनून, प्रतिबद्धता और समर्पण अगली पीढी के विश्व विजेताओं को तैयार करेगा। मैं आपको आपके अथक समर्पण, शानदार कैरियर और भारत को गौरवान्वित करने के लिये धन्यवाद देता हूं। इन सभी यादों के लिए धन्यवाद और भविष्य के लिये शुभकामना।'

बारिश के कारण तीसरा दिन का खेल रद्द

ग्रेटर नोएडा। अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच एकमात्र टेस्ट का तीसरा दिन बुधवार को भारी बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। खेल के पहले दो दिन गीले आउटफील्ड के कारण एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिए गए जिससे आयोजन स्थल की तैयारियों पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। मौसम को देखते हुए मैच अधिकारियों ने बुधवार को खेल की किसी भी संभावना से इनकार करने में देर नहीं लगाई। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'लगातार बारिश के कारण अफगानिस्तान बनाम न्यूजीलैंड का तीसरा दिन रद्द कर दिया गया है। अगर आसमान साफ रहा तो कल से मैच 98 ओवरों के साथ शुरू होगा।' अफगानिस्तान जिसे अक्सर शीर्ष टीमों के साथ खेलने का मौका नहीं मिलता, इस खेल का मेजबान है। गौर हो कि बीसीसीआई ने अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड को कानपुर, बेंगलुरू और ग्रेटर नोएडा के विकल्प दिए थे। एसीबी ने लॉजिस्टिक कारणों से ग्रेटर नोएडा को चुना। एसीबी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैनेजर मिन्हाज राज ने कहा था, यह हमेशा से अफगानिस्तान का घरेलू मैदान रहा है। हम 2016 से यहां खेल रहे हैं। बारिश के कारण यह सब हुआ। हमने यहां स्थानीय टीम के खिलाफ तीन दिवसीय मैच भी खेला है जिसमें कोई मसला नहीं आया था। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड यहां 11 सीमित ओवरों के मैचों की मेजबानी कर चुका है।

चैंपियंस ट्राफी की तैयारियों का जायजा लेगी आइसीसी

कराची। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) का प्रतिनिधिमंडल चैंपियन्स ट्रॉफी की तैयारियों का जायजा लेने इसी महीने पाकिस्तान जायेगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को उम्मीद है कि आईसीसी का प्रतिनिधिमंडल तैयारियों का जायजा लेने के साथ ही प्रतियोगिता के संभावित कार्यक्रम पर भी विचार विमर्श करेगा।

पाकिस्तान ने जापान को 2-1 से हराया

मोकी (चीन)। पाकिस्तान ने बुधवार को जापान को 2-1 से हराकर हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी पहली जीत दर्ज की। चीन के हुलुन बुइर में मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस में खेले गये मैच में अहमद नदीम (10') और सुफियान खान (21') ने गोल किए जबकि जापान के लिए एकमात्र गोल रायकी फुजीशिमा (28') ने किया। इस जीत के साथ, पाकिस्तान पूल स्टैंडिंग में शीर्ष पर भारत से पांच अंक पीछे दूसरे स्थान पर है।

महिला विश्व कप : न्यूजीलैंड की संभावनायें प्रबल: मैकमिलन

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के सहायक कोच क्रेग मैकमिलन का मानना है कि अगले महीने यूएई में होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में उनकी टीम की संभावनायें प्रबल हैं। न्यूजीलैंड ने मंगलवार को टी20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी। टीम में युवा जोश और अनुभव का संगम है। बेट्स और डिवाइन न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम में कितना अच्छा प्रदर्शन करते हैं, यह कीवी टीम की संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि यह जोड़ी टूर्नामेंट की शुरूआत से ही टूर्नामेंट के हर संस्करण में शामिल रही है।

लाबुशेन को फैसले पर असहमति जताना पड़ा भारी

नयी दिल्ली। आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन पर पिछले शुक्रवार को ब्रिसबेन के एलन बॉर्डर फील्ड में रेडलैंड्स और वैलीज के बीच टी20 मैक्स सेमीफाइनल के दौरान हुई तीखी नोकझोंक के बाद अंपायर की असहमति के आरोप में अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है। यह घटना वैलीज के रन चेज के सातवें ओवर के दौरान हुई जब विपक्षी बल्लेबाज ह्यूग वीबगेन द्वारा बम्प बॉल के फैसले के बाद लाबुशेन ने नॉट-आउट के फैसले का विरोध किया। विकेटकीपर लेघ ड्रेनन ने कुछ क्षण पहले कैच लिया था, लेकिन अंपायर ने बल्लेबाज के पक्ष में फैसला सुनाया। रेडलैंड्स के कप्तान लाबुशेन ने अंपायर के साथ काफी देर तक बहस की, जबकि उन्हें खेल रोकने और जारी रखने के लिए कहा गया था। फुटेज में लाबुशेन को लंबे समय तक विरोध करते हुए दिखाया गया और ओवर के बाद अंपायरों ने नोट्स लेने के लिए बैठक की, जिससे संकेत मिलता है कि लाबुशेन को असहमति के लिए दोषी ठहराया गया था। इसके बाद उन पर लेवल 2 के अपराध का आरोप लगाया गया। हालांकि, लाबुशेन ने टकराव के दौरान अभद्र भाषा का इस्तेमाल नहीं किया, लेकिन उन पर अंपायर के प्रति लेवल 2 असहमति का आरोप लगाया गया है। दाएं हाथ के बल्लेबाज को इस सप्ताह ट्रिब्यूनल की सुनवाई का सामना करना पड़ सकता है, जहां उन्हें संभावित रूप से निलंबन मिल सकता है।

आस्ट्रेलियाई हॉकी खिलाड़ी निलंबित

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के हॉकी खिलाड़ी टॉम क्रेग को पेरिस ओलंपिक के दौरान कोकीन खरीदने की कोशिश के आरोप में हॉकी आस्ट्रेलिया ने बारह महीने के लिये निलंबित कर दिया है। क्रेग को सात अगस्त की रात पेरिस में कोकीन खरीदने की कोशिश में गिरफ्तार किया गया लेकिन बाद में छोड़ दिया गया था। फ्रांस के अभियोजकों ने बयान जारी करके पुष्टि की थी कि 29 वर्ष के ओलंपियन और तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को आपराधिक चेतावनी देकर एक रात हिरासत में रखने के बाद छोड़ दिया गया। हॉकी आस्ट्रेलिया ने बुधवार को जारी बयान में कहा, राष्ट्रीय पुरूष हॉकी टीम के खिलाड़ी टॉम क्रेग की पेरिस ओलंपिक 2024 के दौरान गिरफ्तारी के मामले की जांच के बाद हॉकी आस्ट्रेलिया की नैतिकता ईकाई ने 12 महीने के लिये उन्हें निलंबित करने का फैसला लिया है। इसमें कहा गया, छह महीने पूर्ण निलंबन होगा और बाकी छह महीने उनके बर्ताव पर निर्भर करेंगे।

रोहित का मुंबई के साथ उनका सफर खत्म : चोपड़ा

मुंबई। आइपीएल 2025 की मेगा नीलामी करीब आने पर मुंबई इंडियंस के दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं। पिछले सीजन की शुरूआत से पहले उन्हें फ्रैंचाइजी के कप्तान के पद से हटा दिया गया था और हार्दिक पांड्या को यह भूमिका दी गई थी। इससे रोहित और मुंबई इंडियंस के बीच कथित तौर पर संबंधों पर असर पड़ा है और सलामी बल्लेबाज अब एक नई फ्रैंचाइजी की तलाश में हैं। जब पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा से रोहित के आईपीएल भविष्य के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हिटमैन को ट्रेड विंडो में एक नई फ्रैंचाइजी में स्थानांतरित किया जा सकता है। आकाश चोपड़ा ने युट्यूब चैनल पर एक प्रशंसक के सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'क्या वह रहेंगे या जाएंगे? यह एक बड़ा सवाल है। व्यक्तिगत रूप से, मुझे लगता है कि वह नहीं रहेंगे। जो भी रिटेन किया जाएगा, वह इस सोच के साथ होगा कि वह तीन साल तक आपके साथ रहेगा, जब तक कि आपका नाम एमएस धोनी न हो।

महिला टी20 विश्व कप के लिए टिकटों का अनावरण, सबसे सस्ता टिकट 114 रु. का

एजेंसी

दुबई। आइसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 में अब केवल 20 दिन शेष बचे हैं और ऐसे में आइसीसी ने टिकटों का अनावरण किया है। सबसे सस्ती टिकट केवल पांच दिरहम यानि 114 रुपए से शुरू होगी जबकि 18 वर्ष तक के प्रशंसकों के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा। इस पहल का उद्देश्य यूएई में टूनामेंट के लिए उपस्थिति को बढ़ाना और एक स्थायी विरासत बनाना है जिसका अनावरण प्रतिष्ठित बुर्ज खलीफा पर एक शानदार लेजर शो के साथ किया गया। बुधवार को एक मीडिया कॉन्फ्रेंस के दौरान आइसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, यूएई के बारे में रोमांचक चीजों में से एक इसकी विविधता है। यह एक ऐसी जगह है जहां पूरी दुनिया का प्रतिनिधित्व होता है! इसका मतलब है कि यह वास्तव में सभी 10 टीमों के लिए एक घरेलू विश्व कप है और खिलाड़ी उत्साही प्रशंसकों के समर्थन का आनंद ले सकते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए मुझे बुधवार यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि टिकट केवल 5 दिरहम से उपलब्ध होंगे, और 18 साल तक के लिए टिकट निःशुल्क होंगे। महिला टी20 विश्व कप 3 अक्टूबर को शुरू हो रहा है जो 18 दिनों तक चलेगा और इस दौरान 23 मैचों में 10 टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। टीमों को दो समूहों में विभाजित किया गया है। ग्रुप ए में आस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं और ग्रुप बी में बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड शामिल हैं। प्रारूप एक राउंड-रॉबिन संरचना का पालन करेगा जहां प्रत्येक टीम अपने समूह की अन्य चार टीमों से खेलती है जिसमें शीर्ष दो नॉकआउट चरणों में आगे बढ़ती हैं।

सेमीफाइनल 17 अक्टूबर को दुबई और 18 अक्टूबर को शारजाह में होंगे, जबकि फाइनल 20 अक्टूबर को दुबई में होगा। टूर्नामेंट से पहले टीमें 28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक अभ्यास मैचों में हिस्सा लेंगी।

क्रिकेट विश्व कप 2023 ने भारतीय अर्थव्यवस्था में किया इजाफा

एजेंसी

दुबई। आइसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 आर्थिक रुप से अब तक का सबसे बड़ा क्रिकेट आयोजन साबित हुआ है जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था में 11 हजार 637 करोड़ रुपये का योगदान दिया। भारत के दस शहरों अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, धर्मशाला, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई और पुणे में विश्व कप 2023 पिछले साल पांच अक्टूबर से 19 नवंबर के बीच खेला गया था। आइसीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार आइसीसी क्रिकेट विश्वकप में एक करोड़ 25 लाख दर्शकों ने भाग लिया जिसके चलते मेजबान शहरों में पर्यटन,आवास,यात्रा,परिवहन और भोजन आदि के जरिये 861.4 मिलियन डालर का राजस्व प्राप्त हुआ। आइसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 में लगभग 75 फीसदी दर्शकों ने पहली बार मैचों का लुफ्त उठाया जबकि लगभग 55 प्रतिशत विदेशी दर्शक पहले भी भारत का दौरा कर चुके थे लेकिन खासकर विश्व कप के कारण 19 फीसदी दर्शकों ने भारत की यात्रा की। अपने भारत प्रवास के दौरान इन क्रिकेट प्रेमियों ने कई पर्यटन स्थलों का दौरा किया, जिससे 281.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर का आर्थिक प्रभाव पड़ा और लगभग 68 प्रतिशत विदेशी दर्शक ऐसे भी थे जिन्हे भारतीयों की मेजबानी खूब रास आयी और उन्होने वादा किया कि वे वे भविष्य में भारत की वैश्विक छवि को और बढ़ाने के लिए दोस्तों और परिवार के लोगो को यहां आने का सलाह देंगे। अधिकांश विदेशी आगंतुकों ने देश में पांच से अधिक रातें बिताईं, जबकि घरेलू यात्रियों ने मेजबान शहरों में औसतन दो रातें बिताईं। प्रभावशाली 73 फीसदी स्थानीय लोगों ने माना कि क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी से भारत की छवि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

भारतीय हॉकी टीम ने एशियन चैंपियनशिप में लगायी जीत की हैट्रिक

मलयेशिया को 8-1 से रौंद कर सेमीफाइनल में बनायी जगह

एजेंसी

राज कुमार पाल ने लगाई हैट्रिक

नयी दिल्ली। युवा स्ट्राइकर राज कुमार पाल की हैट्रिक की मदद से गत चैंपियन भारत ने बुधवार को हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में मलेशिया को 8-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। यह टूनार्मेंट में भारत की लगातार तीसरी जीत थी। राज कुमार (तीसरे, 25वें और 33वें मिनट) के अलावा, अरिजीत सिंह हुंदल (छठे और 39वें मिनट), जुगराज सिंह (सातवें मिनट), कप्तान हरमनप्रीत सिंह (22वें मिनट) और उत्तम सिंह (40वें मिनट) ने भारत के लिए गोल दागे। मलेशिया के लिए अखिमुल्लाह अनवार (34वें मिनट) ने एकमात्र गोल किया। भारत फिलहाल तीन जीत से नौ अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर है। छह टीमों का यह टूनार्मेंट राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला जा रहा है और शीर्ष चार टीमें 16 सितंबर को सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जिसके बाद 17 सितंबर को फाइनल होगा। भारत ने टूनार्मेंट के पहले मैच में मेजबान चीन को 3-0 से हराया था, उसके बाद उसने जापान को 5-1 से हराया था। पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत गुरुवार को कोरिया से भिड़ेगा, उसके बाद शनिवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ लीग मैच खेलेगा। इन दोनों टीमों के बीच आखिरी मैच 2023 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल था, जहां हाफ-टाइम तक भारत 1-3 से पीछे था। उस मैच में भारतीय टीम ने जोरदार वापसी की और 4-3 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। आज खेले गए मैच में भारतीय स्ट्राइकरों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और पांच फील्ड गोल और तीन पेनल्टी कॉर्नर बनाए, जिन्हें जुगराज, हरमनप्रीत और उत्तम ने गोल में बदला। मलेशिया के खिलाफ, भारतीयों ने पहले क्वार्टर में लगातार हमलों के साथ आगे बढ़ना शुरू किया। और राज कुमार ने भारत को बढ़त दिलाने में देर नहीं लगाई, उन्होंने एक गोल किया, अविश्वसनीय स्टिकवर्क दिखाया और इस तरह मलेशियाई बैक-लाइन का मजाक उड़ाया। तीन मिनट बाद, अरिजीत ने मलेशियाई पोस्ट के कोने को ढूंढकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। एक मिनट बाद, जुगराज ने एक शक्तिशाली ड्रैग-फ्लिक के साथ पेनल्टी कॉर्नर पर बेहतरीन गोल करके बढ़त को और मजबूत कर दिया। टीम पहले क्वार्टर में 3-0 की बढ़त के साथ आगे बढ़ी। तीन गोल से पिछड़ने के बाद मलेशिया ने दूसरे क्वार्टर में आक्रामक शुरूआत की और जल्द ही एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति मजबूत रही। भारत ने 22वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्रैग-फ्लिकर में से एक हरमनप्रीत ने शानदार फ्लिक के साथ मलेशियाई गोल में गेंद को डाला और बढ़त को और आगे बढ़ाया। कुछ मिनट बाद, राज कुमार ने अपना दूसरा गोल किया, जिसे अरिजीत और उत्तम ने सेट किया था और भारत ने हाफ-टाइम में 5-0 की बढ़त हासिल की। अंत में बदलाव के तीन मिनट बाद, राज कुमार ने सीनियर स्तर पर अपनी पहली हैट्रिक बनाई और भारत को 6-0 से आगे कर दिया। मैच के 34वें मिनट में अखिमुल्लाह ने गोल कर मलेशिया का खाता खोला और स्कोर 6-1 हो गया। 39वें मिनट में अरिजीत ने नीलकांत शर्मा के पास पर फील्ड गोल किया और फिर एक मिनट बाद, उत्तम ने पेनल्टी कॉर्नर से रिबाउंड पर गोल कर भारत को 8-1 से जीत दिला दी। दिन के पहले मैच में पाकिस्तान ने जापान को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी संभावनाएं बढ़ा लीं हैं।

सरकार की योजनाओं के संचालन में आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका की महत्वपूर्ण भूमिका : मिथिलेश ठाकुर

जिले के लिए 20 आंगनबाड़ी सेविका एवं 30 सहायिका का चयन

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। बाल विकास परियोजना अंतर्गत गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य एवं विद्यालय पूर्व शिक्षा के लिए आंगनबाड़ी केंद्र महत्वपूर्ण इकाई है। इसे लेकर जिले के विभिन्न बाल विकास परियोजना अंतर्गत सेविका एवं सहायिकाओं का चयन किया गया है। जिले के गढ़वा, मेराल, रंका, भंडरिया, मझिआंव, कांडी, नगर ऊंटारी, भवनाथपुर एवं धुरकी परियोजना अंतर्गत 20 सेविका एवं 30 सहायिकाओं का चयन किया गया है। इस दौरान गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग मंत्री मिथिलेष ठाकुर ने सेविकाओं एवं सहायिकाओं के बीच चयन पत्र का वितरण किया।

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग अंतर्गत संचालित सभी योजनाओं के संचालन में आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका की महत्वपूर्ण भूमिका है। इनके द्वारा राज्य सरकार की

चयन पत्र का वितरण करते मंत्री मिथिलेष ठाकुर।

महत्वाकांक्षी योजना सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, टीएचआर वितरण, पोषाहार कार्यक्रम, टीकाकरण कार्यक्रम एवं स्थानीय स्तर पर पोषण एवं स्वास्थ्य से संबंधित कार्य किए जाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि इनके चयन से स्थानीय स्तर पर पोषण एवं स्वास्थ्य से संबंधित कार्यों में गति मिलेगी। डीसी शेखर जमुआर ने कहा कि सभी सेविका एवं सहायिका का चयन आंगनबाड़ी केंद्र स्तर पर आम सभा के माध्यम से किया जाता है। जिसमें बाल विकास परियोजना पदाधिकारी अध्यक्ष, महिला पर्यवेक्षिका संयोजिका, संबंधित प्राथमिक, मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक सदस्य, एएनएम एवं मुखिया चयन समिति के सदस्य होते हैं। चयन समिति के द्वारा चयन के पश्चात अनुमोदन के लिए जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के माध्यम से डीडीसी के द्वारा अनुमोदन करने के पश्चात परियोजना स्तर पर एक दिवसीय तथा केंद्र स्तर पर दो दिवसीय प्रशिक्षण पश्चात योगदान कराया जाता है। उन्होंने कहा कि इनके चयन से सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के संचालन में मदद मिलेगी। मौके पर डीडीसी पशुपति नाथ मिश्रा, जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सहित पदाधिकारी मौजूद थे।

खबर एक नजर में

संदेहास्पद स्थिति में महिला की मौत

मृतका कांति देवी।

मझिआंव। थाना अंतर्गत ग्राम पुरहे निवासी हरिओम पासवान की 30 वषीर्या पत्नी कांति देवी की संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई। मौत की सूचना पाते ही पुलिस पुरहे पहुंची। लेकिन युवती के परिजन एवं उसके पिता द्वारा किसी प्रकार की कोई बात नहीं बताई गई। वहीं मृतका के पिता रामपुर गांव निवासी दुगार्राम में थाना में लिखित आवेदन दिया है। जिसमें उल्लेख किया है कि बुधवार की सुबह मेरे दामाद के भाई के द्वारा फोन कर सूचना दिया गया। सूचना पाते ही हम सब पुरहे गांव अपने बेटी के ससुराल पहुंचे तो वहां देखा कि मेरी लड़की मृत अवस्था में पड़ी हुई है। वहां के कुछ लोग बात कर रहे थे कि जहर खा गई है। मैं भारी दुख को सहते हुए मैं सोचा जो हुआ शायद भगवान का यही लीला करना था या सच में किसी पर कोई प्रकार का संदेश नहीं कर रहा हूं। इधर दुगार्राम के द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर थाना थाना प्रभारी आकाश कुमार के निदेर्शानुसार सी संजय मुंडा के द्वारा थाना में यूडी केस संख्या 11/24 दिनांक 11 सितंबर 2024 को यूडी केस दर्ज कर लिया गया है। वहीं इधर हत्या है या आत्महत्या पुलिस जांच में जुट गई है।

पलायन मजदूर का शव चैथे दिन पहुंचा घर

विलाप करते परिजन।

मझिआंव। मझिआंव नगर पंचायत के वार्ड नं 01 स्थित अखौरी तहले के गीजाल टोला निवासी बाहर काम कर रहे मजदूर पिंटू कुमार राम 35 वर्ष का शव चैथे दिन घर पहुंचा। जिससे शव आते ही पूरे घर में कोहराम मच गया। पिंटू कुमार घर में एकलौता कमाऊ व्यक्ति था। उसकी पत्नी सीता देवी व दो-दो नाबालिग पुत्र-पुत्री का रो रोकर बुरा हाल है। गांव में पिंटू राम का शव घर आने की खबर होने के बाद लोगों की भीड़ लग गई। इस संबंध में मृतक का भतीजा चंदन कुमार ने बताया कि पिंटू एक माह पहले जमशेदपुर के जोड़ा नामक स्थान पर एमएस इंजीनियर्स कम्पनी में काम करने गया हुआ था। पिछले रविवार को वह बाथरूम में पानी लेने के लिए गया जहां गिरकर बेहोश हो गया। इसके बाद आस पास के लोगों ने उसे स्थानीय टाटा हॉस्पिटल में ले गया। जहां पर चिकित्सक द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। परिजन टाटा कंपनी पहुंचे और अचानक कैसे मौत हो सकती है जिसको लेकर सवाल खड़े किए। सोमवार से मुवावजा को लेकर परिजनों और कंपनी कमीर्यों के द्वारा हड़ताल किया। जिसको लेकर टाटा कंपनी के द्वारा मृतक के परिवार के जीवन यापन के लिए 2 लाख रुपए का सहयोग दिया गया। मृतक के पार्थिव शरीर को पैतृक निवास स्थान तक खर्च उठाई गई। पत्नी सीता देवी को अनुदान के तहत नौकरी देने की बात कही गई। और अगर बच्चे इच्छुक हैं तो उनकी पढ़ाई लिखाई की व्यवस्था जमशेदपुर में करने की बात कही गई है। उसके बाद शव को पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया गया।

केंद्र ने ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए दिये 1170 करोड़ : सम्राट चौधरी

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को खगड़िया दौरे के दौरान बताया कि 15 वें वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुसार केंद्र सरकार ने बिहार के ग्रामीण स्थानीय निकायों के विकास के लिए अनुदान के रूप में 1,170 .15 करोड़ रुपये जारी किये। यह राशि वित्तीय वर्ष 2024 -25 में मिलने वाले केंद्रीय अनुदान की पहली किस्त है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल, कचरा प्रबंधन जैसी बुनियादी सुविधाओं का विकास होगा। सम्राट चौधरी ने कहा कि केंद्र की इस अनुदान राशि का उपयोग स्थानीय निकायों द्वारा दो तरह की बुनियादी सेवाओं के लिए किया जाएगा। पहला, घरेलू अपशिष्ट, मानव मल, मल कीचड़ प्रबंधन और उपचार सहित खुले में शौच से मुक्ति दिलाने वाले कार्य कराये जाएँगे, जिससे गांव में स्वच्छता बढेगी। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि बंधित अनुदान की राशि से जो दूसरे काम होंगे, उनमें पीने के पानी की आपूर्ति, वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण को प्राथमिकता दी जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हर पंचायत जहां तक संभव हो, इन दोनों महत्वपूर्ण सेवाओं में से प्रत्येक के लिए इन बंधे अनुदानों का आधा हिस्सा करेगी, लेकिन जिस पंचायत ने एक श्रेणी की जरूरतों को पूरा कर लिया है, वह दूसरी श्रेणी के लिए भी उस धन का उपयोग कर सकती है।

अनुशासनहीनता के आरोप में प्रधानाध्यापक निलंबित

पूर्वी चंपारण। जिले में बनकटवा प्रखंड क्षेत्र उत्क्रमित मध्य विधालय बेला के प्राधानाध्यापक रविन्द कुमार को अनुशासनहीनता,अपने विधालय के प्रति लापरवाही बरतने और अपर मुख्य सचिव के आदेश की अवहेलना करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। बताया गया है,कि प्रधानाध्यापक ने ईशिक्षा कोर्स के माध्यम से स्वयं उपस्तिथ दर्ज नही करना,और ईशिक्षा कोर्स से बच्चो को आधार से लिंक नही करना जिससे बच्चे को सरकारी लाभ से वंचित हो रहे थे। हालांकि इसको लेकर बीते 5 अगस्त को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कल्पना कुमारी के द्वारा उनसे स्पष्टीकरण की मांग की गयी थी। लेकिन प्राधानाध्यापक रविन्द्र कुमार द्वारा स्पष्टीकरण असंतोष जनक पाया गया और अनुशासनहीनता,कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने और स्वेच्छचारिता उच्चाधिकारी के आदेश को अवेलना के आरोप मे जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना साहेब आलम ने रविन्द्र कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर और निलंबन अवधि मे चिरैया मुख्यालय शिक्षा पदाधिकारी का कार्यालय निर्धारित करने का आदेश निर्गत किया है।

दरियापुर में दिखा तेंदुआ,ग्रामीणों में दहशत

पूर्वी चंपारण। जिले के संग्रामपुर प्रखण्ड के उत्तरी मधुबनी पंचायत वार्ड तीन दरियापुर गांव में मंगलवार की देर रात तेंदुआ जैसा जानवर दिखने से ग्रामीणों में भय और दहशत व्याप्त है। बताया गया है,कि दरियापुर गांव के मोनाफ खान के घर के बरामदे पर तेंदुआ जैसा जानवर चढ़ गया जान बचाकर घर वालो ने दरवाजा बंद किये,फिर उनके चिल्लाने व हल्ला करने पर दर्जनों ग्रामीण लाठी भाला से लैस होकर तेंदुआ को खदेड़ा। वही उसी गांव की महिला पानकली देवी पति यादव लाल यादव ने बुधवार को दिन के 11 बजे के आस पास नीरज दुबे के घर के उतर बासवारी के पास झाड़ी में उसे देखा। ग्रामीणों के अनुसार अभी भी तेंदुआ गांव बासवारी में छिपा हैं । किसी अनहोनी की घटना से ग्रामीण भयभीत हैं। उतरी मधुबनी पंचायत पंसस सह ग्रामीण नुसरत फातमा, बबलु खान, नीरज दुवे प्यारे खान आदि ने बताया कि रात्रि में सभी ग्रामीण एक जुट होकर उक्त जानवर को भगाया जो बुधवार के दिन में नीरज दुबे के घर आगे झाड़ी में छिपा है ।ग्रामीणों के द्वारा वन विभाग को सूचित किया गया है। वन विभाग के उप परिसर पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि पद चिन्ह देखकर उसकी पहचान की जायेगी की उक्त जानवर तेंदुआ हैं कि कोई और जानवर। वही महिला पान कली देवी जो उक्त जानवर को देखी है उसको एलबम में फोटो दिखाकर पहचान कराया उसके पहचान में तेंदुआ हैं।

मंत्री ने किया गढ़वा प्रखंड के आधा दर्जन गांवों में जन संवाद

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बुधवार को गढ़वा प्रखंड के आधा दर्जन गांवों में जन संवाद कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। इस दौरान मंत्री ने गढ़वा प्रखंड के कल्याणपुर पंचायत में धर्मडीहा स्कूल के समीप, कल्याणपुर इमामबाड़ा के मैदान में, जुटी स्कूल के समीप, जाटा पंचायत में करमडीह देवी धाम के समीप, करमडीह जमुआ के समीप, जाटा में छठ घाट के समीप, ढोटी चैक पर मदरसा के समीप, तेनार गांव में शिव मंदिर के समीप तथा पिपरा खुर्द में पुलिस लाइन के समीप आयोजित संवाद में ग्रामीणों की समस्याओं का निदान किया।

सुनी ग्रामीणों की समस्या

ग्रामीणों की समस्या सुनते मंत्री।

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि जनता को झांसा दे कर चुनाव जीत जाना ही जनप्रतिनिधि का काम नहीं है। बल्कि जनता जिस उम्मीद एवं विश्वास के साथ अपना जनप्रतिनिधि चुनती है, उस विश्वास को बरकरार रखते हुए क्षेत्र में जनहित के कार्यों को करना, सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना, क्षेत्र का विकास करना, जनता के बीच हमेशा रहना, उनके सुख-दुख का सहभागी बनना ही जनप्रतिनिधि का कार्य है। पूर्व के जनप्रतिनिधि चुनाव के समय जनता के पास पहुंचकर येन केन प्रकारेन चुनाव जीत जाते थे। उसके बाद पूरे 5 साल जनता को अपनी हाल पर छोड़ देते थे। चुनाव समाप्त होने के बाद क्षेत्र में जनता कभी अपने जनप्रतिनिधि का चेहरा तक नहीं देख पाती थी। परंतु गढ़वा की जनता ने काफी सोच समझकर वर्ष 2019 में उन्हें मौका दिया। तब से वे दिन रात एक कर जनता की उम्मीदों पर पूरी तरह से खरा उतरने का प्रयास कर रहे हैं। प्रतिदिन प्रत्येक गांव और टोला में खुद जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं का निदान कर रहे हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में अच्छी तरह से सोच समझकर अपना सेवक चुनें, जो आपके बीच हमेशा रहकर आपके लिए कार्य करता है। वोट के ठेकेदारों के बहकावे में नहीं आना है।

मौके पर उपस्थित लोग

मौके पर मुख्य रूप से झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, बैकुंठ सिंह, धनंजय, मंजर, इफ्तेखार, इसहाक, शहाबुद्दीन खां, जाकिर हुसैन, विजय कुशवाहा, सुरेंद्र कुशवाहा, अनिरुद्ध कुशवाहा, नंदकुमार मेहता, अनिल मेहता, लल्लू कुमार मेहता, असलम अंसारी, दयाशंकर कुशवाहा, विनय कुमार मेहता, सुलेमान अंसारी, वकसू अंसारी, मनोज यादव, रामजवित मेहता, दानी विश्वकर्मा, प्रमोद कुमार, विवेक कुमार, पूर्व मुखिया पप्पू, मुखिया अशोक चंद्रवंशी, दिलीप गुप्ता, अंकित पांडेय सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

स्पीड न्यूज

डीलर को गोली मारकर लूट के मामले मे पांच लोग गिरफ्तार

बेतिया। बिहार में पश्चिम चम्पारण जिले के सिरिसिया थाना क्षेत्र में प्रोर्पटी डीलर को गोली मारकर पांच लाख रुपये के लूट के मामले में शिकायतकर्ता समेत पांच लोगो को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक अमरकेश डी ने बुधवार को यहां बताया कि प्रोर्पटी डीलर आदित्य तिवारी ने ही स्वयं पैसा गबन करने के लिए इस नाटकीय घटनाक्रम को अंजाम दिलवाया था। गिरफ्तार लोगो में कुमारबाग के बकुचिया निवासी आदित्य तिवारी, लौरिया के गोबरौरा निवासी यश मिश्रा, कुमारबाग के मलकौली निवासी अम्बुज पांडेय, नवनीत राय एवं कुमारबाग के हींउपध्याय टोला निवासी नवनीत ठाकुर शामिल है। छह सितंबर को पुलिस को सूचना मिली कि सिरिसिया थाना क्षेत्र में अज्ञात अपराधियों ने प्रोर्पटी डीलर आदित्य तिवारी को गोली मारते हुए पांच लाख रुपया लूट लिया है। हालांकि, बाद में पुलिस को दिये गये बयान में आदित्य तिवारी ने उक्त राशि तीन लाख रुपए बताई।

लोजपा (रा) की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक

गया। लोक जनशक्ति पार्टी (रा.) के प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक मंगलवार को बोधगया स्थित महाबोधि सांस्कृतिक केंद्र के प्रांगण में संपन्न हुई, जिसमें बिहार के विभिन्न जिलों से आये पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। लोजपा (रा.) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने इस मौके पर कहा कि पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई है। आने वाले विधानसभा चुनाव में किस तरह से कार्यकताओं को कार्य करना है। यह दिशा निर्देश पदाधिकारियों को दिया गया है। वहीं, 28 नवंबर को पार्टी का स्थापना दिवस है, जो गांधी मैदान में मनाया जाएगा। स्थापना दिवस में जन सैलाब उमड़ेगा। इसे लेकर क्या रूपरेखा होगी। किस तरह से कार्यकताओं को लाना है और क्या व्यवस्था होगी । इस पर विस्तृत चर्चा हुई है।

अवैध बालू खनन के खिलाफ अभियान में दो गिरफ्तार

छपरा। बिहार में सारण जिला प्रशासन ने जिले में अवैध बालू खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध अभियान चला कर भारी मात्रा में अवैध बालू जब्त करने के साथ ही परिवहन में लगे गाड़ी को जब्त कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष ने बुधवार को यहां बताया कि सारण जिला प्रशासन एवं सारण पुलिस ने जिले में अवैध बालू खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध संयुक्त अभियान चला कर भारी मात्रा में अवैध बालू जब्त किया है। अभियान के तहत रिविलगंज, सोनपुर, मुफ्फसिल, बनियापुर, गौरा, डोरीगंज एवं नगर थाना में मंगलवार की रात को ट्रक-16, ट्रैक्टर-02, मोटरसाईकिल-01 तथा 7920 घन फीट अवैध बालू जप्त किया गया।

जाली नोट के साथ दो गिरफ्तार, गये जेल

बेतिया। बिहार के पश्चिम चम्पारण जिले में भारत नेपाल सीमा के निकट से दस हजार रुपए के जाली नोट के साथ गिरफ्तार किए गए दो लोगों को जेल भेज दिया गया है।

पूर्व मंत्री ने बताया बूथ जीतने का सरल उपाय

संबोधित करते गिरिनाथ सिंह।

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह के नेतृत्व में जिले के रंका प्रखंड के 80 बूथों से आये बूथ अध्यक्ष एवं पन्ना प्रमुखों तथा पंचायत अध्यक्षों का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हो गया। जिसमें मास्टर ट्रेनर अमरजीत सिंह एवं सुधाकर पाण्डेय रहे। मौके पर पूर्व मंत्री श्री सिंह ने बूथ जीतने का सरल उपाय बताया। श्री सिंह ने एक अच्छे कार्यकर्ता के गुण बताये। उन्होंने कहा कि आप लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। अगर हमारे कार्यकर्ता का पसीना बहेगा, तो मेरा खून बहेगा। हमने अपने कार्यकाल में रंका को जिस उम्मीद से प्रखंड बनाया, आज धरा का धरा रह गया। पूर्व के विधायकों ने रंका की जनता को छलने का काम किया है। मौके पर काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

विधायक भानु ने किया पुल का शिलान्यास

खबर मन्त्र संवाददाता

शिलान्यास करते विधायक भानु प्रताप शाही।

केतार। विधायक भानु प्रताप शाही ने बुधवार को प्रखंड के चैरा गांव में धोबनी और पंडा नदी पर 12.27 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली दो पुल का शिलान्यास नारियल फोड़कर किया। वहीं मुकुन्दपुर में 33 लाख की लागत से स्वास्थ्य उपकेंद्र का उद्घाटन किया। मौके पर विधायक श्री शाही ने कहा कि पूर्व के तेरह विधायकों ने प्रखंड में सिर्फ दो पुल का निर्माण कराया था, लेकिन मैंने 9 पुल का निर्माण कराया। मेरे द्वारा किए गये विकास कार्यों को देखकर विरोधी के पेट में दर्द हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन सरकार में अधिकारी बेलगाम हो गये है। गरीबों का काम नहीं हो रहा, बालू, जमीन मोटेशन के नाम पर आम लोगों से लूटा जा रहा है। आज बुजुर्गों का आठ महीनें का पेंशन बंद कर मंईयां योजना शुरू किया है जो दिसंबर में बंद हो जायेगा। श्री शाही ने कहा कि इस बार राज्य में भाजपा की सरकार बनना निश्चित है। मध्य प्रदेश की तर्ज पर बहनों को लाडली योजना के तहत लाभ दिया जाएगा। मौके पर जिप सदस्य ज्वाला प्रसाद, प्रमोद शुक्ला, कन्हाई प्रसाद, निरज सिंह, रविन्द्र सिंह, दिलीप जायसवाल, लल्लू ठाकुर, योगेंद्र राम, अनील पासवान, धर्मेन्द्र चंद्रवंशी, दिलीप पासवान, राजा शुक्ला आदि मौजूद थे।

मंदिर निर्माण समिति एवं ग्रामीणों की बैठक संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

रमना। प्रखंड के रमना पंचायत के मूर्ति टोला बगौंधा स्थित श्री हनुमान मंदिर के प्रांगण में निर्माण समिति एवं ग्रामीणों की बैठक श्री सुदर्शन बियार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में श्री हनुमान मंदिर के अधूरे निर्माण कार्य को पूरा करने एवं गंगा तालाब छठ पूजा घाट के विकास के लिए विस्तार पूर्वक विचार करते हुए सर्वसम्मति से बकाया सहयोग राशि संग्रह के लिए टीम का गठन किया गया। जिसमें सुदर्शन बियार, जय प्रकाश बैठा, बबलू बियार, मनोज साह, मनोज गुप्ता, राजेश कुमार, आनंद कुमार, पप्पू कुमार, अजय कुमार, सुनील प्रजापति, संजय प्रजापति, ललू प्रजापति, मनोज प्रजापति, संजय प्रजापति प्रथम का नाम शामिल हैं। जो गुरुवार से कार्य शुरू करेंगे। वहीं छठ पूजा घाट पर हो रहे चबूतरा निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने, मंदिर का प्लास्टर और पेंट पोचारा कराने, मंदिर व छठ पूजा घाट परिसर में फलदार एवं छायादार पेड़ पौधा लगाने का भी निर्णय लिया गया। एक अन्य प्रस्ताव पारित कर छठ पूजा की तैयारी हेतु छठ पूजा समिति एवं ग्रामीणों की बैठक आगामी 29 सितंबर को आहूत की गई है। बैठक में मुख्य रूप से नरेश साह, सुनील प्रजापति, रामलाल बियार, आशीष पासवान, महेन्द्र प्रसाद गुप्ता, मोती बियार, कमलेश बियार, पप्पू कुमार, मनोज गुप्ता, बबलू बियार आदि उपस्थित थे।

बैठक करते लोग।

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार शिविर में प्राप्त हुए 1016 आवेदन

शिविर में उपस्थित लोग।

मझिआंव। बरडीहा प्रखंड अंतर्गत जतरो बंजारी पंचायत सचिवालय के समीप मारे गुरु स्थल के प्ररिसर में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम शिविर का आयोजन किया गया। बीडीओ सह सीओ (प्रभारी) राकेश सहाय ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर षिविर का उद्घाटन किया। इस शिविर में विभिन्न विभागों से आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें स्वास्थ्य से संबंधित 2 आवेदनों का तत्काल निष्पादन किया गया। बाकी के 1014 आवेदन ऑनलाइन किया गया, और लंबित रहा। शिविर में सबसे अधिक अबुआ आवास योजना में 751 आवेदन मिले। शिविर में बीडीओ राकेश सहाय ने कार्यक्रम में आए लोगों को राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में जानकारी दी। मौके पर जिला परिषद सदस्य अर्चना देवी, प्रधान सहायक नरेंद्र कुमार, प्रखंड कर्मी अशोक चैधरी, श्याम कांत विश्वकर्मा सहित प्रखंड व अंचल के अन्य कर्मी उपस्थित थे।

पीएम मोदी की जनसभा में बम ब्लास्ट के दोषियों की फांसी की सजा को पटना हाइ कोर्ट ने उम्र कैद में बदली

गांधी मैदान सीरियल ब्लास्ट मामला 27 अक्टूबर, 2013 का है

एजेंसी

पटना। पटना हाई कोर्ट ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गांधी मैदान सभा में सिलसिलेवार बम ब्लास्ट के दोषियों की फांसी की सजा को उम्र कैद में बदल दिया है। साथ ही जिन लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी उनकी सजा को बरकरार रखा गया है।

जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने इस मामले पर सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रखा था, जिसे आज सुनाया गया। हाई कोर्ट ने इम्तियाज आलम, हैदर अली, नुमान अंसारी व मोजीबुल्लाह अंसारी की फांसी की सजा में

बदलाव किया है। गांधी मैदान सीरियल ब्लास्ट मामला 27 अक्टूबर, 2013 का है। उस दिन नरेन्द्र मोदी पटना में जनसभा को संबोधित करने आए थे। तभी सीरियल ब्लास्ट हुए थे। इसे लेकर पटना के गांधी मैदान थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद 31 अक्टूबर, 2013 को एनआईए ने केस संभाला था। इस मामले में हैदर अली, नुमान अंसारी, मजीबुल्लाह, उमर सिद्दिकी, फिरोज असलम, इम्तियाज आलम सहित नौ को सजा सुनाई गई। इसमें चार दोषियों को फांसी की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, अब पटना हाई कोर्ट ने इस मामले में चारों को उम्रकैद की सजा सुनाई है।

एनआईए के स्पेशल जज गुरविंदर सिंह मल्होत्रा ने इस मामले में चार दोषियों हैदर अली, इम्तियाज अंसारी, मोजीबुल्लाह अंसारी और नुमान अंसारी को फांसी की सजा सुनाई थी।

उल्लेखनीय है कि गांधी मैदान में भाजपा की हुंकार रैली में हुए सीरियल बम ब्लास्ट के दौरान नरेंद्र मोदी मंच पर मौजूद थे। उस दौरान वे गुजरात के मुख्यमंत्री हुआ करते थे। एनआईए अदालत ने इन सभी दोषियों को नम्बर 2021 में सजा सुनाई थी, जिसमें चार को फांसी के साथ ही आर्थिक जुमार्ना भी लगाया था। कोर्ट ने इस मामले में इम्तियाज अंसारी पर 80 हजार रुपये और हैदर अली, मोजीबुल्लाह अंसारी और नुमान अंसारी पर 90 हजार रुपये आर्थिक जुमार्ना लगाया था।

60 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

सेमीकंडक्टर में अब तक 1.5 लाख करोड़ निवेश और पाइप लाइन में कई परियोजनाएं : मोदी

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिप विशेषकर सेमीकंडक्टर को लेकर दुनिया से 21वीं सदी में भारत पर भरोसा करने की अपील करते हुए बुधवार को कहा कि इस क्षेत्र की वैश्विक कंपनियों के लिए देश में आने का यह सही समय हैं क्योंकि इस उद्योग में अब तक 1.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश आ चुका है और कई परियोजनाएं पाइप लाइन में है। श्री मोदी ने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में सेमिकॉन इंडिया 2024 का शुभारंभ करते हुए कहा कि हमारा सपना दुनिया के हर डिवाइस में भारतीय निर्मित चिप का है। भारत का इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र का आकार दशक के अंत तक 150 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि डिजाइनिंग के क्षेत्र में भारत दुनिया में 20 प्रतिशत टैलेंट का योगदान करता है। इसका निरंतर विस्तार हो रहा है। हम 85 हजार तकनीशियन, इंजीनियर और आरएंडडी विशेषज्ञों की सेमीकंडक्टर वर्क फोर्स तैयार कर रहे हैं। मोदी ने मोबाइल निर्यात का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत 5जी फोन का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। उन्होंने यह कहकर

- ▸▸ इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र का आकार दशक के अंत तक 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य
- ▸▸ 85 हजार तकनीशियन, इंजीनियर और आरएंडडी विशेषज्ञ होंगे तैयार

कंपनियों के सीइओ ने की मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा

दुनिया भर की सेमीकंडक्टर कंपनियों के प्रमुखों ने भारत में इस उद्योग को दिये जा रहे प्रोत्साहन को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की जमकर प्रशंसा की। सम्मेलन में विश्वस्तर के टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के सीईओ डॉ. रणधीर ठाकुर ने कहा कि पीएम मोदी ने देश के पहले कॉमर्शियल फैब का धोलेरा गुजरात व देश की पहली इंडीजीनियस ओसीइएट इंडस्ट्री का जागीरोड़ असम में फाउंडेशन स्टोन रखा। यह दोनों प्रोजेक्ट भारत सरकार से रिकॉर्ड समय के अंदर स्वीकृत हुए जिसने एक बेंचमार्क स्थापित किया है। यह भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के अंतर्गत संभव हुआ।

अपनी बात का समर्थन किया कि भारत का इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र अब 150 अरब डॉलर का है। पीएम ने कहा कि हमारा लक्ष्य भारत के इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र को 500 अरब डॉलर का उद्योग बनाकर 60 लाख नौकरियां पैदा करना है। इससे सेमीकंडक्टर उद्योग को भी मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्रौद्योगिकी और लोकतंत्र साथ-साथ चलने चाहिए। उन्होंने दुनिया में एक अच्छा सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बनाने के लिए दोनों के मिलकर काम करने की जरूरत पर रोशनी डाली। मोदी ने जोर देकर कहा कि मानव कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए लोकतंत्र और प्रौद्योगिकी का संयोजन महत्वपूर्ण है। उन्होंने वैश्विक सेमीकंडक्टर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। बुधवार को इससे पहले नई दिल्ली में अपने आधिकारिक आवास पर मोदी की अध्यक्षता में सेमीकॉन उद्योग के विशेषज्ञों के साथ बैठक हुई। सेमीकंडक्टर एक्जीक्यूटिव्स के गोलमेज सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुझाव दिया कि मानवता के कल्याण के लिए लोकतंत्र और प्रौद्योगिकी को एक साथ जोड़ा जाना चाहिए। मोदी ने व्यापार और भारत के भविष्य दोनों को आकार देने में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सेमीकंडक्टर डिजिटल युग की नींव के रूप में जल्द ही सबसे बुनियादी जरूरतों के लिए भी आवश्यक हो जाएंगे।भारत का फोकस अपने छात्रों और प्रोफेशनल्स को सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री रेडी बनाने पर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का सेमीकंडक्टर उद्योग विशेष डायोड से सुसज्जित है जहां ऊर्जा दोनों दिशाओं में प्रवाहित होती है। उन्होंने बताया कि जहां उद्योग निवेश करते हैं और मूल्य बनाते हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार स्थिर नीतियां और व्यापार करने में आसानी प्रदान करती है।

5जी फोन का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है भारत

स्पीड न्यूज

मलायका अरोड़ा के पिता ने की आत्महत्या

मुंबई। बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री मलायका अरोड़ा के पिता अनिल अरोड़ा ने यहां कथित रूप से अपने आवास की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली। मुंबई पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के कई अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। यह मामला आत्महत्या का बताया जा रहा है । पुलिस का हालांकि कहना है कि इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं है और फिलहाल कोई सुसाइड नोट आदि नहीं मिला है।

न्यूजीलैंड ने दी मंकी पॉक्स वैक्सीन को मंजूरी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड की सरकार ने मंकी पॉक्स के दो नए पुष्ट मामलों पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए इसके वैक्सीन के उपयोग को मंजूरी प्रदान कर दी है। न्यूजीलैंड के चिकित्सा सुरक्षा प्राधिकरण मेडसेफ ने मंकी पॉक्स वैक्सीन जिनियोस को अनंतिम मंजूरी प्रदान की है। स्वास्थ्य मंत्री शेन रेती ने बुधवार को बताया कि औषधि अधिनियम में एक विशिष्ट प्रावधान के अंतर्गत, सबसे ज्यादा जोखिम वाले लोगों में मंकी पॉक्स को रोकने के लिए 2023 से न्यूजीलैंड में जिनियोस का उपयोग किया जा रहा है।

जापान में तूफान को लेकर अलर्ट जारी

टोक्यो। जापान के मौसम विज्ञान केंद्र ने बुधवार को तूफान बेबिनका को लेकर चेतावनी जारी की और कहा कि इसके सप्ताहांत में ओकिनावा और अमामी क्षेत्रों सहित देश के दक्षिण-पश्चिमी द्वीप के करीब पहुंचने का अनुमान है, जिससे भारी बारिश हो सकती है तथा तेज हवाएं चलने के साथ मौसम बहुत खराब हो सकता है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने बताया कि साल का 13वां तूफान 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। इसके कारण संबंधित क्षेत्रों में मौसम अत्यधिक खराब होने का अनुमान है।

कांग्रेस का हाथ, भारत विरोधियों के साथः भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने अमेरिका में राहुल गांधी के बयानों और उनसे मिलने वालों पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इससे साफ होता जा रहा है कि कांग्रेस का हाथ भारत विरोधियों के साथ है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को कहा कि अमेरिका प्रवास के दौरान कल राहुल गांधी भारत विरोधी अमेरिकी सांसद एलान उमर से मिले। एलान उमर हमेशा से पाकिस्तान समर्थक और भारत विरोध के लिए जाने जाते हैं। राहुल बतौर सांसद और अब नेता प्रतिपक्ष कभी भारत समर्थक अमेरिकी सांसद गिलमैने, एकरमैन से नहीं मिले, अब तुलसी गबार्ड से भी नहीं मिलेंगे।

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए दो योजनायें मंजूर

कैबिनेट का फैसला

दो-तीन पहिया वाहन,एंबुलेंस और ट्रकों के लिए 10900 करोड़ के पीएम-ई-ड्राइव योजना मंजूर

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए पीएम-ई ड्राइव स्कीम को मंजूरी दी है। बुधवार को कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 10900 करोड़ रुपये की ई-ड्राइव स्कीम फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाइड्रो एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (फेम) का स्थान लेगी। फेम-1 और 2 चरण की सफलता के बाद नई स्कीम को लाया जा रहा। फेम में करीब 16 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों को सड़कों पर उतारने में मदद मिली। उधर,पीएम-ईबस के लिए 3435 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है जो ई-बस सेवा संचालित करने वाले ऑपरेटर को भुगतान सुरक्षा प्रदान करने का काम करेगी। मंत्री ने बताया कि पीएम ई-ड्राइव स्कीम के जरिए दोपहिया,तीन पहिया,एंबुलेंस (हाइब्रिड) व ट्रक को बढ़ावा दिया जाएगा। एबुलेंस के मामले में हाइब्रिड एंबुलेंस को सहयोग प्रदान किया जाए। इस बार स्कीम में ट्रक को भी लिया गया है। क्योंकि ट्रक से जुड़ी तकनीक में काफी विकास हुआ है। इसके साथ ही,इस बार चार्जिंग स्टेशन तैयार करने पर भी ध्यान रहेगा। देशभर में 88500 चार्जिंग स्टेशन बनाने के लिए 100 फीसदी सहयोग दिया जाएगा। स्कीम के तहत 14028 बस को खरीदने में मदद मिलेगी। उधर,पीएम-ई बस योजना पर मंत्री ना जानकारी दी कि कुछ समय पहले यह प्रोग्राम लांच किया गया था। इसमें पीपीपी मॉडल पर पार्टनर (ई-बस संचालित करने वाले ऑपरेटर) को होने वाले भुगतान में दिक्कतें आ रही थीं। देश भर में करीब 38 हजार ई-बस 169 शहरों में पहले से चल रही हैं,जिन कंपनियों की तरफ से इन बसों को संचालित किया जा रहा है, उनके भुगतान को पीएम-ई बस भुगतान सुरक्षा प्रणाली के तहत गारंटी प्रदान की जाएगी। ई-बस से संचालन और रखरखाव की लागत कम हो जाती है। उससे कई राज्यों की ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी मुनाफे में आ गए हैं। इससे प्रदूषण कम होती है और कनेक्टिटी भी अच्छी होती है। अब भुगतान सुरक्षा के कारण शहरों में ई-बस को संचालन बढ़ेगा।

15 नर्सिंग पेशेवरों को मिला फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुमू ने नर्सिंग कार्य में उल्लेखनीय सेवा के लिए बुधवार को 15 नर्सिंग पेशेवरों को वर्ष 2024 के लिए राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन में आयोजिम समारोह में ये पुरस्कार दिये। पुरस्कार पाने वाले पेशेवरों में श्रीमती शीला मंडल , आइकेन लोलन, विद्जेयकुमारी वी, जनुका पांडे, अनिनंदता प्रमाणिक , बी अमूसाना देवी, मेजर जनरल आई डेलोस फ्लोरा , प्रेम रोज सूरी, तब्बसुम इरशाद हांडू , नागराजैया, शमशाद बेगम अतालदा , आशा डब्ल्यू बावने , मनकीमी, संयुक्ता सेठी और श्री राधे लाल शर्मा शामिल हैं।

साइबर अपराध के खिलाफ मुहिम में जुड़े अमिताभ बच्चन

नयी दिल्ली। प्रसिद्ध बॉलीवुड फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन गृह मंत्रालय की साइबर अपराधों के खिलाफ शुरू की गई मुहिम से जुड़े हैं। उन्होंने एक वीडियो संदेश भी दिया है। इसे साझा करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए गृह मंत्रालय देश में एक सुरक्षित साइबर स्पेस बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में अमित शाह ने कहा कि भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने इस दिशा में कई कदम उठाए हैं। उन्होंने साइबर-सुरक्षित भारत के निर्माण के मिशन को गति देने में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन को धन्यवाद दिया। मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने आज एक वीडियो संदेश में कहा कि देश और दुनिया में बढ़ता साइबर अपराध चिंता का विषय है। गृह मंत्रालय के अधीन भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए लगातार काम कर रहा है। वे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अनुरोध पर इस अभियान में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर देश को इस समस्या से मुक्ति दिलानी चाहिए। हमारी थोड़ी सी सतर्कता और सावधानियां हमें साइबर अपराधियों से बचा सकती हैं।

2 हजार करोड़ की लागत से शुरू होगा मिशन मौसम

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने देश में मौसम और जलवायु विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान को बढावा देने के लिए दो हजार करोड़ रुपए की लागत से मिशन मौसम शुरू करने का निर्णय लिया है। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को बताया कि मंत्रिमंडल ने दो वर्षों में 2,000 करोड़ रुपये के व्यय के साथ मिशन मौसम को मंजूरी दे दी है। मिशन मौसम, जिसे मुख्य रूप से पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा क्रियान्वित किया जाएगा, को देश के मौसम और जलवायु से संबंधित विज्ञान, अनुसंधान और सेवाओं को जबरदस्त बढ़ावा देने के लिए एक बहुआयामी और परिवर्तनकारी पहल माना जाता है।

सीबीआइ ने चार जूनियर डॉक्टरों से की पूछताछ

दुष्कर्म व हत्या मामला

एजेंसी

कोलकाता। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर महिला डॉक्टर के दुष्कर्म एवं हत्या के मामले की जांच कर रही सीबीआई ने बुधवार को कोलकाता के सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित अपने कार्यालय में चार जूनियर डॉक्टरों से पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार इन चार जूनियर डॉक्टरों को पूछताछ के लिए बुलाया गया। अब तक इस मामले में सिर्फ एक व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई है, जबकि अस्पताल से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं के मामले में कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। सीबीआई इस मामले में और साक्ष्य जुटाने के प्रयास में है, ताकि जांच को और तेज किया जा सके। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई के दौरान पोस्टमॉर्टम प्रक्रिया पर जनहित याचिका दायर करने वाले व्यक्ति ने संदेह व्यक्त किया था। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने भी पोस्टमॉर्टम से जुड़े कुछ सवाल पूछे थे और राज्य से इसके दस्तावेजों की जानकारी मांगी थी।

असर्फी हॉस्पिटल,धनबाद

SURGERY FROM ADMISSION TO DISCHARGE INCLUDING MEDICINE

Package	Day	Price
Gallbladder	4	₹ 37,000
Hydrocele	1	₹ 18,500
Appendix	3	₹ 30,500
Lapchole	3	₹ 35,500
Hernia	3	₹ 30,000
Piles	3	₹ 25,500

7808368888 www.asarfihospital.com

तरंग शक्ति में वायु सेना ने रात में दिखायी युद्ध क्षमता

लड़ाकू विमानों की गर्जना से गूंजा जोधपुर

एजेंसी

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय हवाई अभ्यास तरंग शक्ति के दौरान भारतीय वायु सेना ने अपनी रात्रिकालीन हवाई युद्ध की क्षमता का प्रदर्शन किया है। जोधपुर का आसमान शक्तिशाली लड़ाकू विमानों की गर्जना से जीवंत हो उठा। फेज-2 के दौरान वायु सेना की रात्रि मिशन सटीकता ने अपनी ताकत और अंतर-संचालन क्षमता को परिभाषित किया है। रात के आसमान में उड़ान भरने के लिए तैयार वायु सेना ने अपने कौशल और समन्वय का प्रदर्शन करके रेगिस्तानी इलाके में विदेशी सेनाओं के सामने अपनी रक्षात्मक और आक्रामक अभियान को दिखाया है। भारतीय वायु सेना की मेजबानी में पहली बार हो रहे बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास तरंग शक्ति के दूसरे चरण की औपचारिक शुरूआत 29 अगस्त से हुई। इस चरण में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, बांग्लादेश, सिंगापुर, यूएई की वायु सेनाओं के साथ 14 सितंबर तक चलने वाले 'तरंग शक्ति' के दौरान वायु सेनाओं के लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, विशेष ऑपरेशन विमान, मध्य हवा में ईंधन भरने वाले और हवाई चेतावनी और नियंत्रण प्रणाली (अवाक्स) विमान सहित 70-80 विमान भाग ले रहे हैं। इस अभ्यास में अमेरिका अपने एफ-16 और ए-10 विमानों के साथ भाग ले रहा है। तरंग शक्ति अभ्यास में भारत के सबसे छोटे लड़ाकू एलसीए तेजस ने अपनी क्षमता का अद्भुत प्रदर्शन किया। इसकी ताकत परखने के लिए कई विदेशी वायु सेनाओं के प्रमुखों ने एलसीए में उड़ान भरी है। वैश्विक रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए भारत ने अपनी उन्नत हवाई क्षमताओं को प्रदर्शित किया। भारतीय टुकड़ी ने कई हवाई युद्ध उड़ानों में भाग लेकर आत्मनिर्भरता के तहत स्वदेशी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। हिंद महासागर क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने के लिए भारतीय लड़ाकू विमान सुखोई-30 ने राफेल की जोड़ी का नेतृत्व किया। भारतीय वायु सेना ने अपनी रात्रिकालीन हवाई युद्ध की क्षमता का प्रदर्शन किया है। वायु सेना ने बुधवार को फोटो और वीडियो शेयर करके रात्रिकालीन हवाई युद्ध अभ्यास के बारे में आधिकारिक तौर पर जानकारी दी। इस अभ्यास में स्वदेशी एलसीए तेजस ने अपनी लड़ाकू ताकत का प्रदर्शन करके प्रतिभागी वायु सेनाओं के सामने अपनी क्षमता दिखाई है। हवाई अभ्यास के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध का भी वातावरण तैयार किया गया, जहां वायु सेना ने सतह से हवा में मार करने वाले निर्देशित हथियार तैनात किये गए।